राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

हर खबर की खबर

नई दिल्ली, पटना एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

03 | नालंदा में ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण ...

पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से ... | 12

वर्ष : 14 | अंक : 133 | पटना, शनिवार, 22 अगस्त, 2026 | विक्रम संवत् 2083 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

सीएम ने केंद्रीय वित्त मंत्री और विदेश मंत्री से मुलाकात कर बिहार के विकास से जुड़ी कई परियोजनाओं पर की चर्चा

कोसी नदी पर हाई डैम का डीपीआर जल्द बनेगा सीएम की आग्रह को केंद्र ने माना

मुख्यमंत्री के आग्रह पर : केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने डैम के डीपीआर को शीघ्र पूरा करने का दिया निर्देश

प्रात : किरण

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उप मुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी एवं राज्यसभा सांसद संजय कुमार झा के साथ नई दिल्ली में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण तथा केंद्रीय विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर से मुलाकात कर बिहार के विकास से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर सकारात्मक एवं सार्थक चर्चा की। बैठक में केंद्रीय बजट में बिहार के लिए की गई घोषणाओं के अनुरूप राज्य को मिलने वाली राशि एवं विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर विस्तार से विचार-विमर्श हुआ। मुख्यमंत्री ने बिहार के विकास के लिए केंद्र से अपेक्षित सहयोग एवं लंबित विषयों पर शीघ्र कार्रवाई का अनुरोध किया। कोसी-मेची अंतः राज्यीय रिवर लिंक परियोजना के संबंध में प्रथम चरण के लिए आवश्यक राशि तथा द्वितीय चरण के तकनीकी अनुमोदन का विषय प्रमुखता से उठाया गया। केंद्रीय वित्त मंत्री ने इस संबंध में एन डब्ल्यूडीए एवं जल शक्ति मंत्रालय को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस परियोजना के आगे बढ़ने से बिहार के सीमांचल क्षेत्र में सिंचाई, कृषि एवं जल प्रबंधन को महत्वपूर्ण लाभ मिलेगा। सप्त कोसी परियोजना के संबंध में भी चर्चा हुई। केन्द्रीय वित्त मंत्री ने मुख्यमंत्री के आग्रह पर कोसी नदी पर हाई लेवल डैम के डीपीआर को शीघ्र पूरा करने का निर्देश दिया। बैठक में यह सुनिश्चित करने पर सहमति बनी कि संयुक्त तकनीकी विशेषज्ञ समिति में बिहार का एक सदस्य शामिल रहेगा, जिससे परियोजना से जुड़े तकनीकी विषयों में राज्य के हितों को प्रभावी रूप से रखा जा सके। बिहार को एसएनए & स्पर्श के माध्यम से अधिक केंद्रीय सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इसे 30 सितंबर तक लागू करने पर प्रभावी रूप से लागू करने पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे राज्य को विकास योजनाओं के लिए अतिरिक्त वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

बैठक में विक्रमशिला विश्वविद्यालय की स्थापना से जुड़े विषय पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने बताया कि भागलपुर में विश्वविद्यालय के लिए 219 एकड़ भूमि बिहार सरकार द्वारा उपलब्ध करा दी गई है। इसी प्रकार हाजीपुर में निफ्टेम के लिए 100 एकड़ भूमि भी राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध करा दी गई है। मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार से दोनों संस्थानों का कार्य शीघ्र प्रारंभ कराने का अनुरोध किया।

बिहार के विकास से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर केंद्र सरकार की सकारात्मक सहयोग

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि बैठक अत्यंत सकारात्मक रही और बिहार के विकास से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर केंद्र सरकार की ओर से सकारात्मक सहयोग एवं आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन मिला है। सोन-फल्गू रिवर लिंक परियोजना, महाबोधि कॉरिडोर एवं विष्णुपद मंदिर कॉरिडोर का कार्य भी शीघ्र शुरू कराने के संबंध में चर्चा हुयी। उन्होंने कहा कि बिहार के समग्र विकास, आधारभूत संरचना के विस्तार और राज्य के लिए अधिक से अधिक केंद्रीय संसाधन उपलब्ध कराने के लिए केंद्र एवं राज्य सरकार मिलकर तेजी से कार्य कर रही है।

अगले चार वर्षों में अर्थव्यवस्था को चार गुना करने का लक्ष्य : सम्राट

द इकोनॉमिक टाइम्स के 'वर्ल्ड लीडर्स फोरम' में मुख्यमंत्री ने बिहार के विकास की योजनाओं पर विस्तार से रखी बात

- मुख्यमंत्री ने कहा- बिहार बदलाव के करीब खड़ा है
- अगले पांच वर्षों में खनन क्षेत्र से लगभग 7-8 हजार करोड़ रुपए राजस्व अर्जित करने की कार्ययोजना

प्रात : किरण

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने द इकोनॉमिक टाइम्स के कार्यक्रम वर्ल्ड लीडर्स फोरम में बिहार के विकास की भावी दिशा, निवेश की संभावनाओं, आधारभूत संरचना, जल प्रबंधन, रोजगार, शिक्षा और महिला सशक्तीकरण सहित विभिन्न विषयों पर विस्तार से अपनी बात रखी। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार बदलाव के करीब खड़ा है।

बिहार तेजी से आगे बढ़ रहा है। लंबे समय तक किसी कारणवश बिहार विकास की दौड़ में पीछे रह गया था लेकिन अब मूलभूत आवश्यकताओं- सड़क, बिजली और पानी के क्षेत्र में लगभग सभी आवश्यक कार्य पूरे किए जा चुके हैं। अब सरकार का विशेष फोकस उद्योग, निवेश और रोजगार पर है, इसके लिए अनेक नई नीतियां बनाई गई हैं ताकि देश-दुनिया के निवेशकों को बिहार में उद्योग स्थापित करने के लिए अनुकूल वातावरण मिल सके। उन्होंने कहा कि सरकार ने सुशासन को प्राथमिकता देते हुए सहयोग कार्यक्रम की शुरूआत की है। अब तक 6 लाख 42 हजार आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 96 प्रतिशत आवेदनों का निष्पादन किया जा चुका है।

उद्योग और निवेश के लिए अनुकूल वातावरण तैयार तैयारमुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में उद्योग और निवेश के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया जा रहा है। विशेष नीतियां बनाई गई हैं। उद्योगों को जमीन, बिजली और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में सरकार लगातार काम कर रही है।

कोसी नदी को अभिशाप से वरदान में बदलना सरकार का लक्ष्य: कोसी नदी को अभिशाप से वरदान में बदलना सरकार का लक्ष्य है। कोसी और गंडक उत्तर बिहार की दो प्रमुख नदियां हैं। गंगा, गंडक और कोसी के दोनों किनारों पर एकीकृत फोर लेन सड़क तथा औद्योगिक कॉरिडोर विकसित करने की परिकल्पना की जा रही है। गंगा और गंडक के किनारे इंडस्ट्रियल कॉरिडोर, एजुकेशनल हब, इंस्टीट्यूशनल हब और बड़े टाउनशिप विकसित किए जाएंगे। बिहार को कृषि आधारित अर्थव्यवस्था से आगे ले जाकर उद्योग, शिक्षा, पर्यटन, परिवहन और जलमार्ग से जोड़ने की दिशा में काम किया जा रहा है।

अगले पांच वर्षों में एक करोड़ लोगों को नौकरी एवं रोजगार देने का लक्ष्य: मुख्यमंत्री ने कहा कि कहा कि 2025 के चुनाव से पहले तक 53 लाख लोगों को सरकारी नौकरी एवं रोजगार उपलब्ध कराया गया। अब अगले पांच वर्षों में एक करोड़ लोगों को नौकरी एवं रोजगार देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

बिहार में महिलाओं की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है और उनकी सुरक्षा के लिए भी प्रभावी व्यवस्था की गई है। बिहार में 40 हजार से अधिक महिला पुलिसकर्मी कार्यरत हैं, जो देश में सर्वाधिक है।

बिहार को विकास की नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार की जनता की आकांक्षाएं सरकार के लिए सर्वोपरि हैं। अगले चार वर्षों में बिहार की अर्थव्यवस्था को चार गुना करने का लक्ष्य लेकर सरकार आगे बढ़ रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत को विकसित बनाने की दिशा में लगातार काम कर रहे हैं और पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार के विकास के लिए महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। वर्तमान सरकार उन कार्यों को आगे बढ़ाते हुए बिहार को विकास की नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने देश-विदेश के निवेशकों और उद्योगपतियों से बिहार में निवेश करने का आह्वान करते हुए कहा कि आप सरकार पर भरोसा करिए और बिहार की समृद्धि का रास्ता खोलने में अपना योगदान दीजिए। बिहार की समृद्धि से ही विकसित भारत का मार्ग प्रशस्त होगा। उन्होंने कहा कि राजनीति में लोग आते-जाते रहते हैं लेकिन बिहार को बदलने का संकल्प निरंतर जारी रहना चाहिए। भारत के नक्शे में बिहार का स्थान हृदय के समान है। जिस बिहार की धरती ने भारत को स्वर्णिम काल दिया, वही बिहार आने वाले समय में देश की समृद्धि का रास्ता खोलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। बिहार बदलाव के रास्ते पर निरंतर आगे बढ़ता रहेगा।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए बड़े स्तर पर किया जा रहा काम

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए बड़े स्तर पर काम किया जा रहा है। राज्य के 534 प्रखंडों में शिक्षा की सुविधाओं को मजबूत किया जा रहा है। 551 मॉडल स्कूल विकसित किए जा रहे हैं। विद्यार्थियों को पढ़ाई में आने वाली समस्याओं के समाधान के लिए ऑनलाइन शिक्षक सहायता उपलब्ध कराने की व्यवस्था भी की जा रही है। परीक्षा व्यवस्था को पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिए पटना उच्च न्यायालय से आग्रह किया गया है कि सिटिंग अथवा सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय समिति गठित कर परीक्षा में पेपर लीक सहित अन्य समस्याओं के समाधान और शिक्षा व्यवस्था में सुधार की दिशा में सुझाव दिए जाएं।

संक्षिप्त खबरें

बांग्लादेश के प्रधानमंत्री का भारत दौराः राष्ट्रपति भवन में पूर्ण अभ्यास की तैयारी

नईदिल्ली। राष्ट्रपति भवन ने शुक्रवार को संकेत दिया कि बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान की आगामी भारत यात्रा तय कार्यक्रम के अनुसार होगी। उनके औपचारिक स्वागत की तैयारियों के तहत राष्ट्रपति भवन ने साप्ताहिक ह्यचेंज ऑफ गार्डह्ल समारोह को रद्द करने की घोषणा की है ताकि स्वागत समारोह का पूरा अभ्यास किया जा सके। राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में होने वाले ह्यचेंज ऑफ गार्डह्ल समारोह (सुरक्षा गार्ड को बदले जाने से जुड़ा एक सैन्य कार्यक्रम) इस शनिवार (22 अगस्त, 2026) को नहीं होगा, क्योंकि बांग्लादेश के प्रधानमंत्री के औपचारिक स्वागत के लिए पूर्ण अभ्यास किया जाना है। राष्ट्रपति भवन की ओर से जारी एक बयान में यह जानकारी दी गई। यह घोषणा ऐसे समय में की गई है जब 12-13 सितंबर को होने वाले ब्रिक्स के शिखर सम्मेलन के लिए रहमान की प्रस्तावित नई दिल्ली यात्रा को लेकर राजनयिक अनिश्चितता बनी हुई है। यह अनिश्चितता दोनों पड़ोसी देशों के बीच हालिया तनाव के कारण है, जो ढाका की ओर से अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग किए जाने से पैदा हुई है।

जंतर-मंतर पर हुए प्रदर्शन में पैलेट गन के इस्तेमाल का आदेश किसने दिया : राहुल

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी शुक्रवार को दिल्ली के संसद मार्ग पुलिस स्टेशन पहुंचे। बताया गया कि वे जंतर-मंतर और कनॉट प्लेस में हुए आंदोलनों के दौरान पैलेट गन के कथित इस्तेमाल से प्रभावित साहिल के मामले में जानकारी लेने और एफआईआर दर्ज कराने की मांग को लेकर पुलिस अधिकारियों से मिलने पहुंचे थे। इस दौरान पुलिस स्टेशन के बाहर कांग्रेस नेताओं और पुलिस के बीच तीखी नोकझोंक और हाईवोल्टेज ड्रामा देखने को मिला। राहुल गांधी ने पत्रकारों से बातचीत में आरोप लगाया कि 20 जुलाई को कनॉट प्लेस में पैलेट गन का इस्तेमाल किया गया था। उन्होंने दावा किया कि साहिल के शरीर में 200 से ज्यादा छर्रे लगे हैं और उसकी आंख में तीन छर्रे लगे हैं। उन्होंने कहा कि एम्स की रिपोर्ट में भी शरीर में बड़ी संख्या में छर्रे होने की बात दर्ज है। उन्होंने कहा कि शुक्रवार सुबह भी वे एक पुलिस स्टेशन गए थे, जहां से उन्हें दूसरे थाने जाने के लिए कहा गया। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि शिकायत पर कार्रवाई करने के बजाय पीड़ित पक्ष को लगातार परेशान किया जा रहा है। कांग्रेस सांसद मुकुल वासनिक ने भी इस पूरे मामले को लेकर सरकार और पुलिस प्रशासन पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जांच अपनी जगह जारी रहेगी लेकिन सबसे पहले यह पता लगना चाहिए कि कथित तौर पर कील लगी लाठियों के इस्तेमाल का आदेश किसने दिया था। क्या इस कार्रवाई का आदेश केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दिया था या किसी और ने। अगर इस तरह की कार्रवाई का आदेश गृह मंत्री की ओर से दिया गया था, तो छात्रों पर हुए कथित बर्बर हमले की जिम्मेदारी भी तय होनी चाहिए। मध्य प्रदेश में कांग्रेस नेता मुकेश नायक ने भी इस मुद्दे पर सरकार और दिल्ली पुलिस को चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि एक नौजवान की आंख गंभीर रूप से घायल हो गई है और उसके शरीर के अलग-अलग हिस्सों में पैलेट गन के छर्रे लगे हैं। जिस युवक के साथ इतना गंभीर घटनाक्रम हुआ, उसके बाद भी न्याय के लिए पीड़ितों और छात्रों को भटकना पड़ रहा है। यदि एफआईआर दर्ज नहीं की गई और राहुल गांधी की मांग पर कार्रवाई नहीं हुई, तो कांग्रेस मध्य प्रदेश के सभी पुलिस थानों का घेराव करेगी।

राहुल गांधी कानून का सम्मान करें, अराजकता न फैलाएंः रविशंकर

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी ने राहुल गांधी के संसद मार्ग थाने के बाहर किए गए विरोध प्रदर्शन पर तीखा हमला बोला। भाजपा के मुताबिक जिस मामले को लेकर राहुल गांधी धरना दे रहे हैं, उसकी जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट ने पहले ही उच्चस्तरीय समिति गठित कर दी है। राहुल गांधी बिना पूर्व अनुमति संसद मार्ग थाने के बाहर धरने पर बैठे, जबकि पुलिस पहले स्पष्ट कर चुकी है कि मामले में एफआईआर दर्ज है और जांच जारी है। भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने शुक्रवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि इस मामले में गठित समिति की अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश कर रहे हैं। इसके अलावा इसमें दो अन्य न्यायाधीश, सीबीआई के पूर्व निदेशक और एक अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि गोली चली थी या नहीं, यह भी इसी समिति की जांच का विषय है। उन्होंने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा, क्या राहुल गांधी को कानून के शासन का कोई सम्मान नहीं है? क्या वे अपनी मर्जी से कहीं भी जाकर धरना देंगे और अराजकता फैलाएंगे?

सभी जिलों में 'स्केल-अप एंड मार्केट एक्सेस' कार्यक्रम आयोजित

- विश्व उद्यमिता दिवस के अवसर पर 6,000+ इनोवेटर्स ने लिया भाग
- उद्यमियों को सरकारी सहयोग, विभागीय सुविधाओं, प्रक्रियाओं, नियामकीय अनुपालन एवं व्यवसाय विस्तार से जुड़े अवसरों की जानकारी

प्रात : किरण

पटना। विश्व उद्यमिता दिवस 2026 के अवसर पर उद्योग विभाग की ओर से स्टार्टअप बिहार के माध्यम से शुक्रवार को सभी जिलों में राज्यव्यापी स्केल-अप एंड मार्केट एक्सेस कार्यक्रम आयोजित किया गया।

47 स्टार्टअप सेल्स पर आयोजित इस कार्यक्रम में 6,000 से अधिक वर्तमान एवं भावी इनोवेटर्स ने भाग लिया। स्केल बियॉन्ड द आईडिया. रिच बियॉन्ड द मार्केट की थीम और स्टार्ट लोकल. स्केल ग्लोबल के संदेश के साथ आयोजित इस पहल का उद्देश्य स्टार्टअप्स को विचार एवं शुरूआती चरण से आगे बढ़ाकर उत्पाद के व्यावसायीकरण, बाजार तक पहुंच, व्यवसाय विस्तार और सतत विकास की दिशा में सहयोग प्रदान करना था।

जिला स्तर पर आयोजित कार्यक्रमों में स्टार्टअप संस्थापक, उद्यमी, विद्यार्थी, उद्योग विशेषज्ञ, सरकारी अधिकारी, मेंटर एवं इन्क्यूबेशन इकोसिस्टम से जुड़े प्रतिनिधि शामिल हुए। कार्यक्रमों में स्टार्टअप उत्पादों का लॉन्च एवं प्रदर्शन, सफल उद्यमियों की प्रेरक कहानियां, स्केल-अप एवं मार्केट एक्सेस पर विशेषज्ञ सत्र, नेटवर्किंग तथा सरकारी विभागों के साथ संवाद प्रमुख गतिविधियां रहीं। उद्यमियों को सरकारी सहयोग, विभागीय सुविधाओं, प्रक्रियाओं, नियामकीय अनुपालन एवं व्यवसाय विस्तार से जुड़े अवसरों की जानकारी दी गई। साथ ही, संभावित ग्राहकों, साझेदारों और नए बाजारों से जुड़ने के अवसर उपलब्ध कराए गए।

मौके पर सफल उद्यमियों एवं उद्योग विशेषज्ञों ने अपने उद्यमिता सफर, चुनौतियों, असफलताओं और उनसे मिली सीख साझा की, जिससे युवा एवं भावी उद्यमियों को व्यवसाय निर्माण और रोजगार सृजन के व्यावहारिक पहलुओं को समझने का अवसर मिला। कार्यक्रम के तहत इनोवेशन वॉल की पहल भी की गई, जिसमें प्रतिभागियों को बिहार आधारित स्टार्टअप्स द्वारा नवाचार के माध्यम से हल किए जा सकने वाले वास्तविक समस्याओं की पहचान करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

यह राज्यव्यापी पहल महानगरों से आगे जिला स्तर तक उद्यमिता सहयोग को पहुंचाने और बिहार के स्टार्टअप इकोसिस्टम को अधिक समावेशी एवं बाजारोन्मुख बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

350 से अधिक सुपारी किलर की सूची तैयार, दबोचने की कार्रवाई शुरू

- एसटीएफ की प्रेस वार्ता में डीआईजी ने दी जानकारी, अपराधियों के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई जारी

प्रात : किरण

पटना। राज्य में एसटीएफ (विशेष टॉस्क फोर्स) अपराधियों को किसी घटना को अंजाम देने के बाद गिरफ्तार कर ही रही है। बल्कि, विशेष खुफिया तंत्र और सशक्त पुलिसिंग की बदौलत किसी आपराधिक वारदात को अंजाम देने से पहले भी अपराधियों को दबोच रही है। पुलिस महकमा की विशेष इकाई एसटीएफ ने राज्यभर में 350 से अधिक सुपारी किलर की सूची तैयारी की है और इन्हें दबोचने की कवायद भी तेजी से कर रही है।

इस कवायद से सुपारी किलिंग नेटवर्क पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित हो रहा है। यह जानकारी एसटीएफ के डीआईजी श्री संजय कुमार सिंह ने पुलिस मुख्यालय सरदार पटेल भवन के सभागार में शुक्रवार को आयोजित प्रेस वार्ता में दी। उन्होंने कहा कि इस वर्ष जनवरी से अब तक 1716 अपराधियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। ये सभी अपराधी चाहे टॉप-10 या हार्डकोर अपराधियों की श्रेणी में शामिल हैं। इनमें 63 अपराधियों पर जिला या राज्य स्तर पर ईनाम भी घोषित हैं। विभिन्न तरह की आपराधिक वारदातों में शामिल 27 अपराधियों को राज्य के बाहर से भी गिरफ्तार करके लाया गया है। उन्होंने कहा कि आपराधिक वारदात के 94 मामलों को घटना होने से पहले ही रोक लिया गया, जिसमें हत्या के 40, डकैती एवं छिनैती के 48 और अन्य तरह के अपराध से जुड़े 6 मामले शामिल हैं।

डीआईजी ने कहा कि पिछले 8 महीनों के दौरान अपराधियों के साथ पुलिस के 19 मुठभेड़ हुए, जिसमें 3 अपराधी मारे गए और 18 घायल हो गए हैं। इन मुठभेड़ों के माध्यम से कुख्यात अपराधियों के नेटवर्क को कमजोर करते हुए क्षेत्र में विधि-व्यवस्था की स्थिति को मजबूत की गई है। उन्होंने कहा कि संगठित अपराध को रोकने के लिए जिलावार विशेष कार्य बल के तैनात पदाधिकारी के स्तर से सक्रिय गिरोहों और इसके सदस्यों के संबंध में तैयार डाटाबेस के आधार पर संगठित गिरोहों के खिलाफ अभियान चलाकर गिरफ्तारी की जा रही है। इसमें भू-माफियाओं को भी चिन्हित करके कार्रवाई की जा रही है और उनके स्तर से अर्जित अवैध संपत्ति की पहचान कर पीएमएलए (प्रीवेंशन ऑफ मनी लॉड्रिंग एक्ट) के तहत कार्रवाई करने के लिए ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) को प्रस्ताव भेजा जा रहा है। डीआईजी ने कहा कि इस वर्ष अब तक 33 मिनी गन फैक्ट्री का खुलासा किया गया है। इस दौरान 1 एके-47 रायफल, दो इंसास रायफल के अलावा 398 देशी हथियार बरामद किए गए हैं। इसके अलावा 1300 राउंड गोली भी बरामद की गई है। इसके नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए एनआईए के स्तर से भी जांच की जा रही है।

उन्होंने कहा कि बैंक, ज्वेलरी और गोल्ड लूट गिरोहों के खिलाफ भी लगातार कार्रवाई की जा रही है। इस वर्ष करीब 10 किलो लूटे गए सोना, 50 किलो चांदी और 11.97 लाख कैश बरामद किए गए हैं। इसमें कर्नाटक के मैसूर स्थित ज्वेलरी शॉप लूट, महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिला के दाउदनगर थाना में हुई लूट, उड़ीसा के कोइंझर जिला बरबिला थाना में बैंक ऑफ महाराष्ट्र शाखा लूट कांड जैसे अन्य कई प्रमुख कांडों का खुलासा किया गया है। इन मामलों में शामिल 113 अपराधियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि साईबर अपराध से जुड़े 19 मामलों को भी हल किया गया।

मुलाकात पीएम मोदी ने 20 अंतरिक्ष स्टार्टअप्स के प्रमुखों से की मुलाकात, भारत को वैश्विक अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी केंद्र बनाने का किया आह्वान

जब भी दुनिया अंतरिक्ष के बारे में सोचे, उसकी नजर भारत पर टिकी होः मोदी

प्रात : किरण

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी स्थित सेवा तीर्थ में भारत के 20 प्रमुख अंतरिक्ष स्टार्टअप्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों और संस्थापकों के साथ बातचीत की। इस दौरान उन्होंने देश के निजी अंतरिक्ष क्षेत्र की तेजी से बढ़ती क्षमता की सराहना करते हुए भारत को वैश्विक स्तर पर अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का प्रमुख केंद्र बनाने के लिए अधिक सहयोग और नवाचार पर जोर दिया। इस बैठक में उन स्टार्टअप्स के प्रतिनिधि शामिल हुए जो रॉकेट निर्माण, पुनः उपयोग योग्य अर्ध-क्रायोजेनिक प्रक्षेपण यान, उपग्रह तकनीक, वैमानिकी इलेक्ट्रॉनिक्स, उन्नत प्रणोदन प्रणाली, अंतरिक्ष एवं रक्षा खुफिया समाधान, अंतरिक्ष मलबा हटाने की तकनीक तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई)-आधारित मौसम और जलवायु पूवार्नुमान जैसे क्षेत्रों में काम कर रहे हैं।स्टार्टअप संस्थापकों ने प्रधानमंत्री को भारत के निजी अंतरिक्ष क्षेत्र में हुई तेज प्रगति के बारे में जानकारी दी और भविष्य के लिए अपनी योजनाएं साझा कीं। उन्होंने बताया कि उनकी कंपनियों ने स्वदेशी तकनीक और क्षमताओं के विकास में वर्षों की मेहनत और निवेश किया है। साथ ही उन्होंने अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी भागीदारी के लिए खोलने और विभिन्न नीतिगत सुधारों के लिए केंद्र सरकार तथा प्रधानमंत्री का आभार भी व्यक्त किया। उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने कहा कि सरकार के सहयोग और कंपनियों के बीच बढ़ती भागीदारी के कारण एक मजबूत अंतरिक्ष पारिस्थितिकी तंत्र विकसित हो रहा है। उन्होंने बताया कि उनकी टीमें बड़े लक्ष्यों को हासिल करने के लिए उत्साह और प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही हैं। स्टार्टअप प्रमुखों ने याद किया कि जब सरकार ने अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी सहभागिता के लिए खोला था, तब इससे उद्योग जगत में नया उत्साह पैदा हुआ और भारतीय कंपनियों के लिए अनेक अवसर खुले। उन्होंने यह भी बताया कि अब कई उद्योग और संस्थान निजी अंतरिक्ष कंपनियों द्वारा विकसित तकनीकों को अपनाने में रुचि दिखा रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने स्टार्टअप संस्थापकों के साहस, नवाचार और पहल की सराहना करते हुए कहा कि निजी कंपनियों द्वारा प्रदर्शित आत्मविश्वास ने अंतरिक्ष क्षेत्र को उदारीकृत करने के निर्णय को और मजबूत किया है।

उन्होंने कहा कि दुनिया के कई देशों के पास अंतरिक्ष कार्यक्रमों में बड़े निवेश करने के लिए पर्याप्त संसाधन नहीं हैं या वे ऐसे निवेश को प्राथमिकता नहीं देते। ऐसी स्थिति भारत के लिए एक बड़ा अवसर प्रस्तुत करती है, जिससे वह वैश्विक अंतरिक्ष उद्योग में अपनी स्थिति को तेजी से मजबूत कर सकता है।

बीएसपीएचसीएल को पावर सेक्टर में उत्कृष्ट प्रशिक्षण के लिए मिला स्कील एक्सीलेंस अवार्ड 2026

1,900 नवनियुक्त तकनीशियनों की इंडक्शन स्किलिंग पहल को मिली राष्ट्रीय पहचान

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। बिहार स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी लिमिटेड को पावर सेक्टर में इंडक्शन स्किलिंग में उत्कृष्टता के लिए प्रतिष्ठित स्कील एक्सीलेंसी अवार्ड 2026 से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार शुक्रवार को नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम के तहत ढररउ की इंडस्ट्री कंसल्टेशन वर्कशॉप में प्रदान किया गया।

ट्रेनिंग को-ऑर्डिनेटर-कम-कंसल्टेंट अशोक कुमार ने पुरस्कार ग्रहण किया। पुरस्कार केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (उएअ) के चेयरपर्सन एवं पावर सेक्टर स्किल काउंसिल (ढररउ) के प्रेसिडेंट, श्री घनश्याम प्रसाद द्वारा प्रदान किया गया। कार्यक्रम में पावर सेक्टर के वरीय अधिकारी एवं विशेषज्ञ उपस्थित रहे।यह पुरस्कार पावर सेक्टर के वरिष्ठ विशेषज्ञों एवं अधिकारियों की ज्यूरी द्वारा इरढलउछ की सुव्यवस्थित इंडक्शन स्किलिंग पहल के लिए प्रदान किया गया। इस पहल के तहत कंपनी के 1,900 नवनियुक्त तकनीशियनों को प्रशिक्षण देकर विद्युत क्षेत्र में कार्य के लिए तैयार किया गया। मानकीकृत प्रशिक्षण एवं तकनीकी कर्मियों के बेहतर ऑनबोर्डिंग की दिशा में इरढलउछ की इस पहल को राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय उपलब्धि माना गया है।

ऊर्जा सचिव-सह-अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, अजय यादव (भा.प्र.से.) ने कहा कि महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

1,900 तकनीशियनों की इंडक्शन स्किलिंग के माध्यम से हमने कुशल, सुरक्षित और जिम्मेदार तकनीकी मानव संसाधन तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। भविष्य में भी कौशल विकास को प्राथमिकता देते हुए प्रशिक्षण व्यवस्था को और सुदृढ़ किया जाएगा।

यह सम्मान इरढलउछ द्वारा कुशल एवं प्रशिक्षित विद्युत मानव संसाधन तैयार करने तथा नवनियुक्त तकनीकी कर्मियों के लिए प्रभावी और मानकीकृत प्रशिक्षण व्यवस्था विकसित करने के प्रयासों को मिली महत्वपूर्ण राष्ट्रीय पहचान है।

इरढलउछ द्वारा पिछले कुछ वर्षों में केंद्रीयकृत रूप से अपने तकनीकी एवं अन्य कर्मियों की दक्षता बढ़ाने के लिए इंडक्शन ट्रेनिंग, तकनीकी प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण, कौशल उन्नयन तथा कार्यस्थल आधारित प्रशिक्षण सहित कई कार्यक्रम संचालित किए गए हैं। बदलती तकनीक और विद्युत क्षेत्र की नई आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए कर्मचारियों को नवीन तकनीकों, सुरक्षा मानकों, परिचालन प्रक्रियाओं एवं आधुनिक विद्युत प्रणाली के नुरूप प्रशिक्षित करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह ने पंडित दीन दयाल उपाध्याय मंडल का किया दौरा

- विभिन्न नवनिर्मित एवं उन्नत सुविधाओं का जायजा लिया

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक श्री छत्रसाल सिंह ने आज दिनांक 21.08.2026 को पंडित दीन दयाल उपाध्याय मंडल मुख्यालय का दौरा किया। इस दौरान विभिन्न नवनिर्मित एवं उन्नत सुविधाओं का जायजा लिया गया। इस अवसर पर पूर्व मध्य रेल मुख्यालय के विभिन्न विभागाध्यक्ष, मंडल रेल प्रबंधक श्री उदय सिंह मीना एवं मंडल के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

दौरे के क्रम में पूर्व मध्य रेल इंटर कॉलेज में पूर्व प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। विद्यालय में नवीनीकृत अध्यापक कक्ष तथा उन्नत कंप्यूटर प्रयोगशाला में उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया गया।

इसके बाद प्लांट डिपो कॉलोनी तथा स्टेशन कॉलोनी में नवनिर्मित ट्रांसिट हाउस के भवन एवं सुविधाओं का अवलोकन किया गया।

विद्युत कर्षण विभाग के नवनिर्मित ह्यऊपरी उपस्कर एवं विद्युत आपूर्ति डिपोका निरीक्षण कर वहां उपलब्ध सुविधाओं एवं उपकरणों का जायजा लिया गया।

इसके अलावा मंडल कार्यालय के सामने दूरस्थ नियंत्रण केंद्र एवं कर्षण विद्युत नियंत्रण के लिए नवनिर्मित भवन एवं सुविधाओं का भी जायजा लिया गया।

इसके बाद मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय के सभागार में महाप्रबंधक की अध्यक्षता में सभी अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक हुई।

दौरे के अंत में महाप्रबंधक श्री छत्रसाल सिंह ने पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शनझ्रजीवनाथपुर के बीच तृतीय रेल लाइन कार्य का निरीक्षण किया।

महाप्रबंधक एवं अधिकारियों द्वारा दौरा किए गए विभिन्न स्थानों पर वृक्षारोपण भी किया गया ।

संक्षिप्त खबरें

उच्च माध्यमिक विद्यालय फतुहा के पूर्व प्रधानाध्यापक का सड़क दुर्घटना में निधन

फतुहा। अपार दुख के साथ सूचित किया जाता है कि उच्च माध्यमिक विद्यालय फतुहा के पूर्व वरिष्ठ शिक्षक सह व्यापार मंडल बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, फतुहा के पूर्व प्रधानाध्यापक डॉ. राम नारायण यादव का 20 अगस्त 2026 की रात उनके गांव सहरसा में अचानक सड़क दुर्घटना में असामयिक निधन हो गया। उनके निधन से विद्यालय परिवार में शोक की लहर दौड़ गई। दिवंगत आत्मा की शांति के लिए विद्यालय परिसर में शोकसभा आयोजित कर सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं विद्यालय परिवार के सदस्यों ने दो मिनट का मौन धारण किया। इस मौके पर प्राचार्य श्री धर्मेंद्र कुमार, शिक्षिका बबीता गुप्ता सहित समस्त विद्यालय परिवार उपस्थित रहा और दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोकाकुल परिजनों को इस अपार दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की।

हाईवे पर शराब से लदी कार पलटी, तस्कर फरार

खुसरूपुर। पटना जिले के खुसरूपुर थाना क्षेत्र के लोधीपुर के पास नेशनल हाईवे पर अवैध अंग्रेजी शराब की खेप ले जा रही एक कार दुर्घटनाग्रस्त होकर पलट गई। हादसे के बाद कार में रखी शराब की बोतलें सड़क पर बिखर गईं, जिसे देखकर वहां से गुजर रहे राहगीरों और वाहन चालकों के बीच बोतलें उठाकर ले जाने की होड़ मच गई। घटना के बाद कार चालक और कथित शराब तस्कर मौके से फरार हो गया। दुर्घटनाग्रस्त कार का नंबर *इफ01 ऋछ 8170* बताया जा रहा है। सूचना मिलने पर खुसरूपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और कार को जब्त कर लिया। पुलिस ने अज्ञात शराब तस्कर के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है तथा शराब की खेप कहां से लाई जा रही थी और इसे कहां पहुंचाया जाना था, इसकी जांच की जा रही है। पुलिस फरार चालक और तस्कर की गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई कर रही है।

पालीगंज में अनुमंडल अभियोजन कार्यालय भवन निर्माण के लिए 3,000 वर्ग फीट भूमि कराई गई उपलब्ध

- जिलाधिकारी कुन्दन कुमार के निर्देश पर अनुमंडल पदाधिकारी, पालीगंज द्वारा भूमि चिन्हित कर अभियोजन निदेशालय को निःशुल्क अंतरविभागीय हस्तांतरण

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। बिहार सरकार के निर्देश के आलोक में सभी जिलों एवं अनुमंडलों में अभियोजन कार्यालय के भवन निर्माण की दिशा में कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में पटना जिला अंतर्गत पालीगंज अनुमंडल में अनुमंडल अभियोजन कार्यालय के भवन निर्माण के लिए भूमि उपलब्ध कराई गई है।

जिलाधिकारी श्री कुन्दन कुमार के निर्देश पर अनुमंडल पदाधिकारी, पालीगंज द्वारा रामपुर नगवां मौजा में थाना संख्या 352, खाता संख्या 438 तथा खेसरा संख्या 208 के अंतर्गत कुल 3,000 वर्ग फीट (6.88 डी.) भूमि भवन निर्माण के लिए चिन्हित की गई है। उक्त भूमि को अनुमंडल अभियोजन कार्यालय, पालीगंज के भवन निर्माण हेतु अभियोजन निदेशालय, गृह विभाग, बिहार, पटना को निःशुल्क अंतरविभागीय हस्तांतरण किया गया है।

जिलाधिकारी ने अंचल अधिकारी, पालीगंज को निर्देश दिया है कि उक्त भूमि का दाखिल-खारिज एवं सीमांकन की कार्रवाई शीघ्र पूर्ण कराते हुए अभियोजन निदेशालय, गृह विभाग, बिहार, पटना को विधिवत दखल-कब्जा दिलाना सुनिश्चित करें।

अनुमंडल अभियोजन कार्यालय के लिए अपना भवन उपलब्ध होने से अभियोजन संबंधी कार्यों के संचालन में सुविधा होगी। साथ ही, न्यायिक एवं अभियोजन कार्यों से जुड़े पदाधिकारियों तथा आम लोगों को भी बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी। भवन निर्माण से पालीगंज अनुमंडल में अभियोजन व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं व्यवस्थित बनाने में मदद मिलेगी।

आवसम हर कार्यक्रम से किशोरी स्वास्थ्य को मिलेगी मजबूती

- राज्य के 5 जिलों में चलाया जायेगा कार्यक्रम
- राज्य स्वास्थ्य समिति और पीएसआई इंडिया के तत्वावधान में कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रात: किरण संवाददाता

पटना- किशोरों स्वास्थ्य को नयी दिशा और मजबूती देने के लिए राज्य स्वास्थ्य समिति और पीएसआई इंडिया के तत्वावधान में आवसम हर कार्यक्रम की शुरूआत की गयी. यह कार्यक्रम राज्य के 5 जिलों अररिया, गया, कटिहार, किशनगंज और पुर्णिया जिलों में संचालित किया जाएगा. शुक्रवार को पटना स्थित एक निजी होटल में कार्यक्रम संबंधित जानकारी के लिए राज्यस्तरीय कार्यशाला का आयोजन राज्य स्वास्थ्य समिति और पीएसआई इंडिया के तत्वावधान में किया गया. कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्वलित कर किया गया. कार्यशाला में उक्त पांच जिलों के जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी एवं कर्मी, राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी, किशोरी स्वास्थ्य डॉ. विजेता सिन्हा, राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी, गुणवत्ता आश्वासन सह नोडल सड़क सुरक्षा डॉ. अभिषेक सिन्हा, निदेशक, पुब्लिक हेल्थ, बिहार विद्यापीठ डॉ. अजीत कुमार सिंह, पीएसआई इंडिया के कार्यपालक निदेशक मुकेश शर्मा, एम्स पटना के स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग की अध्यक्ष डॉ. मुक्ता अग्रवाल, ऑरगेनन की रूचि, पीएसआई इंडिया के निदेशक प्रोग्राम हितेश साहनी सहित सहयोगी संस्थानों के प्रतिनिधि और पीएसआई इंडिया के स्टेट लीड सौरव तिवारी सहित पीएसआई इंडिया की टीम मौजूद रही.अपने स्वागत अभिभाषण में पीएसआई इंडिया के कार्यपालक निदेशक मुकेश शर्मा ने कहा कि देश में 21 प्रतिशत आबादी 10-19 वर्ष आयुवर्ग की है और उनकी स्वास्थ्य को बेहतर करना सभी की जिम्मेदारी है. उन्होंने कहा कि आवसम हर कार्यक्रम से किशोरियों के स्वास्थ्य को बेहतर करने के प्रयास में नयी दिशा मिलेगी. कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ. विजेता सिन्हा ने कहा कि माहवारी स्वच्छता को केंद्र में रखकर कार्यक्रम संचालित किया जायेगा. उन्होंने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य, एनीमिया जिसे महत्वपूर्ण स्वास्थ्य के बिन्दुओं पर किशोरियों के साथ संवाद स्थापित किया जाएगा. एडोलसेंट फ्रेंडली हेल्थ क्लिनिक के माध्यम से किशोरियों का संवेदीकरण करने का प्रयास किया जाएगा. कार्यशाला को संबोधित करते हुए राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी, गुणवत्ता आश्वासन सह नोडल सड़क सुरक्षा डॉ. अभिषेक सिन्हा ने कहा कि इसके लिए जरुरी है कि सभी स्कूलों की लाइन लिस्टिंग की जाए और राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम की इसमें मदद ली जाए. इससे किशोरोयों तक पहुँच बनाने में मदद मिलेगी. पीएसआई इंडिया के निदेशक प्रोग्राम हितेश साहनी ने आवसम हरह्व कार्यक्रम की विस्तार से जानकारी दी. उन्होंने कहा कि कार्यक्रम मुख्यतः तीन बिन्दुओं स्वास्थ्य एवं पोषण, माहवारी स्वच्छता और बेहतर मानसिक स्वास्थ्य पर काम करेगा. ऑरगेनन की रूचि ने कहा कि किशोरियों को उनके स्वास्थ्य के पहलुओं की सही एवं पूरी जानकारी उनके स्वस्थ जीवन की आधारशिला रखती है. उन्होंने कहा कि बच्चों एवं किशोर/किशोरियों से संवाद बनाये रखना जरुरी है. सही जानकारी एवं शिक्षा किशोरियों को उनके स्वास्थ्य के बारे में सजग रखेगी. एम्स पटना के स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग की अध्यक्ष डॉ. मुक्ता अग्रवाल ने किशोरियों की शिक्षा और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर करने पर बल दिया. कार्यक्रम में पैनल डिस्कशन पर वक्ताओं ने अपने विचार रखे. कार्यक्रम का संचालन पीएसआई इंडिया के स्टेट लीड सौरव तिवारी ने किया. कार्यक्रम की समाप्ति पर पीएसआई इंडिया के विवेक मालवीय ने सभी उपस्थित लोगों को धन्यवाद ज्ञापित किया.

स्व. सुमित्रा देवी के श्राद्ध कर्म में पहुंचे पप्पू यादव, सरकार पर जमकर साधा निशाना

प्रातः किरण संवाददाता

फतुहा। शुक्रवार को मिजार्पुर नोहटा में स्व. सुमित्रा देवी के श्राद्ध कर्म में जन अधिकार पार्टी के सुप्रीमो पप्पू यादव पहुंचे और उनके तैल चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर अपनी संवेदना व्यक्त की और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इस दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए पप्पू यादव ने राज्य सरकार पर विभिन्न मुद्दों को लेकर जमकर निशाना साधा। उन्होंने चंदा चोरी, पेपर लीक और डस्टबिन घोटाले का मुद्दा उठाते हुए सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि सरकार जनता से जुड़े मूल मुद्दों पर चर्चा करने के बजाय लोगों को हिन्दू-मुस्लिम और वंदे मातरम् जैसे मुद्दों में उलझाकर रख रही है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में सरकार से सवाल करना जनता और विपक्ष का अधिकार है, लेकिन सवाल करने वालों को जेल में डाल दिया जाता है। पप्पू यादव ने कहा कि आने वाला समय नई पीढ़ी का है और इस सरकार को जेन जी तथा जेन अल्फा सुधारेगा। उन्होंने युवाओं से जागरूक होकर अपने अधिकारों और रोजगार, शिक्षा तथा भ्रष्टाचार जैसे वास्तविक मुद्दों पर सवाल करने की अपील की। मौके पर बबन यादव, यूगेश्वर यादव, पंकज यादव, सोनू यादव, राजू दानवीर, अभय सिंह, संतोष कुमार, मो. सरफराज, राजेश कुमार बालाजी, सूरज कुमार सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

देश में चीनी की कीमतों में उछाल: सट्टेबाजी और कम उत्पादन जिम्मेदार, सरकार ने उठाए कड़े कदम

प्रातः किरण संवाददाता

पटना/ नई दिल्लीः देश में हाल के हफ्तों में चीनी की कीमतों में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। 20 जुलाई 2026 को 48.18 प्रति किलोग्राम बिकने वाली चीनी 20 अगस्त तक बढ़कर 55.70 प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। वैश्विक बाजार में भी चीनी के दाम दो महीने में 16% बढ़कर $552 प्रति टन हो गए हैं। सरकार स्थिति पर पूरी नजर बनाए हुए है और जमाखोरी रोकने तथा उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए कई बड़े फैसले लिए हैं।

मौसम और बीमारियांः रेड रॉट और टॉप बोरर बीमारियों के साथ अत्यधिक बारिश के कारण इस सीजन चीनी उत्पादन का अनुमान 343 छटळ से घटकर लगभग 306 छटळ रह गया है।

आगामी त्योहारों से पहले बढ़ती मांग और व्यापारियों द्वारा जमाखोरी से कीमतों पर दबाव पड़ा है।वैश्विक कमीः2026-27 के लिए वैश्विक स्तर पर लगभग 33 छटळ चीनी की कमी का अनुमान है।सरकार ने स्पष्ट किया है कि कीमतों में तेजी के लिए इथेनॉल जिम्मेदार नहीं है। इथेनॉल के लिए चीनी का आवंटन 2022-23 में 12% से घटकर 2025-26 में 9% रह गया है। अब इथेनॉल का तीन-चौथाई उत्पादन मक्के और अनाज से हो रहा है। इथेनॉल नीति से चीनी मिलों की आर्थिक स्थिति सुधरी है, जिससे गन्ना किसानों का 97% बकाया चुकता किया जा चुका है।

स्टॉक लिमिटः चीनी डीलरों पर 1 अगस्त से 30 नवंबर 2026 तक 400 टन की स्टॉक सीमा लागू की गई है। 1 सितंबर से थोक उपभोक्ताओं के लिए 15 दिनों के स्टॉक की सीमा तय की गई है।

गंगा नदी का जलस्तर बढ़ने से दियारा क्षेत्र में कटाव शुरू

दानापुर। नगर के अंतर्गत गंगा नदी का जलस्तर बढ़ने से दियारा क्षेत्र के पुरानी पानापुर घाट के पास कटाव शुरू हो गया है। कटाव से अभी रास्ते की जमीन गंगा में विलीन हो रही है। लेकिन यही हाल रहा तो फिर खेतीहर जमीन और उसके बाद गांव कटाव के चपेट में आने लगेंगे। पूर्व जिला पार्षद ओमप्रकाश राय ने बताया कि गंगहारा में कटाव को रोकने के लिए बोल्डर पीचिंग किया गया था। उसके बाद अब जियो बैग पीचिंग का इस्तेमाल कटाव रोकने के लिए किया जाता है।जो सही रूप से कारगर नहीं होता है। बताया कि कटाव प्रभावित जगह पर बोल्डर पीचिंग कराया जाए,ताकि कटाव पर पूर्णतः रोक लग सके। बताया कि कटाव से करीब 6-7 एकड़ जमीन गंगा नदी में विलीन हो गया है।समय रहते रोक नहीं लगाया गया तो कटाव में और तेजी आ सकता है। पुरानी पानापुर गांव भी ज्यादा दूर नहीं है।

गंगा का जलस्तर बढ़ने से दियारा क्षेत्र के नीचले इलाके से पानी दियारा में प्रवेश करने लगा है। जलस्तर बढ़ने का सिलसिला जारी है। दियारा क्षेत्र के पुरानीपानापुर,कासिमचक,हेतनपुर,मानस और नवदियरी इलाके में सोता के जरिए नदी का पानी दियारा क्षेत्र में आने लगा है। पानी बढ़ने का सिलसिला अभी जारी है। अब जलस्तर बढ़ने से दियारा वासियों को जहाज,नाव पकड़ने के लिए घाट पर आने जाने में परेशानी का सामना करना पड़ेगा हालांकि जलस्तर धीरे धीरे बढ़ रहा है। हालांकि जलस्तर अभी देवनिया नाला में खतरे के निशान से नीचे पहुंच गया है। जई मो आलम ने बताया कि देवनिया नाला पर खतरे का निशान 167 मी है और जलस्तर 166 मी पहुंच गया है। जलस्तर अभी धीरे बढ़ रही है।

फल्गु नदी की शाखा में उफान, तटबंधों पर बढ़ा पानी का दबाव

दनियावां। फल्गु नदी की शाखा महतमाइन में शुक्रवार की सुबह से पानी आने के बाद प्रखंड के निचले इलाकों में पानी का दबाव बढ़ने लगा है। स्थिति को देखते हुए बाढ़ नियंत्रण विभाग के अधिकारियों ने विभिन्न संवेदनशील और निचले स्थानों पर बालू से भरे बैग लगाने का कार्य शुरू कर दिया है। सलारपुर तटबंध और दनियावां के पश्चिमी भाग सहित अन्य स्थानों पर पानी का दबाव बढ़ गया है, जिससे विभाग सतर्कता बरत रहा है। वहीं, ग्रामीणों का कहना है कि नदी में पानी आने से क्षेत्र में भू-जल स्तर में सुधार होने की उम्मीद है।

रेलवे प्लेटफॉर्म पर सब्जी विक्रेताओं का कब्जा, यात्रियों को हो रही परेशानी

दनियावां। फतुहाझ्रइस्लामपुर रेलखंड के दनियावां बाजार रेलवे प्लेटफॉर्म पर सब्जी विक्रेताओं का कब्जा होने से रेल यात्रियों को ट्रेन में चढ़ने और उतरने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। प्लेटफॉर्म पर जगह कम होने के कारण भीड़ के समय किसी अनहोनी की आशंका बनी रहती है। विगत तीन जून को ट्रेन में चढ़ने के दौरान भीड़ के कारण गालिमपुर निवासी एक वृद्ध की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई थी। इसके बावजूद प्लेटफॉर्म पर सब्जी की दुकानें लगने का सिलसिला जारी है। आरपीएफ की टीम कई बार सब्जी विक्रेताओं को प्लेटफॉर्म से हटा चुकी है, लेकिन टीम के हटते ही दोबारा दुकानें सज जाती हैं। इस रेलखंड पर दो जोड़ी एक्सप्रेस और चार जोड़ी पैसेंजर ट्रेनों का परिचालन होता है।

डीएचएल एक्सप्रेस की राखी एक्सप्रेस 50 प्रतिशत छूट के साथ वापस

पटना। डीएचएल एक्सप्रेस ने राखी एक्सप्रेस के तहत भारत से अंतरराष्ट्रीय शिपमेंट पर फ्लैट 50 प्रतिशत की छूट की घोषणा की है। यह ऑफर 27 जुलाई से 28 अगस्त 2026 तक मान्य है और इसके लिए प्रोमो कोड डीएचएलआरएकेएचआई50 का इस्तेमाल किया जा सकता है। ग्राहक पूरे भारत में डीएचएल एक्सप्रेस और ब्लू डार्ट रिटेल सर्विस पॉइंट्स, माइडीएचएल प्लस या डीएचएल एक्सप्रेस कस्टमर सर्विस के माध्यम से राखी और उपहार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भेज सकते हैं। डीएचएल एक्सप्रेस के वाइस प्रेसिडेंट (कमर्शियल), भारत, संदीप जुनेजा ने कहा, राखी एक्सप्रेस के माध्यम से हम अपने अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क की विश्वसनीयता और भारत से अंतरराष्ट्रीय शिपमेंट पर फ्लैट 50 प्रतिशत छूट के साथ इस जुड़ाव को थोड़ा आसान बनाना चाहते हैं।

एनईपी 2020: बिहार में उच्च शिक्षा को नई दिशा 211 नए सरकारी डिग्री कॉलेजों की हुई स्थापना

प्रातः किरण संवाददाता

नई दिल्ली(राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (एनआईईपीए) में एनईपी 2020 का कार्यान्वयन - एबीसी, एमईएमई, आरपीएल और समावेशन के माध्यम से राज्य प्रणालियों का सुदृढ़ीकरणह्व विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय परामर्श बैठक संपन्न हुई। इस बैठक में देशभर के राज्य उच्च शिक्षा परिषदों (एसएचईसी) के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया, जिसमें बिहार का प्रतिनिधित्व बिहार राज्य उच्च शिक्षा परिषद के उपाध्यक्ष प्रो. डॉ. एन. के. अग्रवाल ने किया।

प्रो. डॉ. अग्रवाल ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के तहत बिहार में हो रहे बड़े बदलावों का ब्योरा साझा किया:

अकादमिक क्रेडिट बैंक (अइउ) व लचीली शिक्षाः राज्य में एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट्स (एबीसी), मल्टीपल एंट्री एंड मल्टीपल एग्जिट (एमईएमई - बहुस्तरीय प्रवेश व निकास) और पूर्व अधिगम की मान्यता (आरपीएल) जैसे प्रावधानों को तेजी से लागू किया जा रहा है।

रोजगारपरक डिग्री कार्यक्रमः अप्रेंटिसशिप एम्बेडेड डिग्री प्रोग्राम (एईडीपी - प्रशिक्षुता युक्त डिग्री कार्यक्रम) पर जोर दिया जा रहा है, जिससे छात्रों को पढ़ाई के साथ व्यावहारिक कार्य-अनुभव (प्रैक्टिकल ट्रेनिंग) मिलेगा और वे बाजार की जरूरतों के अनुसार सक्षम बनेंगे।211 नए राजकीय डिग्री कॉलेजः दूर-दराज के इलाकों में उच्च शिक्षा की पहुंच आसान बनाने के लिए राज्य में 211 नए सरकारी डिग्री महाविद्यालय स्थापित किए गए हैं। इससे विशेष रूप से छात्राओं को स्थानीय स्तर पर पढ़ने का अवसर मिलेगा।

गुणवत्ता और समावेशनः* संस्थान केवल बढ़ाने के बजाय गुणवत्ता, डिजिटल शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार और समावेशी शिक्षा पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है।

प्रो. डॉ. अग्रवाल ने कहा कि बिहार का लक्ष्य हर विद्यार्थी को सुलभ और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना है। राष्ट्रीय स्तर पर राज्यों के अनुभवों के आदान-प्रदान से एनईपी 2020 के क्रियान्वयन को और अधिक गति मिलेगी।

01 सितम्बर, 2026 से प्रतिदिन दानापुर और बेंगलूरु के मध्य एक नई एक्सप्रेस ट्रेन का नियमित परिचालन शुरू

प्रातः किरण संवाददाता

हाजीपुर:रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर पटना और एसएमभीटी, बेंगलूरु के मध्य चलायी जा रही गाड़ी सं. 03251/03252 दानापुर-एसएमभीटी-दानापुर स्पेशल का गाड़ी सं. 22365/22366 दानापुर-एसएमभीटी-दानापुर एक्सप्रेस के रूप में नियमित परिचालन प्रारंभ किया जा रहा है।इसका नियमित परिचालन पटना से 01 सितम्बर, 2026 से तथा एसएमभीटी, बेंगलूरु से 03 सितम्बर, 2026 से प्रतिदिन किया जायेगा। इस गाड़ी में एल.एस.एल.आर.डी. के 02, साधारण द्वितीय श्रेणी के 07, शयनयान श्रेणी के 10, तृतीय वातानुकूलित श्रेणी के 03 तथा द्वितीय वातानुकूलित श्रेणी के 02 कोचों सहित कुल 24 कोच होंगे ।

गाड़ी सं. 22365 दानापुर-एसएमभीटी, बेंगलूरु एक्सप्रेस 01 सितम्बर, 2026 से प्रतिदिन दानापुर से 14.45 बजे प्रस्थान कर 15.16 बजे आरा, 16.13 बजे बक्सर, 17.53 बजे डीडीयू, 20.25 बजे प्रयागराज छिवकी, दूसरे दिन 03.25 बजे जबलपुर, 07.20 बजे इटारसी, 12.05 बजे नागपुर, 23.35 बजे विजयवाड़ा, तीसरे दिन 07.55 बजे पेरम्बूर (चेन्नई), 09.50 बजे काटपाडी सहित अन्य स्टेशनों पर रूकते हुए 14.30 बजे एसएमभीटी, बेंगलूरु पहुंचेगी। वापसी में, गाड़ी सं. 22366 एसएमभीटी,बेंगलूरु-दानापुर एक्सप्रेस 03 सितम्बर, 2026 से प्रतिदिन एसएमभीटी, बेंगलूरु से 23.50 बजे प्रस्थान कर दूसरे दिन, 03.50 बजे काटपाडी, 05.55 बजे पेराम्बूर (चेन्नई), 14.55 बजे विजयवाड़ा, तीसरे दिन 01.00 बजे नागपुर, 05.50 बजे इटारसी। , 09.00 बजे जबलपुर, 17.30 बजे प्रयागराज छिवकी, 20.58 बजे डीडीयू, 22.10 बजे बक्सर, 23.01 बजे आरा सहित अन्य स्टेशनों पर रुकते हुए देर रात्रि 00.15 बजे दानापुर पहुंचेगी ।

डीपीएस पटना ईस्ट में अलंकरण समारोह का हुआ आयोजन, छात्र परिषद के नवनिर्वाचित सदस्यों को मिली जिम्मेदारी

पटना : दिल्ली पब्लिक स्कूल पटना ईस्ट में गुरुवार को सत्र 2026-27 की छात्र परिषद के लिए ह्यअलंकरण समारोह का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवा छात्रों में नेतृत्व, जिम्मेदारी और कर्तव्यनिष्ठा की भावना को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम की शुरूआत बिहार सरकार के पूर्व मुख्य सचिव आमिर सुबहानी ने किया । इसके पश्चात, छात्रों द्वारा डांस डायनामाइट्स की मनमोहक प्रस्तुति दी गई। स्कूल कॉयर द्वारा प्रस्तुत स्वागत गीत और कोरस गायन ने संपूर्ण सभागार को संगीतमय माहौल से भर दिया। इस दौरान नवनिर्वाचित छात्र परिषद के सदस्यों को उनके पदों के बैज और जिम्मेदारी सौंपी गई। इसके पश्चात, विद्यालय के प्रधानाचार्य ने सभी छात्र प्रतिनिधियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। मुख्य अतिथि ने छात्रों को संबोधित करते हुए नेतृत्व कौशल और ईमानदारी के महत्व पर प्रकाश डाला। इसके पश्चात उन्हें स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।प्रो-वाइस चेयरमैन अमित प्रकाश और प्रधानाचार्य डॉ राकेश अल्फ्रेड ने छात्रों को बधाई दी और उन्हें निष्ठा पूर्वक अपने दायित्वों का निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया।

विकास के लिए संसाधनों के अपव्यय को नियंत्रित और परिणामदायी बनाना जरूरीः उपमुख्यमंत्री

- बिहार एसडीजी कॉन्क्लेव-2026 का हुआ समापन
- एसडीजी को जिला योजना एवं योजनाओं के क्रियान्वयन से जोड़कर विकसित बिहार-2047 की दिशा में आगे बढ़ने पर जोर

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। बिहार में सतत एवं समावेशी विकास को गति देने के उद्देश्य से आयोजित दो दिवसीय बिहार एसडीजी कॉन्क्लेव-2026 का शुक्रवार को समापन हुआ। समापन सत्र को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव ने बिहार की प्रगति का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि राज्य ने वित्तीय क्षेत्र में अच्छा कार्य किया है, लेकिन विकास के लिए संसाधनों के अपव्यय को नियंत्रित करना और प्रत्येक व्यय को परिणामदायी बनाना जरूरी है।

पटना में मुख्य सचिवालय स्थित अधिवेशन भवन में विकसित बिहार 2047 की दिशा में तीव्र प्रगति विषय पर आयोजित दो दिवसीय कॉन्क्लेव में आर्थिक परिवर्तन, समावेशी विकास, जिला आधारित योजना, एसडीजी के स्थानीयकरण और विकसित बिहार 2047 की प्राथमिकताओं पर मंथन हुआ। समापन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री श्री यादव ने कहा कि वक्त के साथ जरूरत बदलती है, इसलिए समय और तकनीक के साथ स्वयं को बदलना होगा।

उन्होंने कहा कि विकास एक सतत प्रक्रिया है और इसके लिए उचित व्यय, नई तकनीक और बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप कार्यप्रणाली जरूरी है। उन्होंने बताया कि बिहार मौसम सेवा केंद्रों के क्षेत्र में अग्रणी है और पंचायत स्तर तक मौसम पूर्वानुमान उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य हो रहा है। उन्होंने कहा कि ज्ञान, विज्ञान और ईमान से काम करें, फिर हम सम्मान की अपेक्षा करें।

इस अवसर पर नगर विकास एवं आवास विभाग के मंत्री श्री नीतीश मिश्रा ने कहा कि दुनिया की 55 फीसदी आबादी शहरों में रहती है। शहरों में बसने वाले लोगों का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 80 फीसदी से भी अधिक का योगदान रहता है। इसलिए सरकार राज्य के 12 शहरों में टाउनशिप के विकास पर तेजी से काम कर रही है। उन्होंने कहा कि इन टाउनशिप में बसने वाले आबादी के लिए बिजली, पानी, स्वास्थ्य, इंटनरनेट, गुणवत्तायुक्त सड़क, पार्क, एजुकेशन, स्पोर्ट्स आदि सुविधाओं के साथ पर्यावरण सुरक्षा से जुड़ी आवश्यक पहलुओं को लागू किया जाएगा।

स्वच्छता एवं नलजल में बिहार ने पेश की नजीर : डॉ. एन. विजयलक्ष्मी- कार्यक्रम में योजना एवं विकास विभाग की अपर मुख्य सचिव डॉ. एन. विजयलक्ष्मी ने कहा कि बिहार को छोड़कर भारत आगे नहीं बढ़ सकता, भारत का विकास बिहार के विकास से ही संभव है। उन्होंने बताया कि स्वच्छ जल और स्वच्छता श्रेणी में 98 अंकों के साथ बिहार देश में तीसरे स्थान पर है। इस योजना के तहत सितंबर 2025 तक 26,960.3 करोड़ रुपये खर्च किए गए और 1.75 करोड़ ग्रामीणों को नल का कनेक्शन दिया गया। उन्होंने कहा कि नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2015-16 से 2019-21 के बीच राज्य में बहुआयामी गरीबी (एमपीआई) 51.8 फीसदी से घटकर 33.7 फीसदी हो गई है। इस दौरान लगभग 2.25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2024-25 में बिहार की आर्थिक विकास दर (जीएसडीपी) 13.2 फीसदी रही जो राष्ट्रीय औसत 9.8 फीसदी से भी काफी अधिक है।

प्रस्तुत सुझावों को नीतियों में शामिल करने का आश्वासनः केवी राजू -कार्यक्रम में मौजूद नीति आयोग के सदस्य केवी राजू ने कहा कि संगोष्ठी में प्रस्तुत सुझावों को वह आयोग में शामिल करेंगे। बशर्ते प्रस्ताव योजना विभाग की ओर से आयोग के समक्ष प्रस्तुत किया जाय। उन्होंने डेटा कलेक्शन और पंचायत स्तर पर इंडेक्स बनाकर जरूरतमंद लोगों तक योजनाओं को पहुंचाने पर जोर दिया।

इस अवसर पर पूर्व विकास आयुक्त डॉ. एस. सिद्धार्थ, ऊर्जा विभाग के सचिव अजय यादव, पंचायती राज विभाग के सचिव मनोज कुमार, जीविका की अपर मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी अनन्या सिंह, पटना डीएम कुंदन कुमार, मधुबनी डीएम श्री आनंद शर्मा आदि ने पीपीटी के माध्यम से भविष्य की योजनाओं से रूबरू कराया। इस अवसर पर वित्त विभाग की सचिव रचना पाटिल, यूनिसेफ की प्रतिनिधि क्रिस्टिना पोपिवानोवा समेत केंद्र एवं राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी, विशेषज्ञ एवं विभिन्न विभागों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के साथ बेहतर भविष्य की ओर तेजी से बढ़ रहा है बिहार : नीतीश

- सूचना प्रावैधिकी विभाग, बिहार सरकार एवं कन्वेजीनियस.एआई के बीच एमओयू पर हुए हस्ताक्षर

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। बिहार में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में नवाचार, तकनीकी क्षमताओं के विकास एवं रोजगार के नए अवसरों को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल हुई है। सूचना प्रावैधिकी विभाग, बिहार सरकार एवं कन्वेजीनियस. एआई के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) हुआ है। इस एमओयू पर हस्ताक्षर सूचना प्रावैधिकी विभाग के मंत्री नीतीश मिश्रा की गरिमामयी उपस्थिति में किए गए। बिहार को एक एआई-सक्षम राज्य के रूप में विकसित करने तथा राज्य में एआई आधारित इन्फ्रास्ट्रक्चर, प्रोडक्ट्स, सर्विसेज और टेक्नोलॉजी सॉल्यूशंस के विकास को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से यह एमओयू हुआ है। इस अवसर पर मंत्री नीतीश मिश्रा ने कहा कि बिहार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के साथ बेहतर भविष्य की ओर तेजी से बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी जी का विजन बिहार को तकनीकी रूप से सशक्त, नवाचार-आधारित एवं भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप सक्षम राज्य बनाना है। एआई एवं उभरती प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में निवेश, उच्च कौशल वाली तकनीकी क्षमताओं का विकास और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसरों का सृजन इसी विजन को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। उन्होंने बताया कि कन्वेजीनियस. एआई भारत की अग्रणी एआई-नेटिव टेक्नोलॉजी कंपनियों में से एक है, जो बड़े पैमाने पर एआई इन्फ्रास्ट्रक्चर के निर्माण और एआई सॉल्यूशंस के डिप्लॉयमेंट के क्षेत्र में कार्यरत है। कंपनी टेक्नोलॉजी, एकेडमिक डिजाइन, इम्पैक्ट असेसमेंट एवं चेंज मैनेजमेंट के क्षेत्रों में 500 से अधिक प्रोफेशनल्स की टीम के साथ कार्य कर रही है। कंपनी की कई राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के साथ पार्टनरशिप और ऑनगोइंग एंगेजमेंट्स हैं। इसके साथ ही कन्वेजीनियस डॉट एआई की तरफ से गवर्नमेंट एवं एंटरप्राइज यूजर्स के लिए विभिन्न एआई एप्लिकेशंस और इंटेलिजेंट एजेंट्स विकसित किए जाते हैं, जिनका उपयोग व्हाट्सऐप, आईवीआर, वेब और एंड्रॉयड जैसे माध्यमों के जरिए नागरिक सेवाओं, शिक्षा, कल्याण एवं कौशल विकास सहित विभिन्न क्षेत्रों में किया जा रहा है।

युवाओं के लिए नए अवसरों को मिलेगा प्रोत्साहनः मंत्री नीतीश मिश्रा ने कहा कि इस सहयोग से राज्य में एआई इनोवेशन, स्किल डेवलपमेंट, टेक्नोलॉजी डिप्लॉयमेंट एवं एम्प्लॉयमेंट जेनरेशन को गति मिलेगी। इस निवेश के माध्यम से 100 से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे, साथ ही स्थानीय स्तर पर उच्च कौशल वाली तकनीकी क्षमताओं के निर्माण एवं युवाओं के लिए नए अवसरों को प्रोत्साहन मिलेगा। इस सहयोग से राज्य में एआई इनोवेशन, स्किल डेवलपमेंट, टेक्नोलॉजी डिप्लॉयमेंट और एम्प्लॉयमेंट जेनरेशन को गति मिलेगी तथा स्थानीय स्तर पर उच्च-कौशल वाली तकनीकी क्षमताओं के निर्माण को प्रोत्साहन मिलेगा। इस समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर विभाग की ओर से श्री शहनवाज अहमद नियाजी, उप सचिव तथा कन्वेजीनियस.एआई की ओर से श्री जयराज भट्टाचार्या, मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) द्वारा हस्ताक्षर किए गए। ध्यान रहे कि सूचना प्रावैधिकी विभाग, बिहार सरकार द्वारा एआई एवं इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज के माध्यम से राज्य को डिजिटल रूप से सशक्त, इनोवेशन-ड्रिवन और फ्यूचर-रेडी बनाने की दिशा में लगातार पहल की जा रही है। कन्वेजीनियस.एआई के साथ हस्ताक्षरित यह एमओयू इसी व्यापक दृष्टिकोण का महत्वपूर्ण हिस्सा है और बिहार में टेक्नोलॉजी-लेड ग्रोथ को नई गति देने में सहायक होगा।

नालंदा में ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने 119 लाभुकों को दिया योजनाओं का लाभ

- 5 लाख रुपये से अधिक का सौंपा चेक

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। ग्रामीण विकास तथा सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के मंत्री एवं जदयू विधायक दल के नेता श्रवण कुमार ने शुक्रवार को नालंदा जिले के सिलाव प्रखंड में 119 लाभुकों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ प्रदान किया। इस मौके पर उन्होंने पांच लाख रुपये से अधिक राशि के चेक लाभुकों को सौंपे। मंत्री ने शौचालय निर्माण के लिए जीविका दीदियों को आर्थिक सहयोग दिया। कुल 29 जीविका दीदियों को 10-10 हजार रुपये की सहयोग राशि का चेक प्रदान किया है। मुख्यमंत्री परिवार लाभ योजना के अंतर्गत दो लाभुकों को 20-20 हजार रुपये का चेक सौंपा। इसके अलावा 54 लाभुकों को बंदोबस्ती पर्चा का वितरण किया, जिससे उन्हें भूमि संबंधी अधिकार मिल सकेंगे। अग्निकांड से फसल क्षति झेलने वाले किसानों को भी मंत्री ने सहायता राशि देकर राहत पहुंचाई है। कुल 34 लाभुकों को फसल क्षति के मुआवजे के रूप में 1,90,524 रुपये का चेक मंत्री ने वितरित किया।

मेगा जॉब फेयर : तीसरे दिन 3487 युवाओं का चयन

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। पटना के ज्ञान भवन में आयोजित मेगा जॉब फेयर-2026 युवाओं के लिए रोजगार के बड़े अवसर का मंच बनकर उभरा है। युवा, रोजगार एवं कौशल विकास विभाग के अंतर्गत बिहार कौशल विकास मिशन की ओर से आयोजित इस मेगा जॉब फेयर के तीसरे दिन करीब 9 हजार युवाओं ने हिस्सा लिया, जिनमें से विभिन्न कंपनियों द्वारा 3487 अभ्यर्थियों का चयन किया गया। रोजगार की तलाश में बिहार के अलग-अलग जिलों से पहुंचे युवाओं में मेले को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला।

100 से अधिक कंपनियां दे रहीं रोजगार के अवसरः मेगा जॉब फेयर में एसबीआई लाइफ, भारती एयरटेल लिमिटेड, रिलायंस रिटेल, टाटा क्रोमा, टाटा मोटर्स, उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक, विजन इंडिया, जॉनसन लिफ्ट, मैनपावर ग्रुप, मास एचआर सॉल्यूशन, एनआईआईटी फाउंडेशन, रीशव ऑटोमोबाइल, सत्या माइक्रोकैपिटल लिमिटेड और अन्नपूर्णा फाइनेंस समेत 100 से अधिक कंपनियां भाग ले रही हैं। बैंकिंग, फाइनेंशियल सर्विसेज एवं इंश्योरेंस (बीएफएसआई), रिटेल, ऑटोमोबाइल, टेलीकॉम सहित विभिन्न क्षेत्रों में युवाओं को उनकी शैक्षणिक योग्यता, कौशल और रुचि के अनुरूप रोजगार के विकल्प उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

एक ही छत के नीचे पंजीकरण से चयन तक की प्रक्रियाः जॉब फेयर की सबसे बड़ी खासियत यह है कि युवाओं को रोजगार के लिए अलग-अलग कंपनियों के कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ रहे हैं। ज्ञान भवन में ही कंपनियों के प्रतिनिधियों द्वारा अभ्यर्थियों का पंजीकरण, स्क्रीनिंग, योग्यता की जांच, साक्षात्कार और चयन की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। इससे युवाओं को एक ही स्थान पर विभिन्न क्षेत्रों की कंपनियों के प्रतिनिधियों से सीधे संवाद करने और अपनी योग्यता के अनुरूप नौकरी हासिल करने का अवसर मिल रहा है।

सुदूर जिलों से भी पहुंच रहे युवाः मेले में पटना के अलावा बिहार के विभिन्न जिलों और सुदूरवर्ती क्षेत्रों से बड़ी संख्या में युवा पहुंच रहे हैं। अभ्यर्थी डीईटी पोर्टल और क्यूआर कोड के माध्यम से पंजीकरण कर मेगा जॉब फेयर में शामिल हो रहे हैं। विभाग की ओर से मेले का व्यापक प्रचार-प्रसार भी किया गया, ताकि प्रदेश के अधिक से अधिक रोजगार इच्छुक युवाओं तक इसकी जानकारी पहुंच सके।

शिक्षा ऋण योजना को लेकर विपक्ष भ्रम फैला रहा : कुंतल

पटना। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता कुंतल कृष्ण ने कहा कि बिहार सरकार की शिक्षा ऋण योजना को लेकर विपक्ष और जन सुराज भ्रम फैलाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि योजना पहले की तरह जारी है, बल्कि इसका दायरा और लाभ बढ़ाया गया है। कुंतल कृष्ण ने कहा कि अब सामान्य रूप से 4 लाख रुपये तक का शिक्षा ऋण दिया जा रहा है, जबकि 164 महत्वपूर्ण संस्थानों में पढ़ाई के लिए ऋण की सीमा बढ़ाकर 10 लाख रुपये कर दी गई है। इसमें 2 लाख रुपये तक का ऋण बिहार शिक्षा वित्त निगम और 2 से 4 लाख रुपये तक का ऋण बैंकों के सहयोग से उपलब्ध कराया जाएगा। 10 लाख रुपये तक का ऋण बिहार सरकार की योजना के तहत चिन्हित राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों के लिए दिया जाएगा। इसके लिए आवेदन विद्यालक्ष्मी पोर्टल के माध्यम से प्राप्त किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि बिहार की योजना केंद्र की योजना से अधिक व्यापक है। केंद्र की योजना में 4.5 लाख रुपये तक वार्षिक आय वाले परिवारों को शतप्रतिशत ब्याज अनुदान मिलता है, जबकि इससे अधिक आय वालों को केवल 3 प्रतिशत ब्याज अनुदान मिलता है और लाभ चिन्हित पाठ्यक्रमों तक सीमित है। बिहार में सभी आय वर्ग के परिवारों और अतिरिक्त पाठ्यक्रमों को भी शतप्रतिशत ब्याज अनुदान का लाभ मिलेगा। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि पाठ्यक्रम की अवधि और एक वर्ष की मोरेटोरियम अवधि तक पूरा ऋण ब्याजमुक्त रहेगा। इसके बाद समय पर ऋण चुकाने वाले विद्यार्थियों को 30 प्रतिशत अतिरिक्त ब्याज छूट तथा छात्राओं को कुल 40 प्रतिशत ब्याज छूट दी जाएगी। उन्होंने कहा कि यह पैसा सभी बच्चों का है। ऋण की वसूली नहीं होने पर नए विद्यार्थियों को योजना का लाभ प्रभावित होगा। अब तक 4,15,938 लाभार्थियों को 8,865 करोड़ रुपये का ऋण वितरित किया गया है। इनमें 1,63,274 लाभार्थियों से 1,263 करोड़ रुपये की वसूली योग्य है, जबकि 46,979 लाभार्थियों से 273.18 करोड़ रुपये की ही वसूली हुई है। लगभग 79 प्रतिशत की डिफॉल्ट दर चिंता का विषय है।

बिहार की राजकोषीय स्थिति अत्यधिक दयनीय और चिंतनीय है : तेजस्वी

- नेता प्रतिपक्ष ने कहा - बिहार गंभीर आर्थिक संकट में

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने वित्तीय स्थिति को लेकर एक बात फिर सरकार की खिंचाई की है। नेता प्रतिपक्ष ने सरकार पर तंज कसते हुए कहा है कि बिहार की राजकोषीय स्थिति अत्यधिक दयनीय और चिंतनीय है। बिहार भारी कर्ज में है। कुल सार्वजनिक ऋण में चार गुना से अधिक वृद्धि हुई है। बिहार को गंभीर आर्थिक संकट में धकेला जा चुका है। बिहार की वित्तीय स्थिति इतनी बदतर हो चुकी है कि सारा खजाना खाली है। वित्तीय दबाव इतना अधिक है कि सरकारी विभागों के कर्मचारियों, पेंशनधारकों को ससमय सामाजिक सुरक्षा पेंशन, ठेकेदारों के बकाये भुगतान और अन्य विकासात्मक कार्यों के लिए राशि उपलब्ध नहीं है। अब तो छात्रों के स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड की राशि भी घटा दी गयी है। छात्रवृत्ति को समाप्त किया जा रहा है। तेजस्वी ने कहा कि बिहार का राजकोषीय स्वास्थ्य बिगड़ चुका है। राजस्व घाटा बढ़ रहा है और कर्ज उससे भी कई गुना अधिक बढ़ रहा है। विगत वित्तीय वर्ष 2025-26 में भारत के प्रमुख राज्यों में सबसे अधिक राजकोषीय घाटा बिहार ने दर्ज किया, जो सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) का 5.8 प्रतिशत था। बिहार में उच्च घाटे के साथ-साथ भारी ऋण का बोझ अत्यधिक चिंता का विषय है। खर्च के अनुपात में राज्य की अपनी कोई राजस्व प्राप्ति नहीं है। राजस्व सृजन व संग्रहण बढ़ाने तथा बजटीय प्रबंधन और राजकोषीय घाटे को नियंत्रित करने के लिए एनडीए सरकार के पास कोई दीर्घकालिक ठोस योजना नहीं है। ये एक डबल इंजन सरकार बिहार को ऐसे अंधकार में धकेल रही है जिसकी कल्पना मात्र से किसी भी बिहारवासी में सिरहन पैदा हो जाए। हर बीते दिन के साथ धनतंत्र और मशीन तंत्र से जबरन सरकार में आए भ्रष्ट लोगों ने बिहारियों के वर्तमान के साथ-साथ भविष्य को भी बबार्दी की आग में झोंक दिया है। सरकार ने विगत दो वर्षों में रिकॉर्ड कर्ज लिया है फिर भी राजकीय कोष खाली है। आखिर बिहार का सारा पैसा जा कहाँ रहा है? यह तो बिहार का प्रत्येक नागरिक जानता है कि बिहार की एनडीए सरकार भ्रष्टाचार और संगठित लूट के रिकॉर्ड बना रही है। बिहार का गंभीर वित्तीय संकट हम न्यायप्रिय बिहारियों के लिए सामूहिक चिंता का प्रश्न है जिसका समाधान एनडीए सरकार नहीं कर सकती।

जदयू प्रदेश कार्यालय पहुंचे नीतीश कुमार, पार्टी नेताओं से की भेंट

- संगठनात्मक गतिविधियों की ली जानकारी

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। जदयू प्रदेश कार्यालय में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष, बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद नीतीश कुमार का आगमन हुआ। इस दौरान उन्होंने पार्टी कार्यालय का निरीक्षण किया तथा मौजूद वरीय नेताओं से संगठनात्मक गतिविधियों एवं जनसुनवाई कार्यक्रम के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। नीतीश कुमार के प्रदेश कार्यालय पहुंचते ही बड़ी संख्या में मौजूद पार्टी नेताओं एवं कार्यकताओं ने गर्मजोशी के साथ उनका स्वागत किया। इस दौरान पूरा कार्यालय परिसर नीतीश कुमार जिंदाबाद के नारों से गूंज उठा। श्री नीतीश कुमार ने पार्टी नेताओं एवं कार्यकताओं से आत्मीयता के साथ मुलाकात की, उनका हाल-चाल जाना और उनका अभिवादन स्वीकार किया। उन्होंने कार्यकताओं का उत्साहवर्धन करते हुए संगठन को बूथ स्तर तक और मजबूत बनाने तथा पिछले दो दशकों में बिहार में हुए ऐतिहासिक विकास कार्यों एवं उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए निरंतर सक्रियता के साथ काम करने का निर्देश दिया। नीतीश कुमार से मुलाकात के बाद पार्टी नेताओं एवं कार्यकताओं में खासा उत्साह और खुशी का माहौल देखने को मिला। इस मौके पर मुख्य रूप से बिहार विधान परिषद में सत्तारूढ़ दल के उप-नेता सह पार्टी कोषाध्यक्ष ललन सर्राफ सहित पार्टी के वरीय नेता एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नीरज कुमार ने मगध विश्वविद्यालय से प्राप्त की पीएचडी की उपाधि

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। पटना महानगर जिला कांग्रेस कमेटी के वरीय उपाध्यक्ष नीरज कुमार ने मगध विश्वविद्यालय से पीएचडी की उपाधि प्राप्त कर महत्वपूर्ण शैक्षणिक उपलब्धि हासिल की है। उनके शोध का विषय बिहार विधानसभा में नेता विपक्ष की भूमिका : संदर्भ वर्ष 1990 से 2010 तक की अवधि का एक अध्ययन रहा। पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त करने के बाद नीरज कुमार ने कहा कि वर्तमान लोकतांत्रिक सुधार और व्यवस्था के दौर में विपक्ष के नेता की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। लोकतंत्र में विपक्ष सरकार की नीतियों और कार्यों पर निगरानी रखने के साथ-साथ जनहित के मुद्दों को प्रभावी ढंग से सदन में उठाने का महत्वपूर्ण कार्य करता है। इसी सोच से प्रभावित होकर उन्होंने बिहार विधानसभा में नेता विपक्ष की भूमिका को अपने शोध का विषय बनाया। उन्होंने कहा कि वर्ष 1990 से 2010 के बीच बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता की भूमिका का अध्ययन राज्य की लोकतांत्रिक व्यवस्था, राजनीतिक विमर्श और जनहित के मुद्दों को समझने की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। नीरज कुमार की इस शैक्षणिक उपलब्धि पर पटना महानगर कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं एवं कांग्रेसजनों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर उपस्थित गणमान्य शैक्षणिक विभूतियों में मुख्य रूप से डॉ. शशि प्रताप शाही, विभागाध्यक्ष डॉ. अंजनी घोष, डॉ. नाजिया खान, डॉ. रवीन्द्र कुमार वर्मा, डॉ. नरेश प्रसाद सिंह तथा डॉ. शशि रंजन उपस्थित रहे। श्री नीरज कुमार का यह शोध कार्य प्रो. नरेश प्रसाद सिंह के निर्देशन में संपन्न हुआ।

चीनी की बढ़ती कीमत के लिए सरकार जिम्मेदार : एजाज

पटना । देशभर में चीनी की बढ़ती कीमतों को लेकर राष्ट्रीय जनता दल ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। राजद नेता एजाज अहमद ने कहा कि सरकार की गलत नीतियों के कारण चीनी के दामों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है, जिसका खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है। रक्षाबंधन जैसे त्योहार से पहले चीनी की बढ़ती कीमत कहीं ना कहीं लोगों के मिठास को कम कर देगा और इससे त्यौहार की खुशियों में खलल पड़ेगा। एजाज अहमद ने आगे कहा कि गन्ने का बड़े पैमाने पर इथेनॉल उत्पादन में उपयोग किए जाने के कारण चीनी का उत्पादन और उपलब्धता प्रभावित हुई है। इसी वजह से बाजार में चीनी की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। इन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने इथेनॉल उत्पादन को बढ़ावा देने की नीति तो बनाई, लेकिन इससे आम उपभोक्ताओं पर पड़ने वाले प्रभावों को नजरअंदाज कर दिया। इन्होंने सरकार से मांग की कि त्योहारों को देखते हुए चीनी के दाम कम करने के लिए त्वरित और प्रभावी कदम उठाए जाएं। और कालाबाजारी और जमाखोरों पर कार्रवाई करे।

लोजपा आर अनुसूचित जाति-जनजाति प्रकोष्ठ में पंकज पासवान को प्रदेश मीडिया प्रभारी की जिम्मेदारी

पटना। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) ने संगठन को और अधिक मजबूत एवं प्रभावी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए अनुसूचित जाति-जनजाति प्रकोष्ठ में पंकज पासवान को प्रदेश मीडिया प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी है। प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष परशुराम पासवान ने आज श्री पंकज पासवान को नियुक्ति पत्र दिया। उनके मनोनयन से पार्टी कार्यकताओं में उत्साह का माहौल है। पार्टी ने पंकज पासवान की सक्रियता, संगठन के प्रति समर्पण तथा सामाजिक सरोकारों को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण दायित्व दिया है। प्रदेश मीडिया प्रभारी के रूप में वे अनुसूचित जाति-जनजाति प्रकोष्ठ की गतिविधियों, पार्टी की नीतियों एवं कार्यक्रमों को मीडिया और आम जनता तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। पंकज पासवान के मनोनयन पर पार्टी के नेताओं एवं कार्यकताओं ने उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दीं। शुभकामनाएं देने वाले नेताओं में युवा लोजपा-(रा) के राष्ट्रीय महासचिव अनिल कुमार पासवान, पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष विष्णु पासवान, आनन्द कुमार, सुजीत कुमार, रंजीत कुमार, रॉबिंस कुमार, सिद्धार्थ कुमार, दिग्विजय कुमार, सूरज राज गुप्ता शामिल थे।

लद्दाख की सिंधु यात्रा के लिए आवेदन शुरू, बिहार सरकार की आर्थिक सहायता योजना का लें लाभ

18 वर्ष से अधिक आयु के स्थायी निवासी होंगे पात्र, यात्रा पूरी होने के बाद 60 दिनों में करना होगा आवेदन

- यात्रा खर्च का 50 प्रतिशत या अधिकतम 20 हजार रुपये तक मिलेगी सहायता, वित्तीय वर्ष 2026-27 से लागू होगी योजना

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। बिहारवासियों के लिए लेह-लद्दाख की सिंधु दर्शन यात्रा अब आर्थिक रूप से आसान होने जा रही है। बिहार सरकार के पर्यटन विभाग ने ह्यसिंधु दर्शन तीर्थयात्रा वित्तीय सहायता अनुदान योजना-2026ह्न के तहत आवेदन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। वित्तीय वर्ष 2026-27 से शुरू होने वाली इस योजना के तहत पात्र बिहारवासियों को सिंधु दर्शन यात्रा पूरी करने के बाद वास्तविक यात्रा व्यय का 50 प्रतिशत अथवा अधिकतम 20 हजार रुपये अनुदान के रूप में दिया जाएगा।

योजना का उद्देश्य बिहार के लोगों को देश की धार्मिक, आध्यात्मिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने के साथ पर्यटन को भी व्यापक स्वरूप देना है। इसके तहत 18 वर्ष से अधिक आयु के बिहार के स्थायी निवासी लाभ ले सकेंगे। यात्रा धार्मिक एवं पर्यटन के उद्देश्य से की जानी आवश्यक होगी।

30 हजार खर्च पर 15 हजार, 50 हजार पर अधिकतम 20 हजारः योजना के तहत अनुदान की राशि वास्तविक पात्र यात्रा खर्च के आधार पर तय होगी। यदि किसी लाभार्थी की पात्र यात्रा पर 30 हजार रुपये खर्च होते हैं तो उसे 50 प्रतिशत के हिसाब से 15 हजार रुपये मिलेंगे। वहीं, यात्रा खर्च 50 हजार रुपये या इससे अधिक होने पर अधिकतम 20 हजार रुपये तक सहायता दी जाएगी। इस तरह दूरस्थ लद्दाख की यात्रा का आर्थिक भार कुछ हद तक कम होगा।

यात्रा पूरी होने के 60 दिन के भीतर करना होगा आवेदनः इस योजना की खास बात यह है कि लाभार्थी को पहले निर्धारित सिंधु दर्शन यात्रा पूरी करनी होगी। इसके बाद यात्रा पूर्ण होने की तिथि से 60 दिनों के भीतर अनुदान के लिए आवेदन करना होगा। आवेदन के साथ यात्रा से संबंधित आवश्यक प्रमाण और दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे।

परमिट समेत जरूरी दस्तावेज रखने होंगे सुरक्षितः लाभ लेने वाले यात्रियों को यात्रा के दौरान प्राप्त परमिट संबंधी दस्तावेज, टिकट, भुगतान की रसीद, यात्रा व्यय के प्रमाण, पहचान-पत्र, बिहार के स्थायी निवासी होने का प्रमाण तथा विभाग द्वारा निर्धारित अन्य दस्तावेज सुरक्षित रखने होंगे। आवेदन के बाद विभागीय स्तर पर दस्तावेजों और यात्रा की वास्तविकता का सत्यापन किया जाएगा। पात्र पाए जाने पर नियमानुसार अनुदान राशि लाभार्थी को उपलब्ध कराई जाएगी।

आवेदन प्रक्रिया शुरू, पात्रता का रखना होगा ध्यानः पर्यटन विभाग ने योजना के तहत आवेदन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इच्छुक नागरिकों को निर्धारित प्रक्रिया के तहत आवेदन करना होगा। आवेदक की आयु 18 वर्ष से अधिक, बिहार का स्थायी निवासी होना तथा यात्रा का उद्देश्य धार्मिक एवं पर्यटन संबंधी होना आवश्यक है। आवेदन करते समय विभाग द्वारा निर्धारित शर्तों और दस्तावेजों का पालन करना होगा।

> सिंधु दर्शन यात्रा बिहारवासियों को देश की समृद्ध आध्यात्मिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम है। बिहार सरकार का उद्देश्य है कि राज्य के अधिक से अधिक लोग इस ऐतिहासिक यात्रा का अनुभव कर सकें। आर्थिक सहायता के माध्यम से यात्रा पर होने वाले खर्च का एक हिस्सा सरकार वहन करेगी, जिससे श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए लद्दाख की सिंधु दर्शन यात्रा अधिक सुलभ और सुविधाजनक हो सकेगी।
>
> – केदार प्रसाद गुप्ता (मंत्री, पर्यटन विभाग)

आम उपभोक्ता महंगाई से त्रस्त : भाकपा

पटना। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम के तहत बदलाव जरूरी है 01 सितम्बर, 2026 दिल्ली चलो नारों के साथ 06 अगस्त से शुरू की गयी पदयात्रा का कार्यक्रम राज्य में जारी है। गांव-गांव पदयात्रा का कार्यक्रम चल रहा है। पदयात्रा को काफी संख्या में लोगों का जनसमर्थन मिल रहा है। बड़े पैमाने पर पार्टी कार्यकत्रा, हमदर्द, समर्थक और आम लोगों की भागीदारी हो रही है और गोष्ठी एवं सभा का आयोजन किया जा रहा है। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य सचिव राम नरेश पाण्डेय ने कहा कि पदयात्रा एवं 01 सितम्बर, 2026 दिल्ली रैली की जो रिपोर्ट मिल रही है वह काफी उत्साहजनक है। काफी संख्या में लोग 01 सितम्बर, 2026 को दिल्ली रामलीला मैदान में आयोजित बदलाव जरूरी है रैली में भाग लेने हेतु जाने के लिये तैयारी कर रहे है। उन्होंने कहा कि पदयात्रा के दौरान आम लोगों ने संवाद के दौरान बताया कि केन्द्र एवं राज्य की भाजपा सरकार की जनविरोधी नीति के चलते आम उपभोक्ता महंगाई से परेशान है।

संक्षिप्त खबरें

बंदरा पीएचसी में डाक्टरों की कमी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी ने सीएस को लिखा पत्र

मुजफ्फरपुर। जिले के बंदरा प्रखंड का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र इन दिनों चिकित्सकों की कमी की समस्या से जूझ रहा है। इसे लेकर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ.नौशाद अहमद ने मुजफ्फरपुर के असैनिक शल्य चिकित्सक सह मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी को पत्र लिखा है। सीएस को लिखे पत्र में डॉ. अहमद ने चिकित्सकों की पदस्थापना या प्रतिनियुक्ति की मांग की है। उन्होंने यह भी अनुरोध किया है कि यदि यह संभव न हो, तो उन्हें प्रभारी पद से मुक्त कर किसी अन्य चिकित्सा पदाधिकारी को पीएचसी का प्रभार सौंपा जाए। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी ने बताया कि कार्यालय आदेश संख्या 115, दिनांक 12 जून 2026 के माध्यम से सीएचसी में चिकित्सा पदाधिकारी की प्रतिनियुक्ति का अनुमोदन किया गया था। इसके बावजूद, वर्तमान में केंद्र में उनके सहित केवल तीन एमबीबीएस चिकित्सक कार्यरत हैं। इस स्थिति में 24७7 स्वास्थ्य सेवा का संचालन करना संभव नहीं हो पा रहा है।

सांसद शांभवी चौधरी ने बाबा कुशेश्वरनाथ का किया जलाभिषेक, क्षेत्र के कल्याण की मांगी प्रार्थना

कुशेश्वरस्थान(दरभंगा)। समस्तीपुर की सांसद शांभवी चौधरी ने शुक्रवार को बाबा कुशेश्वरनाथ महादेव मंदिर पहुंचकर विधिवत पूजा-अर्चना एवं जलाभिषेक किया। उनके साथ उनकी माता श्रीमती नीता केशकर चौधरी एवं बिहार राज्य धार्मिक न्यास परिषद के सदस्य सायन कुणाल भी मौजूद रहे। पूजा-अर्चना के बाद सांसद ने बाबा से क्षेत्रवासियों की सुख, शांति, समृद्धि एवं कल्याण की प्रार्थना की। सांसद ने कहा कि बाबा कुशेश्वरनाथ की पावन नगरी में आकर पूजा-अर्चना करना उनके लिए सौभाग्य का विषय है। मिथिला की संस्कृति एवं आस्था से जुड़कर उन्हें आत्मिक शांति की अनुभूति हुई। मंदिर पहुंचने पर मिथिला की परंपरा के अनुसार सांसद एवं अन्य अतिथियों का पाग एवं माला पहनाकर स्वागत किया गया। न्यास समिति के पूर्व उपाध्यक्ष बाबू कान्त झा ने सांसद को सम्मानित करते हुए बाबा कुशेश्वरनाथ का चित्र भेंट किया। इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष रौशन कुमार राय ने सांसद को आवेदन देकर केंवटगामा मुख्य मार्ग में नाला निर्माण कराने की मांग रखी। सांसद ने आश्वासन दिया कि समस्या को संबंधित विभागों के समक्ष उठाकर समाधान कराने का प्रयास किया जाएगा। नगर पंचायत भाजपा अध्यक्ष राखी आनंद ने भी पाग-माला पहनाकर सांसद का स्वागत किया। मौके पर ऋषि झा, न्यास समिति सदस्य मणिकांत झा, संतोष पोद्दार, सत्यानंद प्रसाद, शंकर चौपाल, राखी आनंद, अजय राय, रंजीत राय, गौरव राय, अशोक आनंद, साहेब राय सहित पंडा समाज के सदस्य एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे। मंदिर परिसर बाबा कुशेश्वरनाथ महादेव के जयकारों से गूंजता रहा।

दरभंगा एयरपोर्ट को देश का नंबर-1 बनाने की तैयारी, सितंबर में आएंगे केंद्रीय मंत्रीस्र

दरभंगा। दरभंगा एयरपोर्ट को देश स्तर पर नंबर-1 एयरपोर्ट बनाने की दिशा में तैयारियां तेज कर दी गई हैं। एयरपोर्ट पर नाइट लैंडिंग सुविधा की सभी औपचारिकताएं एवं तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। विमान कंपनियों से शिड्यूल मिलते ही नाइट लैंडिंग सेवा शुरू कर दी जाएगी। यह जानकारी दरभंगा के सांसद सह दरभंगा एयरपोर्ट सलाहकार समिति के चेयरमैन डॉ. गोपाल जी ठाकुर ने शुक्रवार को कर्नाटक के मैसूर में केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू की अध्यक्षता में हुई मंत्रालय की परामर्शदात्री समिति की बैठक में भाग लेने के बाद दी। सांसद ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा नवंबर में संभावित 942 करोड़ रुपये की लागत से निमार्णाधीन नए टर्मिनल भवन के उद्घाटन के मद्देनजर केंद्रीय मंत्री राममोहन नायडू सितंबर में दरभंगा आएंगे। वे नए टर्मिनल भवन के निर्माण कार्यों की समीक्षा करने के साथ पहले से तैयार भवनों एवं उड़ान कैफे आउटलेट का उद्घाटन करेंगे। बैठक में सांसद ने दरभंगा एयरपोर्ट को अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के रूप में विकसित करने की दिशा में अभी से आवश्यक तैयारी शुरू करने की मांग रखी। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर, टर्मिनल विस्तार, रनवे, एप्रोच सुविधा, कस्टम्स एवं इमिग्रेशन की प्रक्रियाओं को शीघ्र पूरा करने का आग्रह किया। उन्होंने मैथिली में बोर्ड एवं साइनेज, नई हवाई सेवाएं व रूट, यात्री सुविधाओं के विस्तार, एयर कार्गो एवं लॉजिस्टिक्स हब तथा पर्यटन, व्यापार, उद्योग एवं रोजगार से जुड़े मुद्दे भी उठाए। साथ ही एयरपोर्ट के प्रवेश द्वार पर मिथिलाक्षर में नाम अंकित करने, बाबा विद्यापति के नाम पर एयरपोर्ट का नामकरण, सीआईएसएफ के लिए सात एकड़ जमीन, अधिग्रहित 90 एकड़ जमीन के रैयतों को मुआवजा तथा एनएच-27 से टर्मिनल तक प्रस्तावित 400 करोड़ रुपये के ट्रम्पेटेड फ्लाईओवर की प्रक्रिया तेज करने की मांग की।

पंचायत सरकार भवन निर्माण में तेजी लाने का आयुक्त ने दिया निर्देश

प्रात: किरण संवाददाता

दरभंगा। आयुक्त, दरभंगा प्रमंडल हिमांशु कुमार राय की अध्यक्षता में शुक्रवार को प्रमंडलीय सभागार में पंचायत सरकार भवन निर्माण को लेकर प्रमंडल स्तरीय समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में दरभंगा, मधुबनी एवं समस्तीपुर जिले के संबंधित पदाधिकारी शामिल हुए। आयुक्त ने पंचायत सरकार भवन निर्माण की प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए सभी कार्यों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने जिन पंचायतों में भवन निर्माण कार्य अब तक शुरू नहीं हुआ है, वहां अविलंब कार्य प्रारंभ कराने को कहा। उन्होंने सभी जिला पंचायती राज पदाधिकारियों को पंचायत सरकार भवनों का नियमित निरीक्षण करने तथा लंबित कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया। साथ ही योजनाओं की निरंतर निगरानी एवं अनुश्रवण सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। बैठक में कन्या विवाह मंडप एवं मुक्तिधाम निर्माण योजनाओं की भी समीक्षा की गई। आयुक्त ने स्वीकृत सभी परियोजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर समय पर पूरा कराने का निर्देश दिया, ताकि ग्रामीणों को आवश्यक सामाजिक एवं सामुदायिक सुविधाओं का लाभ मिल सके। उन्होंने मुक्तिधाम के आसपास आम के पौधे लगाने का भी निर्देश संबंधित पदाधिकारियों को दिया। आयुक्त ने कहा कि सभी कार्यों की नियमित समीक्षा के साथ अधिकारियों के बीच बेहतर समन्वय और जवाबदेही सुनिश्चित की जाए, ताकि निर्धारित लक्ष्यों को ससमय पूरा किया जा सके। बैठक में आयुक्त के सचिव सुशील कुमार मिश्रा, क्षेत्रीय योजना पदाधिकारी आकाश ऐश्वर्य, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी आशीष अमन सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

विशेष अभियान में मधुबनी पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 40 अभियुक्त गिरफ्तार

प्रात: किरण संवाददाता

मधुबनी। पुलिस महानिदेशक, बिहार, पटना के आदेश एवं पुलिस अधीक्षक, मधुबनी के निर्देशन में गंभीर आपराधिक कांडों में फरार अभियुक्तों के विरुद्ध कार्रवाई तथा अपराध नियंत्रण के उद्देश्य से 20 अगस्त को जिलेभर में विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान हत्या, लूट, डकैती, बलात्कार, पुलिस पर हमला सहित गंभीर कांडों में प्राथमिकता के आधार पर कुर्की-जब्ती की कार्रवाई की गई विशेष अभियान के दौरान पुलिस ने कुल 40 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। इनमें शराब कारोबार से जुड़े 13, एससी/एसटी एक्ट के कांडों में 03, महिला उत्पीड़न के मामलों में 02, पॉक्सो एक्ट के मामले में 01, मारपीट के मामले में 15, हत्या के प्रयास के मामले में 03 तथा अन्य कांडों में 03 अभियुक्त शामिल है।अभियान के दौरान 11 वारंट, 07 इश्तेहार, 98 सम्मन एवं 04 कुर्की का निष्पादन किया गया। पुलिस की कार्रवाई में विशेष रूप से 15 वारंटियों की गिरफ्तारी की गई। अपराध नियंत्रण एवं यातायात सुरक्षा के दृष्टिकोण से भी जिले में सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान 47 वाहनों से कुल 79 हजार रुपये जुमार्ना वसूला गया। वहीं, विभिन्न कार्रवाई के दौरान 636 लीटर देशी एवं विदेशी शराब, एक स्कूटी तथा पांच मोटरसाइकिल बरामद की गई मधुबनी पुलिस ने कहा कि जिले में अपराध नियंत्रण, कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा आम नागरिकों की सुरक्षा के लिए इस प्रकार के अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगे।

पं. पलुस्कर व उस्ताद बिस्मिल्लाह खां के योगदान को किया याद

दरभंगा। ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय के विश्वविद्यालय संगीत एवं नाट्य विभाग, ललित कला संकाय, कामेश्वरनगर में शुक्रवार को संगीत मर्मज्ञ पंडित विष्णु दिगम्बर पलुस्कर एवं ह्यभारतरत्नह्न उस्ताद बिस्मिल्लाह खां की पुण्यतिथि के अवसर पर व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता इलाहाबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय, प्रयागराज के संगीत विभागाध्यक्ष प्रो. पं. प्रेम कुमार मल्लिक (दरभंगा घराना) ने दोनों महान संगीतज्ञों के योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने विद्यार्थियों को संगीत में निरंतर आगे बढ़ने की इच्छाशक्ति, साधना और तत्परता बनाए रखने की आवश्यकता बताई। साथ ही गायन के गूढ़ तत्वों को सरल तरीके से समझाया। पंडित पलुस्कर के योगदान पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने संगीत को गुरुकुल परंपरा से संस्थागत स्वरूप प्रदान करने का महत्वपूर्ण कार्य किया। विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. पुष्कर कुमार झा ने कहा कि पंडित पलुस्कर ने संगीत शिक्षा को परिमार्जित करने के साथ स्वरलिपि पद्धति एवं बंदिशों में भक्तिपरक शब्दावली को विशेष महत्व दिया। इससे पूर्व अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। विद्वानों के चित्र पर माल्यार्पण के बाद छात्र-छात्राओं ने कुलगीत प्रस्तुत किया। विभागाध्यक्ष प्रो. लावण्य कीर्ति सिंह ह्यकाव्याह्न ने अतिथियों का स्वागत करते हुए आयोजन के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पंडित पलुस्कर ने भारतीय संगीत की पवित्रता और सात्विकता को विश्व स्तर पर प्रतिष्ठित किया। उस्ताद बिस्मिल्लाह खां के दरभंगा से गहरे संबंधों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि वे राजदरभंगा के नियमित संगीतज्ञ रहे और उनकी शहनाई की गूंज सदैव स्मरणीय रहेगी।अंत में डॉ. अभिषेक स्मिथ ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

श्रद्धा और उल्लास के साथ शुरू हुआ पांच दिवसीय श्री झूलेलाल महोत्सव

प्रात: किरण संवाददाता

दरभंगा। पूज्य सिंधी पंचायत, दरभंगा के तत्वावधान में शुक्रवार को पांच दिवसीय श्री झूलेलाल महोत्सव का श्रद्धा एवं उल्लास के साथ शुभारंभ हुआ। महोत्सव के प्रथम दिन अहले सुबह बड़ी संख्या में सिंधी समाज के श्रद्धालु कटहलबाड़ी भंडार चौक स्थित पूज्य श्री झूलेलाल मंदिर पहुंचे। पूजा-अर्चना के बाद भव्य प्रभात फेरी निकाली गई। प्रभात फेरी में महिला, पुरुष एवं बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। श्रद्धालु भगवान झूलेलाल के जयकारे लगाते हुए भक्ति गीतों के साथ शहर के विभिन्न मार्गों से गुजरे। भंडार चौक एवं विभिन्न सिंधी मोहल्लों से होकर प्रभात फेरी पुनः झूलेलाल मंदिर पहुंचकर संपन्न हुई। इस दौरान पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा। पूज्य सिंधी पंचायत के मुखिया जगत लाल जुमनानी ने बताया कि भगवान झूलेलाल सिंधी समाज के आराध्य देव हैं। उन्हें वरुण देव का स्वरूप माना जाता है। वे जल, जीवन, समृद्धि, प्रेम एवं सामाजिक एकता के प्रतीक हैं। सिंधी समाज में झूलेलाल की आराधना धार्मिक आस्था के साथ-साथ सांस्कृतिक पहचान का भी महत्वपूर्ण हिस्सा है ।उन्होंने बताया कि 22 अगस्त को भंडार चौक, कटहलबाड़ी स्थित श्रीराम मंदिर में दोपहर 12 बजे से श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद के रूप में चावल एवं काबुली चना का वितरण किया जाएगा। 23, 24 एवं 25 अगस्त को प्रातः 10 बजे तथा संध्या छह बजे श्री झूलेलाल जी की विशेष आरती होगी।23 अगस्त की शाम सात बजे से झूलेलाल मंदिर में बाल कलाकारों द्वारा भजन संध्या आयोजित की जाएगी। वहीं 24 अगस्त की शाम ग्वालियर से आए सिंधी म्यूजिकल ग्रुप के कलाकार सिंधी एवं हिंदी भाषा में भजन और भक्ति गीत प्रस्तुत करेंगे। 23 एवं 24 अगस्त की रात श्रद्धालुओं के लिए भंडारा एवं प्रसाद की व्यवस्था रहेगी। महोत्सव के अंतिम दिन 25 अगस्त को शाम चार बजे झूलेलाल मंदिर से बहराणा साहिब की भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी, जो शहर के विभिन्न मार्गों से होकर गुजरेगी। बहराणा साहिब सिंधी समाज की धार्मिक परंपरा में विशेष महत्व रखता है। इसमें भगवान झूलेलाल के प्रति श्रद्धा के प्रतीक स्वरूप ज्योति, कलश एवं अन्य पूजन सामग्री शामिल होती है ।महोत्सव को लेकर सिंधी समाज के लोगों में विशेष उत्साह है। मंदिर परिसर सहित विभिन्न स्थानों पर धार्मिक आयोजनों की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

एल.सी. संख्या-39सी पर आरओबी निर्माण में तेजी, 14.55 प्रतिशत भौतिक प्रगति दर्ज

प्रात: किरण संवाददाता

मधुबनी। जयनगर एवं खजौली स्टेशन के बीच दरभंगाझ्रजयनगर पथ (एनएच-527बी) पर एल.सी. संख्या-39सी के स्थान पर निमार्णाधीन रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) के निर्माण कार्य में तेजी आई है। परियोजना की वर्तमान भौतिक प्रगति 14.55 प्रतिशत दर्ज की गई है। 1568.38 मीटर लंबाई वाले इस आरओबी के निर्माण के लिए 178 करोड़ की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई है। निर्माण कार्य के लिए गावर कंस्ट्रक्शन लिमिटेड, गुरुग्राम (हरियाणा) को एजेंसी के रूप में चयनित किया गया है। कायार्देश 20 अगस्त 2025 को जारी किया गया था तथा कार्य पूर्ण करने की निर्धारित अवधि 30 माह है। परियोजना को 19 फरवरी 2028 तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। परियोजना के फाउंडेशन कार्य में भी महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। मधुबनी साइड के ए-2 हिस्से में कुल 68 पाइल में से 50 पाइल तथा निर्धारित 10 पाइल कैप में से 6 का निर्माण पूरा हो चुका है। वहीं रेलवे स्टेशन साइड के ए-3 हिस्से में कुल 50 पाइल में से 19 पाइल का निर्माण पूरा किया गया है। सब-स्ट्रक्चर के तहत मधुबनी साइड में कुल 11 एबटमेंट/पियर शाफ्ट में से 5 का निर्माण पूरा हो चुका है, जबकि निर्धारित 10 पियर कैप में से 2 पियर कैप का कार्य पूर्ण किया गया है। सुपर-स्ट्रक्चर के तहत कुल 24 प्री-कास्ट गर्डरो में से 14 का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। रिपोर्ट के अनुसार फाउंडेशन कार्य की प्रगति 21 प्रतिशत, सब-स्ट्रक्चर की 3 प्रतिशत तथा सुपर-स्ट्रक्चर की 6 प्रतिशत दर्ज की गई है। आरई वॉल एवं एप्रोच रोड से संबंधित कार्य भी आगे बढ़ाए जा रहे हैं। आरओबी के निर्माण से जयनगरझ्रखजौली मार्ग पर रेल क्रॉसिंग के कारण होने वाले यातायात व्यवधान में कमी आने तथा आवागमन अधिक सुगम होने की उम्मीद है। इससे जयनगर, खजौली के साथ नेपाल सीमा से सटे क्षेत्रो के लोगो को भी आवागमन में सुविधा मिलेगी। जिला प्रशासन द्वारा संबंधित विभागों एवं निर्माण एजेंसी के साथ समन्वय स्थापित कर परियोजना की लगातार निगरानी की जा रही है। निर्माण कार्य में गति बनाए रखने के साथ गुणवत्ता मानकों का पालन तथा निर्धारित समय-सीमा में परियोजना को पूरा कराने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

श्रावणी मेला ऐप रील प्रतियोगिता के दूसरे तीसरे सप्ताह के विजेता सम्मानित

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। श्रावणी मेला के दौरान श्रद्धालुओं को मेला से जुड़ी आवश्यक जानकारी और सुविधाएं डिजिटल माध्यम से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुरू किए गए श्रावणी मेला ऐप को लोगों का बेहतर प्रतिसाद मिल रहा है। ऐप के अब तक 15 हजार से अधिक डाउनलोड हो चुके हैं। वहीं, ऐप के प्रचार-प्रसार के लिए आयोजित रील प्रतियोगिता को कंटेंट क्रिएटर्स और सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर्स का व्यापक समर्थन मिल रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को आईसीसीसी भवन स्थित मुजफ्फरपुर स्मार्ट सिटी कार्यालय में रील प्रतियोगिता के दूसरे एवं तीसरे सप्ताह के टॉप-3 विजेताओं को सम्मानित किया गया। उप नगर आयुक्त अमित कुमार ने विजेता कंटेंट क्रिएटर्स को प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया। सम्मानित होने वालों में अमित कुमार, रेखा कुमारी, साहिल राज, ज्ञान कुमार, शिवम चंद्रवंशी और गौतम कुमार शामिल रहे। मौके पर मुजफ्फरपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के कंपनी सचिव राजीव रंजन और पब्लिक एंगेजमेंट ऑफिसर कौशल कुमार सिन्हा मौजूद रहे। प्रतियोगिता में सोशल मीडिया पर रील के व्यूज, लाइक्स, शेयर और ओवरऑल एंगेजमेंट के आधार पर प्रत्येक सप्ताह तीन उत्कृष्ट कंटेंट क्रिएटर्स का चयन किया जा रहा है। दूसरे और तीसरे सप्ताह के छह विजेताओं को सम्मानित किए जाने के साथ अब तक कुल 9 कंटेंट क्रिएटर्स को वीकली विनर के रूप में सम्मानित किया जा चुका है। उप नगर आयुक्त अमित कुमार ने कंटेंट क्रिएटर्स के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि सोशल मीडिया आज जनजागरूकता का प्रभावी माध्यम बन चुका है। स्थानीय युवाओं और कंटेंट क्रिएटर्स की सक्रिय भागीदारी से श्रावणी मेला ऐप की जानकारी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं तक पहुंच रही है। श्रावणी मेला ऐप के माध्यम से श्रद्धालुओं को मेला मार्ग, पार्किंग, चिकित्सा सहायता, आपातकालीन सेवाएं, महत्वपूर्ण संपर्क सहित अन्य आवश्यक सुविधाओं की जानकारी एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जा रही है। रील प्रतियोगिता पूरे सावन माह तक जारी रहेगी। श्रावणी मेला समाप्त होने के बाद प्रतियोगिता के ओवरऑल विजेताओं की घोषणा की जाएगी। प्रथम, द्वितीय और तृतीय विजेता को क्रमशः 5,000, 3,000 और 2,000 की नकद पुरस्कार राशि के साथ प्रशस्ति-पत्र प्रदान किया जाएगा। मुजफ्फरपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड ने नागरिकों और कंटेंट क्रिएटर्स से प्रतियोगिता में अधिक से अधिक भाग लेने तथा श्रावणी मेला ऐप का व्यापक प्रचार-प्रसार करने की अपील की है।

छह दिन में 50 से 70 रुपये किलो पहुंचा चीनी का भाव जमाखोरी और कालाबाजारी पर सरकार सख्त

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। चीनी की कीमतों में अचानक आई तेजी के बाद राज्य सरकार ने कालाबाजारी और जमाखोरी के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। खुदरा बाजार में महज छह दिनों में चीनी का भाव 50 रुपये से बढ़कर 70 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गया है। बढ़ती कीमतों को देखते हुए गन्ना उद्योग मंत्री संजय कुमार ने व्यापारियों के स्टॉक की जांच कराने और जमाखोरी मिलने पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। मंत्री ने स्पष्ट किया है कि किसी व्यापारी के पास 400 टन से अधिक चीनी का स्टॉक पाया गया तो उसके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई जाएगी। सरकार का उद्देश्य बाजार में कृत्रिम रूप से चीनी की कमी पैदा कर कीमत बढ़ाने की कोशिशों पर रोक लगाना है। गन्ना उद्योग मंत्री ने कहा कि राज्य की सभी चीनी मिलों में पर्याप्त मात्रा में चीनी उपलब्ध है। ऐसे में बाजार में अचानक कीमत बढ़ने की स्थिति की जांच जरूरी है। सरकार यह पता लगाने में जुटी है कि कीमतों में हुई असामान्य बढ़ोतरी के पीछे वास्तविक कारण क्या है। सरकार ने पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, समस्तीपुर और सीतामढ़ी के जिलाधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। इन जिलों में संचालित चीनी मिलों के प्रबंधकों को भी जरूरी निर्देश जारी किए गए हैं। स्टॉक की वास्तविक स्थिति की जांच के लिए वरीय उप समाहर्ता और ईंख पदाधिकारी की संयुक्त टीम बनाई गई है। यह टीम व्यापारियों और संबंधित प्रतिष्ठानों में उपलब्ध चीनी के स्टॉक का भौतिक सत्यापन करेगी। जांच के दौरान स्टॉक में गड़बड़ी, जमाखोरी या कालाबाजारी पाए जाने पर संबंधित कारोबारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। बिहार के खुदरा बाजार में पिछले छह दिनों में चीनी की कीमत 20 रुपये प्रति किलो तक बढ़ गई है। करीब छह दिन पहले जहां चीनी 50 रुपये प्रति किलो बिक रही थी, वहीं अब इसका भाव 70 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गया है। अचानक हुई इस बढ़ोतरी से आम उपभोक्ताओं के घरेलू बजट पर सीधा असर पड़ा है। अब सरकार की कार्रवाई और स्टॉक जांच के परिणाम पर नजर है। जांच से यह स्पष्ट होगा कि चीनी के दाम में अचानक हुई तेजी के पीछे आपूर्ति से जुड़ी वास्तविक समस्या है या फिर जमाखोरी और कालाबाजारी के जरिए बाजार में कृत्रिम कमी पैदा की गई है।

बिहार विधान परिषद के तिरहुत स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन की तैयारियों की समीक्षा

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। आयुक्त, तिरहुत प्रमंडल, मुजफ्फरपुर श्री गिरिवर दयाल सिंह की अध्यक्षता में बिहार विधान परिषद के तिरहुत स्नातक,शिक्षक निर्वाचन से संबंधित समीक्षात्मक बैठक का आयोजन हुआ। इसमें निर्वाचन की तैयारियों की समीक्षा की गयी तथा अद्यतन स्थिति का जायजा लिया गया। प्रमंडलीय आयुक्त ने कहा कि माह सितम्बर में स्नातक,शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के निर्वाचन की प्रक्रिया प्रारंभ होना संभावित है। उन्होंने कहा कि प्रक्रिया प्रारंभ होने के पूर्व प्रकाशित निर्वाचक सूची के संबंध में सतत प्रक्रिया के तहत प्रावधानों एवं निर्वाचन विभाग से प्राप्त निदेश के आलोक में कार्रवाई किया जाना आवश्यक है। प्रमंडलीय आयुक्त-सह- निवार्ची पदाधिकारी ने मुजफ्फरपुर, सीतामढ़ी, शिवहर एवं वैशाली के जिला पदाधिकारियों, जो इस निर्वाचन के सहायक निवार्ची पदाधिकारी भी हैं, को निदेश दिया कि भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निदेशों का अक्षरशः अनुपालन करते हुए निर्वाचन की समुचित तैयारी सुनिश्चित करें। उन्होंने अधिकारियों को निदेश दिया कि सतत प्रक्रिया के तहत स्नातक,शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के निर्वाचक सूची हेतु विभिन्न प्रपत्रों में प्राप्त आवेदनों की मतदान केन्द्रवार समीक्षा करें तथा इससे संबंधित प्रतिवेदन उपलब्ध करायें। सतत प्रक्रिया के तहत प्राप्त आवेदनों का ईआरएमएस पोर्टल पर डिजिटलीकरण एवं निष्पादन हेतु सभी प्रारंभिक तैयारी पूर्ण करना सुनिश्चित करें। प्रमंडलीय आयुक्त ने अधिकारियों को आदेश दिया कि मतदाता सूची के संबंध में जो भी परिवाद प्राप्त हुआ है उसका विधिवत जॉच कर निष्पादन करें। उन्होंने निदेश दिया कि निर्वाचन के हर पहलू यथा नामांकन, मतदान, मतगणना इत्यादि के बारे में सभी संबंधित अधिकारियों को समुचित प्रशिक्षण दें ताकि निर्वाचन आयोग के निदेशों का त्रुटिहीन ढ़ंग से सम्यक अनुपालन सुनिश्चित किया जा सके। इस बैठक में आयुक्त के साथ जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह- जिलाधिकारी, मुजफ्फरपुर, वैशाली, सीतामढ़ी, शिवहर, सभी सहायक निर्वाचक निबंधक पदाधिकारी एवं अन्य भी उपस्थित थे।

प्रो . चंद्रवीर बने कल्याणपुर कॉलेज के नए प्राचार्य

प्रात: किरण संवाददाता

विभूतिपुर/समस्तीपुर। प्रखंड अंतर्गत संचालित बीआरएनकेएस कॉलेज, कल्याणपुर के नए प्राचार्य के रूप में प्रो. चंद्रवीर को नियुक्त किया गया है। महाविद्यालय शासी निकाय के अध्यक्ष अशोक राम ने उन्हें आधिकारिक नियुक्ति पत्र सौंपा है ।खास बात यह है कि प्रो. चंद्रवीर के पिता स्वर्गीय गणेश प्रसाद यादव भी इस महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य रह चुके थे। इस अवसर पर निवर्तमान प्राचार्य सूर्यदेव प्रसाद सिंह सहित कॉलेज के तमाम प्रोफेसर और कर्मचारी उपस्थित रहे।

आइसक्रीम विक्रेता से लूटपाट,17 हजार नगद व सोने का लॉकेट छीना

विभूतिपुर/समस्तीपुर। थाना क्षेत्र के पछियारी टभका नोवा बड़ चौक के निकट बाइक सवार अपराधियों ने एक आइसक्रीम विक्रेता से मारपीट कर करीब 17300 रुपया हजार नगद तथा 70 हजार रुपये की सोना का हनुमानी चक्ति छीन लिया। घटना को लेकर मुस्तफापुर वार्ड 11 निवासी सुखदेव पोद्दार का पुत्र रामकुमार पोद्दार ने थाना में एक आवेदन दिया है। जिसमें बताया है कि वह आइसक्रीम बेचकर लौट रहा था, तभी तीन बाइकों पर छह सवार अपराधियों ने पिस्तौल की बट से मारकर उसे घायल कर दिया। अपराधियों ने उसकी जेब से 17,300 रुपया नगद और गले से 70 हजार रुपये का सोने का हनुमान लॉकेट छीन लिया। जाते-जाते बदमाशों ने इलाके में दोबारा व्यापार करने पर 10 हजार रुपया प्रति महीना रंगदारी देने, रंगदारी नहीं देने पर हत्या करने की धमकी दी। पीड़ित ने अपना इलाज अनुमंडलीय अस्पताल दलसिंहसराय में कराया।

जनसुनवाई में एसपी ने सुनी 70 लोगों की समस्याएं

प्रात: किरण संवाददाता

मधुबनी। पुलिस अधीक्षक, मधुबनी द्वारा शुक्रवार 21 अगस्त 2026 को कार्यालय कक्ष में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। इस दौरान जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे कुल 70 आवेदकों की समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरता से सुना गया ।पुलिस अधीक्षक ने संबंधित पदाधिकारियों को आवेदकों की समस्याओं का त्वरित एवं नियमानुसार निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इस क्रम में संबंधित अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, अंचल पुलिस निरीक्षक एवं थानाध्यक्षो को आवश्यक कार्रवाई के लिए निर्देशित किया गया ।पुलिस अधीक्षक ने अधिकारियों को जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों के निष्पादन में तत्परता बरतने तथा आवेदकों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने को कहा।

एक साथ 12 घरों में चोरी, ग्रामीण दहशत में

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर ।चोरों ने सकरा थाना के पिलखी गजपति गांव में एक ही रात करीब 12 घरों में चोरी की घटना को अंजाम दिया है। चोरों ने नकदी, जेवरात समेत लाखों रुपए की संपत्ति चोरी कर ली। वारदात में गांव की मुखिया के घर को भी निशाना बनाया गया है। एक साथ इतने घरों में चोरी के बाद ग्रामीणों में पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर नाराजगी भी है ।स्थानीय लोगों के मुताबिक, मुरौल ओपी क्षेत्र में तीन दिन पहले भी चोरों ने कई घरों को निशाना बनाया था। इसके बाद गुरुवार रात चोरों ने पिलखी गजपति गांव में एक साथ कई घरों में धावा बोल दिया। ग्रामीणों का कहना है कि कुछ घर बंद थे, जबकि कुछ घरों में लोग सो रहे थे। इसी दौरान चोर पीछे के रास्ते से घरों में दाखिल हुए और सामान लेकर फरार हो गए। घटना की सूचना मिलने पर एसडीपीओ ईस्ट वन मनोज कुमार सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने पीड़ित परिवारों से जानकारी जुटाने के साथ ही आसपास के इलाकों की भी जांच की। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की भी जांच की। इसके साथ ही डॉग स्क्वॉड की मदद से भी चोरों का सुराग तलाशा जा रहा है।

टेंपो की ठोकर से वृद्ध महिला की मौत

विभूतिपुर/समस्तीपुर। थाना क्षेत्र अंतर्गत दलसिंहसराय सिंघियाघाट पथ के एस एच 88 पर गुरुवार की संध्या सिंघियाघाट में अज्ञात सीएनजी टेंपो की ठोकर से एक वृद्ध महिला बुरी तरह जख्मी हो गई। स्थानीय लोगों व परिजनों द्वारा आनन-फानन में उसे इलाज के लिए निजी क्लीनिक में भर्ती कराया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल समस्तीपुर रेफर कर दिया। जहां उपचार के दौरान सदर अस्पताल में ही महिला की मौत हो गई ।मृतिका सिंघिया बुजुर्ग दक्षिण निवासी राजेंद्र राउत की 66 वर्षीय पत्नी संझा देवी बताई गई है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि गुरुवार की संध्या महिला सिंघिया घाट स्थित सेंटर में दूध पहुंचा कर घर लौट रही थी इसी क्रम में अज्ञात टेंपो ठोकर मार कर फरार हो गया। इस घटना में महिला बुरी तरह जख्मी हो गई और इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। महिला की मौत के बाद परिजनों का रो रो कर बुरा हाल हो रहा था। बता दें कि मृतका के दो पुत्र संजीत कुमार राउत, मंजय लाल राउत एवं दो पुत्री फुलझरिया देवी एवं फूल कुमारी है।

मनिकपुर-साहेबगंज फोरलेन निर्माण को गति देने में जुटा प्रशासन, डीएम ने किया एलाइनमेंट का निरीक्षण

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। एनएच-139डब्ल्यू के तहत मनिकपुर-साहेबगंज फोरलेन सड़क निर्माण कार्य को गति देने के लिए जिला प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है। जिलाधिकारी कुमार गौरव ने परियोजना के संपूर्ण एलाइनमेंट का स्थलीय निरीक्षण कर निर्माण कार्य की जमीनी प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य भू-अधिग्रहण और मुआवजा वितरण से जुड़ी बाधाओं को दूर कर सड़क निर्माण में तेजी लाना था। निरीक्षण के दौरान डीएम ने एनएचएआई छपरा के परियोजना निदेशक, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधियों और संबंधित अंचलाधिकारियों के साथ निर्माण स्थल का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों से भू-अधिग्रहण, मुआवजा भुगतान और निर्माण कार्य की वर्तमान स्थिति की जानकारी ली। परियोजना के लिए जिले के 36 मौजों में कुल 183.96 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण किया गया है। इसके लिए कुल 413.02 करोड़ रुपये की प्राक्कलित राशि निर्धारित की गई है। भू-अर्जन विभाग की ओर से अब तक रैयतों के बीच 332.03 करोड़ रुपये के मुआवजे का वितरण किया जा चुका है। समीक्षा के दौरान भूमि विवाद और न्यायालय में लंबित मामलों के कारण मुआवजा भुगतान में हो रही देरी पर जिलाधिकारी ने सख्त रुख अपनाया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिन मामलों में सुनवाई और आपसी वार्ता के बाद भी सहमति नहीं बन रही है, उन विवादित मामलों को एनएच अधिनियम 1956 की धारा 3एच(4) के तहत तत्काल व्यवहार न्यायालय भेजा जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि कानूनी औपचारिकताओं को तेजी से पूरा करते हुए संबंधित राशि न्यायालय में जमा कराई जाए, ताकि भूमि अधिग्रहण से जुड़ी अड़चनें दूर हों और फोरलेन निर्माण कार्य निर्बाध रूप से आगे बढ़ सके। उन्होंने संबंधित अधिकारियों और निर्माण एजेंसी को आपसी समन्वय के साथ काम करते हुए परियोजना को निर्धारित समय सीमा में पूरा करने का निर्देश दिया।

अपराधियों ने हथियार के बल पर मुंशी से लूटे 3.18 लाख

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। आलू-प्याज कारोबारी के मुंशी से हथियार के बल पर अपराधियों ने 3.18 लाख रुपए लूट लिए। घटना ब्रह्मपुरा थाना क्षेत्र के चांदनी चौक ओवरब्रिज के पास गुरुवार देर रात की बताई गई है। मुंशी श्रीकांत के अनुसार, वह बाजार समिति स्थित दुकान बंद कर रात में घर लौट रहा था। चांदनी चौक ओवरब्रिज के नीचे पहले से घात लगाए बैठे छह नकाबपोश अपराधियों उसे रोक लिया। कनपटी पर पिस्तौल सटाकर जान से मारने की धमकी दी और रुपयों से भरा बैग छीन लिया। बैग में दुकान की दिनभर की बिक्री के कुल 3 लाख 18 हजार रुपए नकद थे। वारदात को अंजाम देने के बाद सभी अपराधी अपनी बाइक पर सवार होकर हथियार लहराते हुए मुख्य सड़क की ओर फरार हो गए। इसके बाद स्थानीय पुलिस और दुकान मालिक को मामले की सूचना दी। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और पीड़ित मुंशी से घटना का पूरा बयान दर्ज किया। पुलिस आसपास के इलाकों में लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाल रही है ताकि अपराधियों की पहचान की जा सके।

बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना में शिक्षा ऋण कम होने की खबर तथ्य से परे

विद्यार्थियों को 2 लाख शिक्षा वित्त निगम और 2 लाख बैंकों के माध्यम से मिलेंगे

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के तहत विद्यार्थियों को मिलने वाले शिक्षा ऋण में कमी किए जाने की खबर तथ्यात्मक रूप से सही नहीं है। राज्य सरकार ने विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा के लिए वित्तीय सहायता के दायरे को और बढ़ाया है। सचिव, उच्च शिक्षा विभाग के अनुसार अब 2 लाख रुपए तक का शिक्षा ऋण बिहार राज्य शिक्षा वित्त निगम के माध्यम से उपलब्ध कराया जाएगा। वहीं 2 लाख से 4 लाख तक की वित्तीय सहायता अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के माध्यम से उपलब्ध कराई जाएगी। इससे पहले बिहार राज्य शिक्षा वित्त निगम के माध्यम से ही 4 लाख तक की राशि उपलब्ध कराई जाती थी। बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना को प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा प्रोत्साहन योजना, पीएम विद्यालक्ष्मी पोर्टल और बैंकों से जोड़ने का उद्देश्य अधिक से अधिक विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए संस्थागत वित्तीय सहायता उपलब्ध कराना है। इसके साथ ही विद्यार्थियों को पीएम विद्यालक्ष्मी योजना के माध्यम से 10 लाख रुपए तक का शिक्षा ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। इस प्रकार उच्च शिक्षा के लिए विद्यार्थियों को पहले की तुलना में वित्तीय सहायता के अब अधिक विकल्प उपलब्ध कराए गए हैं। वित्तीय वर्ष 2025-26 में बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के तहत 886 करोड़ के व्यय की स्वीकृति दी गई थी। वहीं वर्तमान वित्तीय वर्ष 2026-27 में 950 करोड़ के व्यय की स्वीकृति प्रदान की गई है। इस प्रकार पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में वर्तमान वित्तीय वर्ष में योजना के लिए 64 करोड़ अधिक व्यय की स्वीकृति दी गई है। आंकड़े स्पष्ट रूप से बताते हैं कि बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के तहत वित्तीय सहायता का प्रावधान घटा नहीं, बल्कि बढ़ा है। सरकार का उद्देश्य विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए आसान, व्यापक और संस्थागत वित्तीय सहायता उपलब्ध कराना तथा अधिक से अधिक विद्यार्थियों को इसका लाभ पहुंचाना है।

उत्तर बिहार के कई जिलों में 25-26 अगस्त को भारी बारिश की संभावना

मुजफ्फरपुर। डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के ग्रामीण कृषि मौसम सेवा एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान के अनुसार 22 से 26 अगस्त तक उत्तर बिहार में कहीं-कहीं हल्की वर्षा होने की संभावना है। वहीं 25-26 अगस्त के आसपास बेगूसराय, समस्तीपुर, गोपालगंज, सीवान, वैशाली, पूर्वी चंपारण और पश्चिमी चंपारण के कुछ स्थानों पर गरज-चमक के साथ मध्यम से भारी वर्षा हो सकती है। इस दौरान कुल 45 से 65 मिलीमीटर तक वर्षा का अनुमान है। पूर्वानुमान अवधि में अधिकतम तापमान 32 से 36 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 26 से 29 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को मौसम को देखते हुए मक्का की फसल में तना छेदक और फॉल आर्मीवर्म की नियमित निगरानी करने की सलाह दी है। तना छेदक के नियंत्रण के लिए कार्बोफ्यूरान 3 जी तथा फॉल आर्मीवर्म के लिए इमामेक्टिन बेंजोएट के प्रयोग की सलाह दी गई है। आवश्यकता पड़ने पर सात दिन बाद कोराजेन का छिड़काव किया जा सकता है। धान की फसल में खरपतवार नियंत्रण के साथ तना छेदक एवं पत्ती लपेटक कीटों पर नजर रखने को कहा गया है। प्रकोप होने पर क्लोरेंट्रानिलिप्रोल 4 जी दानेदार दवा के प्रयोग की सलाह दी गई है। किसानों को परवल की बुआई करने की सलाह देते हुए उत्तर बिहार के लिए राजेंद्र परवल-1, राजेंद्र परवल-2, राजेंद्र परवल-3, स्वर्ण रेखा, स्वर्ण अलौकिक और स्वर्ण सुरभि किस्मों को उपयुक्त बताया गया है। बैंगन में तना एवं फल छेदक कीट के शुरुआती प्रबंधन के लिए रोपाई के 10 दिन बाद फ्यूराडान 3-जी के प्रयोग की सलाह दी गई है। संक्रमित टहनियों और फलों को तोड़कर मिट्टी में दबाने तथा अधिक प्रकोप की स्थिति में स्पिनोसैड के छिड़काव को उपयोगी बताया गया है।

बाबा गरीबनाथ धाम के कायाकल्प की तैयारी तेज, फकुली में बनेगा भव्य स्वागत द्वार

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। उत्तर बिहार के देवघर के रूप में प्रसिद्ध ऐतिहासिक बाबा गरीबनाथ धाम के कायाकल्प और भव्य कॉरिडोर निर्माण की दिशा में राज्य सरकार ने कवायद तेज कर दी है। इसी क्रम में पर्यटन मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता ने जिलाधिकारी और एनएचएआई के प्रोजेक्ट मैनेजर के साथ जिले के प्रवेश द्वार फकुली में प्रस्तावित तोरण द्वार स्थल का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्माण कार्य निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा करने का निर्देश दिया। पर्यटन मंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य बाबा गरीबनाथ धाम को राष्ट्रीय स्तर के प्रमुख धार्मिक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करना है। इसके तहत फकुली में भव्य स्वागत द्वार का निर्माण कराया जाएगा, जो मुजफ्फरपुर में प्रवेश करने वाले श्रद्धालुओं और कांवरियों के लिए आकर्षण का प्रमुख केंद्र होगा। इसके अलावा शहर के छाता बाजार और साहू पोखर चौक पर भी विशेष थीम आधारित भव्य प्रवेश द्वार बनाए जाएंगे। परियोजना के तहत ऐतिहासिक साहू पोखर का भी कायाकल्प किया जाएगा। यहां आकर्षक आरती डेक के साथ ग्लास ब्रिज का निर्माण कराया जाएगा। श्रद्धालुओं और कांवरियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए कांवरिया पथ और प्रमुख पहुंच मार्गों के चौड़ीकरण की भी योजना है, ताकि सावन के दौरान लाखों श्रद्धालुओं के आवागमन को सुगम और सुरक्षित बनाया जा सके। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर की तर्ज पर विकसित किए जा रहे इस प्रोजेक्ट के प्रथम चरण के लिए पर्यटन विभाग ने 6.19 करोड़ रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति दी है। इसकी पहली किस्त भी जारी हो चुकी है। इस राशि से मंदिर परिसर, साहू पोखर और आसपास के क्षेत्रों का सौंदर्यीकरण कराया जाएगा। सरकार की योजना बाबा गरीबनाथ धाम को आधुनिक सुविधाओं से लैस कर धार्मिक पर्यटन का बड़ा केंद्र बनाने की है। कॉरिडोर के निर्माण और सौंदर्यीकरण के बाद सावन में आने वाले लाखों शिवभक्तों को बेहतर सुविधाएं मिलने की उम्मीद है।

आरबीबीएम कॉलेज की छात्राओं ने शतरंज टूर्नामेंट में जीती ट्रॉफी, प्राचार्या ने किया सम्मानित

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। डॉ. राम मनोहर लोहिया स्मारक महाविद्यालय में आयोजित बीआरए बिहार विश्वविद्यालय अंतर महाविद्यालय शतरंज टूर्नामेंट के महिला वर्ग के टीम इवेंट में आरबीबीएम कॉलेज की टीम ने विजेता बनकर ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। विजेता टीम में आद्या कुमारी, आयुषि कुमारी, तान्या केसरी और सानिया परवीन शामिल रहीं। 21 अगस्त 2026 को विजेता छात्राएं ट्रॉफी लेकर महाविद्यालय पहुंचीं। इस अवसर पर आरबीबीएम कॉलेज की प्राचार्या डॉ. मधु सिंह ने छात्राओं का माला पहनाकर एवं मिठाई खिलाकर स्वागत किया। उन्होंने छात्राओं को जीत की बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। प्राचार्या डॉ. मधु सिंह ने कहा कि छात्राओं ने अपनी मेहनत और प्रतिभा के दम पर महाविद्यालय का नाम रोशन किया है। उन्होंने अन्य छात्राओं से भी विजेता खिलाड़ियों से प्रेरणा लेकर खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने और महाविद्यालय का गौरव बढ़ाने की अपील की। इस अवसर पर कॉलेज के स्पोर्ट्स इंचार्ज डॉ. अभय कुमार के अलावा डॉ. चेतना वर्मा, डॉ. रेणुबाला, डॉ. हेमा कुमारी, डॉ. अंकिता सिंह, डॉ. धनंजय झा, डॉ. राजेश कुमार पंडित, डॉ. कंचन, डॉ. मीनू, डॉ. दिव्या, डॉ. शिप्रा आनंद सहित बड़ी संख्या में छात्राएं मौजूद रहीं। कॉलेज परिसर में विजेता छात्राओं के सम्मान को लेकर उत्साह का माहौल रहा।

मसालों पर क्रेता-विक्रेता सम्मेलन आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। बिहार के मसालों को वैश्विक बाजार तक पहुंचाने की बड़ी पहल के तहत डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के स्पाइसेस बोर्ड के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को विद्यापति सभागार, आरपीसीएयू, पूसा में *मसालों पर क्रेता-विक्रेता सम्मेलन का आयोजन किया गया।इस सम्मेलन का उद्देश्य बिहार से मसाला निर्यात को बढ़ावा देना और किसानों, एफपीओ , किसान समूहों, मसाला उद्योग के हितधारकों और देश भर के निर्यातकों के बीच सीधा संवाद स्थापित कर मसाला मूल्य श्रृंखला को मजबूत करना है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कुलपति डॉ. पी. एस. पाण्डेय और विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री बशिष्ठ नारायण झा, निदेशक (विपणन), स्पाइसेस बोर्ड उपस्थित रहे। सम्मेलन का आयोजन संदीप कुमार चौरसिया, क्षेत्रीय कार्यालय, स्पाइसेस बोर्ड, कोलकाता एवं डॉ. ए. के. मिश्रा, प्रधान अन्वेषक, अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना (मसाला), आरपीसीएयू द्वारा किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम में बोलते हुए कुलपति डॉ. पी. एस. पाण्डेय ने कहा कि मसाला क्षेत्र में बिहार का समय आ गया है। उन्होंने कहा, कि बिहार अब सिर्फ अनाज का कटोरा नहीं है; यह न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया और विशेष रूप से एशिया का मसाला हब बन सकता है। बिहार की कृषि-जलवायु परिस्थितियाँ हल्दी, अदरक, धनिया, मेथी और अन्य उच्च मूल्य वाले मसालों के लिए एकदम उपयुक्त हैं। उन्होंने कहा कि यहां की चुनौती उत्पादन की नहीं, बल्कि लिंकेज, गुणवत्ता, मार्केटिंग, निर्यात और मूल्य संवर्धन की है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय मसालों के विभिन्न उन्नत किस्मों, कटाई उपरांत तकनीकों और बाजार लिंकेज मॉडल विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा इस क्रेता-विक्रेता सम्मेलन के माध्यम से विश्वविद्यालय किसानों को कृषि-उद्यमी बनाने का प्रयास कर रहा है। विश्वविद्यालय और स्पाइसेज बोर्ड किसानों को सीधे निर्यातकों से जोडने का प्रयास करेगा। उन्होंने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम सच्चे अर्थों में लैब से लैंड से मार्केट का मॉडल है। उन्होंने स्पाइसेस बोर्ड से इस क्षेत्र में उत्पादित मसालों के निर्यात में मदद करने का अनुरोध किया। कुलपति डॉ पांडेय ने स्पाइसेज बोर्ड से विश्वविद्यालय में एक क्वालिटी टेस्टिंग लैब की स्थापना का भी अनुरोध किया जिससे कि किसानों को निर्यात में सुविधा हो। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय एफपीओ को मार्केटिंग, निर्यात और गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री के लिए तकनीकी जानकारी के साथ सहयोग करेगा। कार्यक्रम के दौरान मंच संचालन डॉ ईश प्रकाश ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ ए के मिश्रा ने किया। कार्यक्रम के दौरान डीन फिशरीज डॉ पी पी श्रीवास्तव, डीन कम्यूनिटी साइंस डॉ उषा सिंह, डॉ शंकर झा, डॉ कुमार राज्यवर्धन समेत विभिन्न शिक्षक वैज्ञानिक एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे ।

बिस्किट में जहर देकर ढाई साल के बच्चे की हत्या का आरोप, मां हिरासत में

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। रामपुर हरि थाना क्षेत्र के टेंगराहां उत्तर टोला में गुरुवार दोपहर करीब ढाई साल के बच्चे की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। बच्चे के दादा ने उसकी मां पर बिस्किट में कथित तौर पर जहर मिलाकर खिलाने का आरोप लगाया है। घटना के बाद पुलिस ने आरोपी मां को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। घटना की सूचना मिलने के बाद रामपुर हरि थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। पुलिस बच्चे की मौत के कारणों का पता लगाने में जुटी है। मौत हत्या की वजह से हुई या किसी अन्य कारण से, यह पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। मुजफ्फरपुर में करीब दो साल पहले भी एक मां पर अपनी बेटी की हत्या का मामला सामने आया था। 24 अगस्त 2024 को मिठनपुरा थाना क्षेत्र के रामबाग शास्त्री नगर में एक ट्रॉली बैग से करीब साढ़े तीन साल की बच्ची का शव बरामद हुआ था। बच्ची की पहचान गया के चाकन्द बाजार निवासी मनोज लाल की बेटी मिष्टी कुमारी के रूप में हुई थी। पुलिस की जांच में बच्ची की मां काजल कुमारी को आरोपी बनाया गया था। घटना के अगले दिन पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया था। पूछताछ में काजल ने कथित तौर पर प्रेमी से शादी करने के लिए बच्ची की हत्या करने की बात कही थी। पुलिस के अनुसार, उसने क्राइम पेट्रोल देखकर हत्या की योजना बनाई थी। फिलहाल टेंगराहां उत्तर टोला में हुई ताजा घटना को लेकर पुलिस आरोपी मां से पूछताछ कर रही है। पुलिस जांच के बाद ही पूरे मामले की सच्चाई सामने आएगी।

अवधेश कुमार सिंह के निधन पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम के अंतिम दिन भावपूर्ण कवि सम्मेलन आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। संत प्रेम भिक्षु इंटर कॉलेज के मैथिली विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष रहे प्रोफेसर अवधेश कुमार सिंह जी के आकस्मिक निधन के बाद उनके आवास पर आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम के अंतिम दिन भावपूर्ण कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कवियों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से दिवंगत प्रोफेसर अवधेश कुमार सिंह जी के व्यक्तित्व, कृतित्व, शिक्षा, साहित्य एवं समाज के प्रति उनके योगदान को याद करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कवि सम्मेलन का संचालन प्रोफेसर गौरी शंकर सिंह ने किया। कार्यक्रम में प्रोफेसर सुधीर प्रसाद सिंह, प्रोफेसर सोनू सरकार एवं कवि चंद्रभूषण जी ने अपनी रचनाएँ प्रस्तुत कीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य प्रोफेसर विनोद कुमार सिंह ने की।इस अवसर पर प्रोफेसर सोनू सरकार द्वारा प्रस्तुत श्रद्धांजलि कविता ,एक दीपक बुझ गया... ने पूरे माहौल को भावुक कर दिया। कविता के माध्यम से उन्होंने प्रो. अवधेश कुमार सिंह के व्यक्तित्व, उनकी सरलता, मैथिली भाषा एवं साहित्य के प्रति उनके समर्पण तथा विद्यार्थियों के जीवन में उनके योगदान को स्मरण किया।

कविता की पंक्तियाँ

एक दीपक बुझ गया, पर रोशनी बाकी है, अवधेश सर की आज भी हर बात बाकी है। ज्ञान बाँटते रहे जो जीवन भर मुस्कुराकर, उनकी हर सीख हमारे साथ बाकी है। कविता में आगे कहा गया, मैथिली की मिठास में जिनकी पहचान थी, शिक्षा और संस्कार जिनकी शान थी। शब्दों से दिल जीत लेना उनकी खासियत थी, सरलता ही उनकी सबसे बड़ी दौलत थी। प्रो. सोनू सरकार ने अपनी रचना में यह भाव व्यक्त किया कि व्यक्ति भले ही शरीर से हमारे बीच न रहे, लेकिन उसके विचार, शिक्षा, संस्कार और स्मृतियाँ हमेशा जीवित रहती हैं। कविता के अंत में उन्होंने कहा– अवधेश सर, यह अंतिम प्रणाम हमारा है, आपका जीवन हम सबके लिए प्रेरणा का उजियारा है। आप चले गए, मगर आपकी यादें रहेंगी– हर शिष्य के दिल में आपकी बातें रहेंगी। कविता की प्रस्तुति के दौरान श्रद्धांजलि सभा का वातावरण अत्यंत भावुक हो गया और उपस्थित लोगों ने नम आँखों से प्रो. अवधेश कुमार सिंह को याद किया।वक्ताओं एवं कवियों ने कहा कि प्रो. अवधेश कुमार सिंह का आकस्मिक निधन शिक्षा और साहित्य जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। मैथिली भाषा एवं साहित्य के प्रति उनका समर्पण, विद्यार्थियों के प्रति उनका स्नेह तथा उनके सरल एवं सहज व्यक्तित्व को लंबे समय तक याद किया जाएगा। इस अवसर पर मनोज कुमार सिंह, अनिल सिंह, सुनील सिंह, महेश सिंह, मुन्ना सिंह, रामप्रवेश सिंह, पंकज कुमार सिंह, रवि सिंह, रिंकू सिंह सहित अनेक परिजन, मित्र, शुभचिंतक एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों ने दिवंगत प्रोफेसर अवधेश कुमार सिंह जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की तथा शोकाकुल परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की।

कुशेश्वरनाथ महादेव मंदिर में गूंजे वैदिक मंत्र, सावन भर रुद्राभिषेक और महाप्रसाद का आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। कांटी नगर परिषद क्षेत्र के कुशी हरपुर रमणी स्थित ऐतिहासिक कुशेश्वरनाथ महादेव मंदिर में शुक्रवार को आस्था और श्रद्धा का अद्भुत संगम देखने को मिला। मंदिर परिसर में विधि-विधान के साथ रुद्राभिषेक, वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन और महाआरती का आयोजन किया गया। पूजन और बाबा कुशेश्वरनाथ के दिव्य श्रृंगार के बाद मंदिर प्रबंधन समिति की अहम बैठक हुई, जिसमें आगामी धार्मिक आयोजनों की रूपरेखा तय की गई। मंदिर कमेटी के अध्यक्ष डॉ. नीरज कुमार ने बताया कि पवित्र सावन मास में भगवान शिव की विशेष आराधना की जा रही है। पूरे सावन मंदिर में प्रतिदिन सुबह विशेष रुद्राभिषेक, वैदिक हवन और पूजन कराया जा रहा है। इसके बाद श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया जाता है। वहीं, प्रत्येक दिन संध्या वेला में विशेष पूजन और भव्य महाआरती का आयोजन कर भक्तों को प्रसाद वितरित किया जाता है। उन्होंने बताया कि सावन की अंतिम सोमवारी को लेकर भी विशेष तैयारी की जा रही है। इस अवसर पर सुबह विशेष रुद्राभिषेक के बाद बाबा कुशेश्वरनाथ का दिव्य महाश्रृंगार किया जाएगा। आयोजन को भव्य और व्यवस्थित बनाने के लिए मंदिर समिति के सदस्य पूरी तरह जुटे हुए हैं। शुक्रवार को आयोजित धार्मिक अनुष्ठान और बैठक में मंदिर कमेटी के सदस्य गौरव त्रिवेदी, उत्कर्ष त्रिवेदी, हेमंत त्रिवेदी, मुन्ना तिवारी, रमेश मिश्रा, मणि मोहन कुमार सहित बड़ी संख्या में स्थानीय श्रद्धालु और भक्तगण मौजूद रहे। मंदिर परिसर पूरे दिन हर-हर महादेव के जयघोष से गूंजता रहा।

विश्व उद्यमिता दिवस पर जिलास्तरीय स्टार्टअप कार्यक्रम आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। विश्व उद्यमिता दिवस के अवसर पर एल.एन. मिश्रा कॉलेज ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट एवं मुजफ्फरपुर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के स्टार्टअप सेल के संयुक्त तत्वावधान में स्केल अप एंड मार्केट एक्सेस विषय पर जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। एल.एन. मिश्रा कॉलेज ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट में जिलाधिकारी कुमार गौरव ने सात स्टार्टअप का शुभारंभ किया। उन्होंने उपस्थित छात्रों, युवा उद्यमियों एवं स्टार्टअप संस्थापकों को संबोधित करते हुए बिहार सरकार द्वारा स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं एवं सुविधाओं की जानकारी दी। जिलाधिकारी ने युवाओं से जॉब सीकर नहीं, जॉब प्रोवाइडर बनने एवं उद्यमिता विकसित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बिहार में स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए युवाओं को नए विचारों के साथ आगे आना चाहिए। उन्होंने स्टार्टअप संस्थापकों को आश्वस्त किया कि प्रशासन की ओर से उन्हें हरसंभव सहयोग दिया जाएगा। प्रशासनिक अथवा मार्केटिंग से संबंधित किसी भी समस्या के समाधान के लिए वे उनसे संपर्क कर सकते हैं और उनकी ओर से यथासंभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। कार्यक्रम में महाप्रबंधक विजय शंकर प्रसाद ने भी छात्रों एवं उद्यमियों को संबोधित किया। उन्होंने बिहार स्टार्टअप पॉलिसी के तहत मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी देते हुए उद्योग विभाग, बिहार सरकार से सीड फंड प्राप्त करने की प्रक्रिया और आवश्यक चरणों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने युवाओं को सरकारी योजनाओं का लाभ उठाकर अपने स्टार्टअप को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। एल.एन. मिश्रा कॉलेज ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट के निदेशक डॉ. मनीष कुमार ने छात्रों को अपने-अपने क्षेत्र में नवाचार एवं नए प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि युवा अपनी प्रतिभा और नए विचारों के माध्यम से समाज एवं राज्य के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।कार्यक्रम में स्टार्टअप सेल के फैकल्टी इंचार्ज डॉ. किशोर पार्थ तथा एमआईटी स्टार्टअप सेल के फैकल्टी इंचार्ज डॉ. संजय कुमार की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न स्टार्टअप के संस्थापकों ने अपनी सफलता की कहानी, संघर्ष, अनुभव और उद्यमिता के सफर को छात्रों के साथ साझा किया। इससे छात्रों को स्टार्टअप शुरू करने और उसे आगे बढ़ाने की व्यावहारिक जानकारी मिली।कार्यक्रम के अंत में प्रोजेक्ट मैनेजर आशुतोष कुमार झा ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस जिला स्तरीय कार्यक्रम के आयोजन एवं समन्वय में जिला स्टार्टअप कोऑर्डिनेटर श्री कुणाल सिंह एवं श्री राकेश कुमार साह की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम ने मुजफ्फरपुर के छात्रों, युवा उद्यमियों और स्टार्टअप संस्थापकों को सरकारी योजनाओं, फंडिंग, मार्केट एक्सेस तथा स्टार्टअप को स्केल करने के अवसरों की जानकारी देने के साथ-साथ बिहार में मजबूत स्टार्टअप इकोसिस्टम के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल का संदेश दिया।

गायघाट पुलिस ने 8 अलग अलग मामलों में आरोपी के घर पर चिपकाया इश्तेहार

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले के गायघाट थाना पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर विभिन्न गंभीर मामलों में लंबे समय से फरार चल रहे आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 8 अलग मामलों में विभिन्न गावों में उनके घरों पर इश्तेहार चस्पा किया है। गायघाट थाना प्रभारी जेपी गुप्ता ने बताया कि पुलिस ने यह कार्रवाई फरार अभियुक्तों को आत्मसमर्पण करने की अंतिम चेतावनी देने और आगामी कुर्की-जब्ती की प्रक्रिया शुरू करने के उद्देश्य से की है। कुर्की की चेतावनीः यदि तय समय सीमा के भीतर फरार आरोपी हाजिर नहीं होते हैं, तो पुलिस कोर्ट से आदेश लेकर उनके घरों की कुर्की-जब्ती (संपत्ति जब्त करने) की विधिक कार्रवाई करेगी। गंभीर मामलों में संलिप्तताः यह कार्रवाई हत्या, एससी-एसटी एक्ट, लूट या अन्य संगीन अपराधों से जुड़े मामलों के तहत की गई है, जिनमें आरोपी लगातार अपनी गिरफ्तारी से बच रहे हैं।बिहार पुलिस द्वारा फरार अपराधियों पर नकेल कसने के लिए इस तरह की सख्त कानूनी प्रक्रियाओं का लगातार इस्तेमाल किया जा रहा है। गायघाट पुलिस की टीम ने गांव में कानून की घोषणा करने और ग्रामीणों को सूचित करने के लिए डुगडुगी और ढोल-नगाड़े बजाकर मुनादी की। न्यायालय के निदेर्शानुसार, इश्तेहार चिपकाए जाने के बाद आरोपियों को सीमित समय (आमतौर पर 15 से 30 दिन) के भीतर अदालत या पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण करना होगा।

किसानों के लिए नए बीज एवं फसल सुरक्षा समाधान पेश

मुजफ्फरपुर। डीसीएम श्रीराम लिमिटेड के प्रभाग श्रीराम फार्म सोल्यूशन्स ने किसानों के लिए नए फसल सुरक्षा, हाइब्रिड सीड और वैजीटेबल सीड प्रोडक्ट्स लॉन्च किए। कंपनी ने श्रीराम सेनकुशा, श्रीराम एडेलॉन, रबी मक्का हाइब्रिड श्रीराम 9662 और करेले का हाइब्रिड बीज श्रीराम साम्भा पेश किया। कंपनी के अनुसार, ये नए उत्पाद उभरती विश्व स्तरीय तकनीकों को भारतीय किसानों तक पहुंचाने की उसकी प्रतिबद्धता को दशार्ते हैं। कार्यक्रम का आयोजन पटना में हुआ। संजय छाबड़ा, एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर और बिजनेस हेड, श्रीराम फार्म सोल्यूशन्स ने कहा, श्रीराम फार्म सोल्यूशन्स के लिए, इनोवेशन सिर्फ. एक लक्ष्य नहीं बल्कि हर उस किसान से हमारा वादा है जिसे हम अपनी सेवाएं प्रदान करते हैं। इन नए प्रोडक्ट्स का लॉन्च कृषि को नया आयाम देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

स्कूल में चोरी और तोड़फोड़ के विरोध में सड़क पर उतरे छात्र, बनारस बैंक चौक जाम

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। शहर के महिला शिल्पकला विद्यालय में चोरी और तोड़फोड़ की घटनाओं के विरोध में शुक्रवार को छात्रों का आक्रोश उबल पड़ा। बड़ी संख्या में छात्र सड़क पर उतर आए और बनारस बैंक चौक को जाम कर धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया। छात्रों के सड़क पर उतरने से यातायात प्रभावित हो गया। छात्रों का आरोप है कि विद्यालय में लगातार चोरी की घटनाएं हो रही हैं। छात्रों के मुताबिक, दो दिन पहले विद्यालय से चार पंखे चोरी हुए थे। इस मामले में गुरुवार को पुलिस की मौजूदगी में छात्रों व संबंधित लोगों के बयान भी दर्ज किए गए थे। छात्रों का कहना है कि इसके बावजूद गुरुवार की रात विद्यालय परिसर से समर्सिबल मोटर भी चोरी हो गई। लगातार चोरी की घटनाओं से नाराज छात्रों ने शुक्रवार को सड़क पर उतरकर विरोध जताया। प्रदर्शनकारी छात्रों ने विद्यालय की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए चोरी की घटनाओं पर तत्काल कार्रवाई और विद्यालय परिसर की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की। छात्रों के प्रदर्शन और सड़क जाम की सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और छात्रों को समझाने का प्रयास किया। पुलिस द्वारा मामले की जांच और कार्रवाई का आश्वासन दिए जाने के बाद स्थिति सामान्य कराने की कोशिश की जा रही है।

मजदूरी के पैसे मांगने पर युवक की पिटाई पीएमसीएच में इलाज के दौरान मौत

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। सिवाईपट्टी थाना क्षेत्र के टेंगरारी पंचायत के वार्ड संख्या-2 में मारपीट में घायल 35 वर्षीय युवक मनोज सहनी की शुक्रवार सुबह पीएमसीएच में इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक स्व. रामदेव सहनी का पुत्र था और राजमिस्त्री के रूप में मजदूरी करता था। जानकारी के अनुसार, मनोज सहनी वार्ड सदस्य तपेश्वर सहनी के बेटे वीरेंद्र सहनी की ठीकेदारी में राजमिस्त्री का काम करता था। आरोप है कि 17 अगस्त को वह मजदूरी के बकाया पैसे मांगने वीरेंद्र सहनी के पास गया था। इसी दौरान उसके साथ मारपीट की गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद स्वजन और स्थानीय लोगों की मदद से मनोज को इलाज के लिए एसकेएमसीएच में भर्ती कराया गया। उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने उसे पीएमसीएच रेफर कर दिया। इसके बाद स्वजन उसे पीएमसीएच ले गए, जहां शुक्रवार सुबह इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मनोज की मौत की खबर मिलते ही परिवार में मातम पसर गया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

रूपौली विशनपुर में महिला का शव फंदे से लटका मिला, जांच में जुटी पुलिस

मुजफ्फरपुर। रामपुर हरि थाना क्षेत्र के रूपौली विशनपुर गांव में एक महिला का शव फंदे से लटका मिलने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। मृतका की पहचान अनरजीत पासवान की 36 वर्षीय पत्नी अमिता देवी के रूप में हुई है। वह तीन बच्चों की मां थी। बताया गया कि महिला का शव फंदे से लटका मिलने की जानकारी मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर जुट गए। घटना के बाद गांव में कुछ देर के लिए अफरातफरी की स्थिति बन गई। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना रामपुर हरि थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लिया और महिला की मौत के कारणों का पता लगाने के लिए सभी पहलुओं की जांच कर रही है। महिला ने किन परिस्थितियों में यह कदम उठाया, इसकी जानकारी फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सकी है। पुलिस मामले की जांच के साथ घटना से जुड़े लोगों से भी पूछताछ कर रही है। जांच पूरी होने के बाद ही महिला की मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।

विचार मंथन

सम्पादकीय

स्कुलो के दरवाजे पर मीडिया का पहरा, लेकिन बच्चों के हाथों में सोशल मीडिया की खुली दुनिया

कांतिलाल मांडोत

बचपन कभी किताबों, खेल के मैदान, परिवार की बातचीत और दोस्तों की संगत में गुजरता था। आज वही बचपन मोबाइल की चमकती स्क्रीन में सिमटता जा रहा है। बच्चे घर में मौजूद हैं, लेकिन उनका ध्यान कहीं और है। परिवार सामने बैठा है, मगर संवाद कम होता जा रहा है। किताबें अलमारी में बंद हैं और मोबाइल की स्क्रीन दिन-रात खुली है। यह बदलाव केवल जीवनशैली का परिवर्तन नहीं है, बल्कि आने वाली पीढ़ी के मानसिक, सामाजिक और बौद्धिक विकास से जुड़ा गंभीर सवाल बन चुका है। राजस्थान में विधानसभा में शिक्षा विभाग की ओर से दिए गए जवाब ने इस चिंता को और गहरा कर दिया है। सरकार से पूछा गया था कि जनवरी 2023 से दिसंबर 2025 के बीच विद्यार्थियों को सोशल मीडिया से दूर रखने और पुस्तकों, अखबारों तथा पत्रिकाओं के प्रति रुचि बढ़ाने के लिए कौन-कौन सी योजनाएं चलाई गईं और उन पर कितना बजट खर्च हुआ। जवाब में बताया गया कि इस संबंध में फिलहाल कोई प्रस्ताव प्रक्रियाधीन या विचाराधीन नहीं है। यह स्थिति इसलिए चिंताजनक है क्योंकि स्कूलों में मीडिया के प्रवेश को लेकर सख्ती दिखाई जा रही है, लेकिन बच्चों के हाथों में मौजूद उस डिजिटल दुनिया को लेकर ठोस नीति नजर नहीं आती, जहां वे प्रतिदिन घंटों अपना समय बिता रहे हैं। स्कूल के बाहर मोबाइल पर क्या देखा जा रहा है, किससे बातचीत हो रही है, किस तरह की सामग्री बच्चों तक पहुंच रही है और उसका उनके व्यवहार पर क्या असर पड़ रहा है, इन सवालों का जवाब केवल परिवारों के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। मोबाइल और सोशल मीडिया अपने आप में दुश्मन नहीं हैं। तकनीक शिक्षा, जानकारी और संवाद का महत्वपूर्ण माध्यम बन चुकी है। समस्या तब पैदा होती है जब तकनीक साधन से बढ़कर आदत और फिर निर्भरता बन जाती है। लगातार छोटे-छोटे वीडियो देखने, बार-बार सूचनाएं जांचने और सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया पाने की आदत बच्चे के ध्यान को लगातार भटका सकती है। बच्चे पढ़ने बैठते हैं तो कुछ ही देर में मोबाइल देखने की इच्छा होती है। किताब का एक पन्ना लंबा लगता है, लेकिन वीडियो की लगातार बदलती तस्वीरें आकर्षित करती रहती हैं। इसका असर धीरे-धीरे पढ़ाई की आदत पर पड़ सकता है। धैर्य से किसी विषय को समझने की क्षमता कमजोर पड़ सकती है और तत्काल मनोरंजन की आदत गहरी हो सकती है। सबसे बड़ी चिंता यह है कि यह परिवर्तन अक्सर परिवार को तब दिखाई देता है जब बच्चे के व्यवहार में स्पष्ट बदलाव आने लगता है। वह छोटी-छोटी बातों पर चिड़चिड़ा होने लगता है, बातचीत से बचता है, परिवार के साथ बैठने में रुचि नहीं दिखाता और मोबाइल हटाने पर असहज या नाराज हो सकता है। हर बच्चे में इसका असर एक जैसा नहीं होता, लेकिन अत्यधिक और अनियंत्रित स्क्रीन इस्तेमाल को सामान्य मान लेना भी उचित नहीं है। चिड़चिड़ापन केवल व्यवहार नहीं, संकेत भी है। बच्चे का चिड़चिड़ापन कई कारणों से हो सकता है। पढ़ाई का दबाव, पारिवारिक वातावरण, नींद की कमी, सामाजिक परिस्थितियां और अन्य कारण भी इसमें भूमिका निभा सकते हैं। लेकिन जब मोबाइल और सोशल मीडिया बच्चे की दिनचर्या का केंद्रीय हिस्सा बन जाएं, तब उसके व्यवहार में आए बदलाव पर परिवार और विद्यालय दोनों को ध्यान देना चाहिए। रात देर तक स्क्रीन देखने से नींद की दिनचर्या प्रभावित हो सकती है। नींद पूरी न होने पर अगले दिन थकान, ध्यान की कमी और चिड़चिड़ापन बढ़ सकता है। लगातार आभासी दुनिया में रहने से वास्तविक जीवन की बातचीत और गतिविधियों में रुचि कम हो सकती है। बच्चा दोस्तों और परिवार के बीच होते हुए भी मानसिक रूप से स्क्रीन की दुनिया में मौजूद रह सकता है। यही वह स्थिति है जहां माता-पिता को केवल मोबाइल छीन लेने के बजाय बच्चे से बातचीत करनी होगी। डांट और डर से समस्या का स्थायी समाधान नहीं होगा। बच्चे को यह समझाना होगा कि मोबाइल जीवन का हिस्सा हो सकता है, जीवन का केंद्र नहीं। परिवार से दूर होता बचपन आज कई घरों में एक अजीब दृश्य दिखाई देता है। एक कमरे में पूरा परिवार बैठा है, लेकिन हर व्यक्ति अपनी-अपनी स्क्रीन में व्यस्त है। बच्चे वही सीखते हैं जो वे अपने आसपास देखते हैं। यदि माता-पिता स्वयं हर समय मोबाइल में व्यस्त रहेंगे तो केवल बच्चों से मोबाइल दूर रखने की अपेक्षा करना कठिन होगा। बचपन को परिवार की बातचीत चाहिए। दादा-दादी की कहानियां चाहिए। माता-पिता का समय चाहिए। दोस्तों के साथ खेलना चाहिए। मैदान में हार-जीत का अनुभव चाहिए।

मैदान मिले तो ओलंपिक तक उड़ान भर लें गांव की लड़कियां

रक्षा शर्मा

राजस्थान के लूणकरणसर से करीब 20 किमी दूर बसे कुजटी गांव की 17 वर्षीय उर्मिला कबड्डी खेलना चाहती है। उसका सपना अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करने और देश के लिए पदक जीतने का है। लेकिन उसके सामने सवाल यह नहीं है कि वह कितना बड़ा सपना देखती है, बल्कि यह है कि उस सपने को आगे बढ़ाने के लिए उसके पास कितनी सुविधाएं उपलब्ध हैं। इस गांव में लड़कियों के लिए नियमित खेल मैदान नहीं है। स्कूल में मैदान जरूर है, लेकिन पढ़ाई और दूसरी गतिविधियों के बीच उर्मिला को अभ्यास के लिए बहुत कम समय मिल पाता है। घर लौटने के बाद घरेलू काम उसकी प्राथमिकता बन जाते हैं। ऐसे में खेल के लिए समय निकालना उसके लिए आसान नहीं है। परिवार और समाज की सोच भी उसके रास्ते को आसान नहीं बनाती। उनके लिए उर्मिला का भविष्य शादी, घर-परिवार और बच्चों की जिम्मेदारियों से जुड़ा है। इसलिए उन्हें लगता है कि उसे खेल के बजाय घरेलू काम सीखने पर अधिक ध्यान देना चाहिए। उर्मिला की कहानी केवल एक लड़की के सपने और संघर्ष की कहानी नहीं है। यह उस सवाल को सामने लाती है कि गांवों में लड़कियों को अपनी पसंद का खेल खेलने और उसमें आगे बढ़ने के लिए समान अवसर आखिर कितने मिलते हैं? करीब 2500 की आबादी और लगभग 400 घरों वाले कुजटी गाँव में खेल प्रतिभाओं की कमी नहीं है। यहां की साक्षरता दर लगभग 56 प्रतिशत है। पुरुषों की साक्षरता दर 72 प्रतिशत है, जबकि महिलाओं की साक्षरता दर केवल 40 प्रतिशत है। यह अंतर केवल शिक्षा तक सीमित नहीं है। शिक्षा, खेल और दूसरे अवसरों तक पहुंच में भी लड़कियों और लड़कों के बीच असमानता दिखाई देती है। लड़कों का मैदान में घंटों खेलना अक्सर सामान्य माना जाता है, जबकि लड़कियों के खेलते ही घर के काम, पढ़ाई, सुरक्षा और भविष्य को लेकर सवाल उठने लगते हैं। उर्मिला के माता-पिता की सोच को केवल उनकी व्यक्तिगत सोच कहकर खारिज नहीं किया जा सकता। यह उस सामाजिक व्यवस्था का हिस्सा है जिसमें लड़कियों के भविष्य को बचपन से ही घरेलू जिम्मेदारियों के साथ जोड़ दिया जाता है। लड़की को घर का काम सीखना चाहिए, समय पर घर लौटना चाहिए और आगे चलकर परिवार संभालना चाहिए, यह अपेक्षा इतनी सामान्य बना दी गई है कि उसके अपने सपनों के लिए समय मांगना भी कई बार अतिरिक्त मांग जैसा लगने लगता है। हाल ही में ग्लासगो में हुए 2026 राष्ट्रमंडल खेलों ने यह दिखाया है कि जब महिलाओं को खेल के अवसर और प्रशिक्षण मिलते हैं तो उनकी उपलब्धियां कितनी दूर तक जा सकती हैं। भारत ने इन खेलों में कुल 39 पदक जीते, जिनमें 13 स्वर्ण, 17 रजत और 9 कांस्य पदक शामिल हैं। इनमें आठ स्वर्ण अकेले महिला खिलाड़ियों ने ही जीता है। इन उपलब्धियों को केवल पदकों की संख्या के रूप में देखने के बजाय यह समझना जरूरी है कि खेल में महिलाओं की भागीदारी के लिए अवसरों का महत्व कितना बड़ा है। ग्लासगो में अस्मिता डे का स्वर्ण विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा। वह राष्ट्रमंडल खेलों में जूडो में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय बनीं। उनकी सफलता यह बताती है कि किसी खेल में अवसर और प्रशिक्षण मिलने पर महिलाएं उन क्षेत्रों में भी इतिहास रच सकती हैं, जहां भारत की उपस्थिति पहले सीमित रही है। इन महिला खिलाड़ियों की उपलब्धियों का मतलब यह नहीं है कि हर गांव की लड़की को ओलंपिक या राष्ट्रमंडल खेलों में पदक जीतना ही चाहिए। असली सवाल इससे पहले का है कि क्या उसे अपनी पसंद का खेल खेलने का अवसर मिला? क्या उसके पास अभ्यास के लिए मैदान है? क्या उसे प्रशिक्षण मिलता है? क्या उसके परिवार ने उसे खेलने के लिए समय दिया?

आस्था का सम्मान, लेकिन गलत बातों पर सवाल जरूरी

धार्मिक ग्रंथों ने हजारों वर्षों से समाज को नैतिक मूल्यों, कर्तव्य, करुणा, संयम, सत्य और परोपकार का संदेश दिया है। यही कारण है कि करोड़ों लोग धार्मिक पुस्तकों को श्रद्धा के साथ पढ़ते और अपने जीवन में उनसे प्रेरणा लेते हैं। लेकिन श्रद्धा का अर्थ यह नहीं हो सकता कि किसी भी पुस्तक में लिखी प्रत्येक बात को बिना प्रश्न किए, बिना संदर्भ समझे और बिना तर्क की कसौटी पर परखे स्वीकार कर लिया जाए। आज सबसे जरूरी प्रश्न यही है कि क्या धार्मिक पुस्तकों में लिखी हर बात को अक्षरशः सत्य मानना चाहिए? यदि किसी कथन में ऐतिहासिक परिस्थिति की छाप है, यदि वह किसी विशेष सामाजिक व्यवस्था को प्रतिबिंबित करता है, यदि उसका अर्थ आज के संदर्भ में अलग हो गया है या यदि किसी कथन की व्याख्या मनुष्य के बीच भेदभाव को बढ़ावा देती है, तो उस पर सवाल उठाना क्या धर्म-विरोध है? निश्चित रूप से नहीं। सवाल करना ज्ञान की पहली सीढ़ी है और स्वस्थ समाज की पहचान भी। धर्म और आलोचनात्मक चिंतन को एक-दूसरे का विरोधी मानना एक बड़ी भूल है। आस्था व्यक्ति का निजी विश्वास हो सकती है, लेकिन जब किसी धार्मिक विचार की व्याख्या सार्वजनिक जीवन, कानून, शिक्षा, सामाजिक संबंधों या नागरिक अधिकारों को प्रभावित करने लगे, तब उस विचार पर सार्वजनिक विमर्श स्वाभाविक और आवश्यक हो जाता है।

डॉ. सत्यवान सौरभ
लेखक

धर्म मनुष्य के जीवन में केवल पूजा-पद्धति या कर्मकांड का विषय नहीं है। वह उसकी आस्था, संस्कृति, नैतिकता, परंपरा और जीवन-दृष्टि से जुड़ा हुआ विषय है। धार्मिक ग्रंथों ने हजारों वर्षों से समाज को नैतिक मूल्यों, कर्तव्य, करुणा, संयम, सत्य और परोपकार का संदेश दिया है। यही कारण है कि करोड़ों लोग धार्मिक पुस्तकों को श्रद्धा के साथ पढ़ते और अपने जीवन में उनसे प्रेरणा लेते हैं। लेकिन श्रद्धा का अर्थ यह नहीं हो सकता कि किसी भी पुस्तक में लिखी प्रत्येक बात को बिना प्रश्न किए, बिना संदर्भ समझे और बिना तर्क की कसौटी पर परखे स्वीकार कर लिया जाए। आज सबसे जरूरी प्रश्न यही है कि क्या धार्मिक पुस्तकों में लिखी हर बात को अक्षरशः सत्य मानना चाहिए? यदि किसी कथन में ऐतिहासिक परिस्थिति की छाप है, यदि वह किसी विशेष सामाजिक व्यवस्था को प्रतिबिंबित करता है, यदि उसका अर्थ आज के संदर्भ में अलग हो गया है या यदि किसी कथन की व्याख्या मनुष्य के बीच भेदभाव को बढ़ावा देती है, तो उस पर सवाल उठाना क्या धर्म-विरोध है? निश्चित रूप से नहीं। सवाल करना ज्ञान की पहली सीढ़ी है और स्वस्थ समाज की पहचान भी। धर्म और आलोचनात्मक चिंतन को एक-दूसरे का विरोधी मानना एक बड़ी भूल है। आस्था व्यक्ति का निजी विश्वास हो सकती है, लेकिन जब किसी धार्मिक विचार की व्याख्या सार्वजनिक जीवन, कानून, शिक्षा, सामाजिक संबंधों या नागरिक अधिकारों को प्रभावित करने लगे, तब उस विचार पर सार्वजनिक विमर्श स्वाभाविक और आवश्यक हो जाता है। लोकतंत्र में किसी विचार को केवल इसलिए आलोचना से मुक्त नहीं किया जा सकता कि वह धार्मिक संदर्भ से आया है। यहाँ एक महत्वपूर्ण अंतर समझना होगा—धर्म की आलोचना और धार्मिक व्यक्ति का अपमान अलग-अलग बातें हैं। किसी धार्मिक पुस्तक के किसी कथन, उसकी व्याख्या या उसके सामाजिक प्रभाव पर प्रश्न उठाना किसी धर्मावलंबी के सम्मान को ठेस पहुँचाने के उद्देश्य से नहीं होना चाहिए। आलोचना विचार की होनी चाहिए, व्यक्ति की नहीं। तर्क का जवाब तर्क से दिया जाना चाहिए, भावनात्मक आक्रोश से नहीं। हमारे समाज में अक्सर यह प्रवृत्ति दिखाई देती है कि जब किसी धार्मिक ग्रंथ की किसी बात पर प्रश्न उठता है तो चर्चा का केंद्र उस प्रश्न का उत्तर देने के बजाय प्रश्न पूछने वाले की नीयत बन जाती है। उसे धर्म-विरोधी, परंपरा-विरोधी या समाज-विरोधी कह दिया जाता है। इससे संवाद बंद होता है और कट्टरता बढ़ती है। यदि किसी प्रश्न का उत्तर उपलब्ध है तो उसे शांतिपूर्वक सामने रखा जाना चाहिए। यदि किसी कथन की अलग-अलग व्याख्याएँ हैं तो उन पर चर्चा होनी चाहिए। और यदि कोई बात ऐतिहासिक संदर्भ में थी, तो उसके संदर्भ को समझाया जाना चाहिए। धार्मिक ग्रंथों को उनके समय और परिस्थितियों से काटकर पढ़ना भी समस्या पैदा कर सकता है। हजारों वर्ष पहले का समाज आज के समाज जैसा नहीं था। उस समय की सामाजिक संरचना, शासन व्यवस्था, शिक्षा, विज्ञान, परिवार व्यवस्था और आर्थिक परिस्थितियाँ अलग थीं। इसलिए किसी प्राचीन कथन का अर्थ समझने के लिए उसके मूल संदर्भ, भाषा, प्रतीकों और तत्कालीन सामाजिक परिस्थितियों को समझना आवश्यक है। आधुनिक समय में उसी कथन की शाब्दिक व्याख्या करने से कई बार ऐसी धारणाएँ पैदा हो सकती हैं जो मूल संदर्भ से बिल्कुल अलग हों। इसीलिए धार्मिक पुस्तकों का अध्ययन केवल श्रद्धा से नहीं, बल्कि ज्ञान, इतिहास, भाषा और दर्शन की दृष्टि से भी होना चाहिए। श्रद्धा मनुष्य को प्रेरणा देती है, जबकि विवेक उसे सही अर्थ समझने में सहायता करता है। दोनों का संतुलन समाज को अधिक परिपक्व बनाता है। सबसे संवेदनशील विषय तब सामने आता है जब किसी धार्मिक कथन की व्याख्या के आधार पर स्त्री-पुरुष असमानता, जातिगत भेदभाव, अस्पृश्यता, हिंसा, सामाजिक बहिष्कार या किसी वर्ग के प्रति घृणा को उचित ठहराने का प्रयास किया जाता है। आधुनिक लोकतांत्रिक समाज की बुनियाद समानता, स्वतंत्रता, गरिमा और न्याय पर है। इसलिए कोई भी व्याख्या यदि मनुष्य की गरिमा को कम करती है तो उस पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। यहाँ संविधान की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में अलग-अलग धर्म, संप्रदाय, भाषाएँ और परंपराएँ साथ-साथ रहती हैं। हमारा सामाजिक जीवन किसी एक धार्मिक ग्रंथ के आधार पर नहीं, बल्कि संविधान द्वारा निर्धारित नागरिक अधिकारों और कर्तव्यों के आधार पर संचालित होता है। प्रत्येक नागरिक को अपनी धार्मिक आस्था का अधिकार है, लेकिन साथ ही दूसरे व्यक्ति की स्वतंत्रता और समानता का सम्मान करना भी आवश्यक है। इसलिए धार्मिक स्वतंत्रता और आलोचनात्मक चिंतन के बीच संतुलन बनाना जरूरी है। किसी को अपनी आस्था रखने से रोका नहीं जाना चाहिए और किसी को अपनी आस्था के नाम पर दूसरे के अधिकारों का उल्लंघन करने की अनुमति भी नहीं दी जा सकती। एक और चुनौती है—धार्मिक ग्रंथों की मनमानी व्याख्या। कई बार मूल पुस्तक से अधिक प्रभाव उसकी व्याख्या करने वालों का होता है। एक ही कथन की अलग-अलग विद्वान अलग व्याख्या करते हैं। कोई उसे प्रतीकात्मक मानता है, कोई ऐतिहासिक, कोई आध्यात्मिक और कोई शाब्दिक। ऐसे में यह कहना कि केवल एक व्याख्या ही अंतिम सत्य है, बौद्धिक रूप से उचित नहीं कहा जा सकता। समाज में धार्मिक शिक्षा का उद्देश्य भी केवल यह नहीं होना चाहिए कि व्यक्ति क्या माने, बल्कि यह भी होना चाहिए कि वह क्यों माने। यदि बच्चे प्रश्न पूछेंगे तो उनकी आस्था समाप्त नहीं होगी; बल्कि संभव है कि उनकी समझ अधिक गहरी हो जाए। जिस विश्वास को प्रश्नों से डर लगता है, वह विश्वास कमजोर हो सकता है; लेकिन जो विश्वास प्रश्नों का सामना कर सकता है, वह अधिक परिपक्व और मजबूत बनता है। आज डिजिटल युग में यह विषय और भी महत्वपूर्ण हो गया है।

डीआईपी पर मोबाइल ग्राहकों का रहेगा पूरा डाटा - नए सिम के नियम होंगे और सख्त

नए सिम कार्ड जारी करने की प्रक्रिया में अब डिजिटल स्तर पर ग्राहक के मोबाइल कनेक्शनों की व्यापक जांच की जाएगी। इसके लिए दूरसंचार कंपनियों की ओर से उपलब्ध कराया जाने वाला ग्राहक संबंधी डाटा डीआईपी पर एकत्र किया जाएगा। नई व्यवस्था के तहत यह पता लगाया जा सकेगा कि किसी व्यक्ति के नाम पर अलग-अलग टेलीकॉम कंपनियों और विभिन्न सर्विस एरिया में कुल कितने मोबाइल कनेक्शन सक्रिय हैं। इसका सबसे बड़ा उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि निर्धारित अधिकतम सीमा से अधिक मोबाइल कनेक्शन किसी एक व्यक्ति के नाम पर न चले और सीमा पूरी होने के बाद उसके नाम पर नया सिम जारी न किया जाए। नई व्यवस्था में एक महत्वपूर्ण कदम ग्राहकों की फोटो से जुड़ा है। 23 अगस्त से डीआईपी पर उन ग्राहकों की तस्वीरें उपलब्ध कराई जाएंगी, जिनके नाम पर मोबाइल कनेक्शन की निर्धारित अधिकतम सीमा पूरी हो चुकी है। टेलीकॉम कंपनियों को ऐसी तस्वीरों को प्रतिदिन डाउनलोड करना होगा। नया मोबाइल कनेक्शन जारी करते समय कंपनी को इन तस्वीरों और उपलब्ध डाटा की जांच करनी होगी। यदि जांच में पता चलता है कि संबंधित व्यक्ति पहले ही निर्धारित सीमा तक मोबाइल कनेक्शन ले चुका है, तो उसके नाम पर नया कनेक्शन जारी नहीं किया जा सकेगा।

जितेन्द्र कुमार सिन्हा
(लेखक)

देश में मोबाइल कनेक्शन के बढ़ते इस्तेमाल के साथ फर्जी सिम, एक व्यक्ति के नाम पर बड़ी संख्या में मोबाइल कनेक्शन और उनके संभावित दुरुपयोग को रोकने के लिए दूरसंचार व्यवस्था को और सख्त किया जा रहा है। नए सिम कार्ड जारी करने की प्रक्रिया में अब डिजिटल स्तर पर ग्राहक के मोबाइल कनेक्शनों की व्यापक जांच की जाएगी। इसके लिए दूरसंचार कंपनियों की ओर से उपलब्ध कराया जाने वाला ग्राहक संबंधी डाटा डीआईपी पर एकत्र किया जाएगा। नई व्यवस्था के तहत यह पता लगाया जा सकेगा कि किसी व्यक्ति के नाम पर अलग-अलग टेलीकॉम कंपनियों और विभिन्न सर्विस एरिया में कुल कितने मोबाइल कनेक्शन सक्रिय हैं। इसका सबसे बड़ा उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि निर्धारित अधिकतम सीमा से अधिक मोबाइल कनेक्शन किसी एक व्यक्ति के नाम पर न चले और सीमा पूरी होने के बाद उसके नाम पर नया सिम जारी न किया जाए। नई व्यवस्था में एक महत्वपूर्ण कदम ग्राहकों की फोटो से जुड़ा है। 23 अगस्त से डीआईपी पर उन ग्राहकों की तस्वीरें उपलब्ध कराई जाएंगी, जिनके नाम पर मोबाइल कनेक्शन की निर्धारित अधिकतम सीमा पूरी हो चुकी है। टेलीकॉम कंपनियों को ऐसी तस्वीरों को प्रतिदिन डाउनलोड करना होगा। नया मोबाइल कनेक्शन जारी करते समय कंपनी को इन तस्वीरों और उपलब्ध डाटा की जांच करनी होगी। यदि जांच में पता चलता है कि संबंधित व्यक्ति पहले ही निर्धारित सीमा तक मोबाइल कनेक्शन ले चुका है, तो उसके नाम पर नया कनेक्शन जारी नहीं किया जा सकेगा। इस व्यवस्था से ग्राहक की पहचान और उसके नाम पर चल रहे मोबाइल नंबरों के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करने की कोशिश की जा रही है। अब तक किसी व्यक्ति के मोबाइल कनेक्शन अलग-अलग टेलीकॉम कंपनियों में बंटे होने के कारण पूरी तस्वीर सामने आना चुनौतीपूर्ण हो सकता था। कोई ग्राहक एक कंपनी का सिम इस्तेमाल कर रहा है, जबकि उसके नाम पर दूसरी कंपनी के कई और नंबर सक्रिय हो सकते हैं। नई व्यवस्था में डीआईपी पर एक ग्राहक के नाम से लिए गए अलग-अलग कंपनियों के कनेक्शनों को समूहित किया जाएगा। यानि किसी व्यक्ति ने देश के अलग-अलग हिस्सों में या अलग-अलग टेलीकॉम कंपनियों से कितने मोबाइल कनेक्शन लिए हैं, इसकी समेकित जानकारी उपलब्ध हो सकेगी। यह व्यवस्था विशेष रूप से उन मामलों में उपयोगी होगी, जहां एक ही पहचान का इस्तेमाल करके बड़ी संख्या में सिम कार्ड लिए जाते हैं। नई व्यवस्था का दायरा केवल नया सिम लेने वाले ग्राहकों तक सीमित नहीं रहेगा। यदि किसी ग्राहक के नाम पर निर्धारित सीमा से अधिक मोबाइल कनेक्शन सक्रिय पाए जाते हैं, तो ऐसे कनेक्शनों पर भी कार्रवाई की जाएगी। रियल टाइम जांच प्रक्रिया पूरी तरह लागू होने तक निर्धारित सीमा से ज्यादा सक्रिय मोबाइल कनेक्शनों को निलंबित करना होगा। निलंबन तब तक जारी रहेगा, जब तक ग्राहक के नाम पर सीमा से अधिक कनेक्शनों को बंद नहीं कर दिया जाता। इसका मतलब यह है कि मोबाइल कनेक्शन की संख्या पर नियंत्रण केवल नया नंबर जारी करते समय ही नहीं, बल्कि पहले से मौजूद कनेक्शनों के मामले में भी लागू होगा। व्यवस्था को चरणबद्ध तरीके से लागू करने की योजना है। शुरूआती चरण में मोबाइल कंपनियों को ग्राहक द्वारा सिम लेने के अगले दिन सत्यापन की सुविधा दी जा सकती है। यानि ग्राहक द्वारा नया सिम लेने के बाद उसके डाटा का सत्यापन किया जाएगा। इसके बाद व्यवस्था को और अधिक मजबूत करते हुए रियल टाइम जांच लागू की जाएगी। तब नया मोबाइल कनेक्शन बुक करने और उसे सक्रिय करने के समय ही यह जांच की जाएगी कि ग्राहक के नाम पर पहले से कितने मोबाइल कनेक्शन मौजूद हैं। 30 नवंबर तक रियल टाइम जांच की व्यवस्था लागू करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके बाद नया सिम जारी करने की प्रक्रिया पहले की तुलना में काफी अधिक स्वचालित और जांच आधारित हो जाएगी। नई व्यवस्था में केवल ग्राहकों की जिम्मेदारी नहीं होगी, बल्कि दूरसंचार कंपनियों की जवाबदेही भी निर्धारित की जाएगी। कंपनियों को ग्राहक से प्राप्त आवश्यक डाटा अनिवार्य रूप से डीआईपी को उपलब्ध कराना होगा। इस डाटा के आधार पर एक व्यक्ति के नाम पर विभिन्न कंपनियों में मौजूद मोबाइल कनेक्शनों की जानकारी को एक साथ जोड़ा जा सकेगा। इससे सिम जारी करने वाली कंपनियों के पास ग्राहक की समग्र स्थिति जांचने का बेहतर माध्यम उपलब्ध होगा। यदि कोई ग्राहक पहले ही निर्धारित सीमा तक कनेक्शन ले चुका है, तो दूसरी कंपनी भी केवल इसलिए नया सिम जारी नहीं कर सकेगी कि उसके पास उस ग्राहक के अन्य कनेक्शनों की जानकारी नहीं है। मोबाइल सिम कार्ड आज केवल बातचीत का माध्यम नहीं रह गया है। बैंकिंग, डिजिटल भुगतान, सरकारी सेवाओं, सोशल मीडिया, ई-कॉमर्स और अनेक ऑनलाइन सेवाओं में मोबाइल नंबर महत्वपूर्ण पहचान माध्यम बन चुका है। ऐसे में किसी व्यक्ति के नाम पर बड़ी संख्या में सिम जारी होना सुरक्षा की दृष्टि से भी चिंता का विषय बन सकता है। फर्जी पहचान, गलत दस्तावेज या किसी अन्य व्यक्ति की पहचान का दुरुपयोग करके हासिल किए गए सिम का इस्तेमाल विभिन्न गैरकानूनी गतिविधियों में किए जाने की आशंका रहती है। इसलिए यह जरूरी है कि सिम जारी करने की प्रक्रिया में ग्राहक की पहचान के साथ-साथ उसके नाम पर पहले से मौजूद मोबाइल कनेक्शनों

भारत की चुनावी व्यवस्था की अमेरिकी तारीफ से उठे सवाल ट्रम्प ने दिखाई दुनिया को वोटर आईडी की ताकत

कांतिलाल मांडोत

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का भारत की चुनावी व्यवस्था और मतदाता पहचान पत्र की व्यवस्था की सार्वजनिक सराहना करना केवल दो देशों की चुनावी प्रणालियों की तुलना भर नहीं है, बल्कि यह भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए एक महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय स्वीकार्यता भी है। भारत और अमेरिका के बीच पिछले कुछ समय से व्यापार, टैरिफ और अन्य मुद्दों को लेकर मतभेद सामने आते रहे हैं। ऐसे माहौल में ट्रम्प का भारत की वोटर आईडी व्यवस्था का उदाहरण देकर अमेरिका में भी चुनावी पहचान को अधिक सख्त बनाने की वकालत करना अपने आप में महत्वपूर्ण राजनीतिक संदेश है।

ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया मंच पर भारत की चुनाव प्रक्रिया का उल्लेख करते हुए सवाल उठाया कि जब भारत में मतदाताओं की पहचान के लिए फोटो पहचान पत्र की व्यवस्था है तो अमेरिका में वैध फोटो आईडी के बिना मतदान की अनुमति क्यों होनी चाहिए। उन्होंने अमेरिकी संसद से ह्यसेव अमेरिका एक्टह्न को पारित करने की अपील करते हुए कहा कि अमेरिकी चुनाव में केवल अमेरिकी नागरिकों को ही मतदान का अधिकार मिलना चाहिए। उनके इस बयान ने एक बार फिर अमेरिका की चुनावी व्यवस्था में मतदाता पहचान और नागरिकता के मुद्दे को राजनीतिक बहस के केंद्र में ला दिया है। भारत में मतदाता पहचान पत्र की व्यवस्था कोई अचानक बनाई गई व्यवस्था नहीं है। देश में मतदाताओं की पहचान सुनिश्चित करने के लिए फोटो पहचान पत्र की शुरूआत कई चरणों में हुई और बाद में इसे पूरे देश में लागू किया गया। 1990 के दशक में चुनाव आयोग ने मतदाताओं को फोटो पहचान पत्र उपलब्ध कराने की दिशा में तेजी से काम किया। 1994 से देशभर में इलेक्ट्रोरल फोटो आइडेंटिटी कार्ड यानी ईपीआईसी की व्यवस्था शुरू हुई और बाद में यह व्यवस्था देश के अधिकांश मतदाताओं तक पहुंची। डिजिटल तकनीक के विस्तार के साथ ई-ईपीआईसी की सुविधा भी शुरू की गई। भारत जैसे विशाल और विविधता वाले देश में चुनाव कराना किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं है। करोड़ों मतदाता, अलग-अलग भाषाएं, भौगोलिक परिस्थितियां और दूरदराज के क्षेत्रों में मतदान केंद्रों तक पहुंच सुनिश्चित करना भारतीय चुनाव व्यवस्था को दुनिया की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक चुनावी प्रक्रियाओं में शामिल करता है। इसके बावजूद चुनाव आयोग लगातार मतदाता सूची, पहचान, मतदान केंद्र और चुनावी प्रक्रिया को व्यवस्थित करने की कोशिश करता रहा है। भारत में मतदान के लिए मतदाता पहचान पत्र महत्वपूर्ण दस्तावेज है, हालांकि चुनाव आयोग की निर्धारित व्यवस्था के तहत अन्य स्वीकृत पहचान दस्तावेजों का भी इस्तेमाल किया जा सकता है। इसका उद्देश्य केवल यह सुनिश्चित करना है कि मतदान करने वाला व्यक्ति वही है, जिसका नाम मतदाता सूची में दर्ज है। पहचान की यह व्यवस्था चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता और मतदाता की वास्तविक पहचान सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यही वह पहलू है जिसकी ओर ट्रम्प ने अमेरिका के संदर्भ में ध्यान दिलाया है। अमेरिका में चुनाव व्यवस्था भारत से काफी अलग है। वहां चुनाव कराने में राज्यों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है और मतदाता पहचान से जुड़े नियम भी राज्य के अनुसार अलग-अलग हो सकते हैं। कुछ राज्यों में फोटो पहचान पत्र की आवश्यकता अधिक सख्त है, जबकि कुछ राज्यों में पहचान के लिए दूसरे तरीके अपनाए जाते हैं। इसी अंतर को लेकर अमेरिका में वर्षों से राजनीतिक बहस चल रही है। ट्रम्प जिस सेव अमेरिका एक्ट की वकालत कर रहे हैं, उसका उद्देश्य अमेरिकी संघीय चुनावों में मतदाता पंजीकरण और मतदान से जुड़े नियमों को सख्त करना है। प्रस्तावित व्यवस्था के तहत मतदाता पंजीकरण के समय अमेरिकी नागरिकता का दस्तावेजी प्रमाण देने और मतदान के समय फोटो पहचान पत्र दिखाने जैसी शर्तों को मजबूत करने की बात कही गई है। डाक मतपत्रों से जुड़े नियमों को भी अधिक कड़ा करने का प्रस्ताव है। हालांकि यह अभी कानून नहीं बना है और इसे लेकर अमेरिकी राजनीति में गहरा मतभेद है। रिपब्लिकन नेताओं और ट्रम्प समर्थकों का तर्क है कि चुनाव में मतदाता की पहचान और नागरिकता की जांच मजबूत होने से चुनावी प्रक्रिया पर विश्वास बढ़ेगा। उनका मानना है कि मतदान का अधिकार केवल पात्र नागरिकों तक सीमित रहना चाहिए और इसके लिए स्पष्ट पहचान व्यवस्था जरूरी है। दूसरी ओर डेमोक्रेट और इस कानून के विरोधी पक्ष का तर्क है कि अमेरिका में गैर-अमेरिकी नागरिकों का मतदान पहले से ही प्रतिबंधित है।

संक्षिप्त खबरें

वाहन पलटने से आधा दर्जन महिलाएं हुई घायल

छपरा कार्यालय। छपरा शहर के मुफस्सिल थाना अंतर्गत यमुना मुसेहरी गांव के समीप अनियंत्रित होकर एक टोटो सड़क किनारे पलट गई. जिसके कारण उसमें सवार आधा दर्जन महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गई. वहीं चालक भी घायल हुआ है. सभी घायल जिले के मढ़ौरा थाना क्षेत्र के ओल्हनपुर गांव निवासी बताए गए हैं. जिनमें स्थानीय थाना क्षेत्र के ओल्हनपुर गांव निवासी मुकेश साह की 30 वर्षीय पत्नी रिंकू देवी नागेंद्र राय की 30 वर्षीय पत्नी गायत्री देवी व 13 वर्षीय पुत्री स्नेहा कुमारी, जगलाल राय की 30 वर्षीय पत्नी मीना देवी, और जय पूजन राय का 45 वर्षीय पुत्र राजेश राय एवं देवपूजन राय की 50 वर्षीय पत्नी उर्मिला देवी शामिल है. बताया जाता कि सभी महिलाएं राजेश राय का टोटो रिजर्व कर मढ़ौरा से मुफस्सिल थाना अंतर्गत नैनी गांव पूजा करने के लिए आई थी. पूजा करके लौटने के दौरान टोटो मुफस्सिल थाना अंतर्गत यमुना मुसेहरी गांव के समीप अनियंत्रित होकर पलट गई. जिसके कारण सभी महिलाएं घायल हो गई. जिसके बाद आनन-फानन में पुलिस द्वारा सभी को सदर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार चल रहा है. ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सक डॉक्टर संतोष कुमार के द्वारा बताया गया कि वे फिलहाल सभी की स्थिति खतरे से बाहर है।

अधिकारियों को सफल आयोजन की जिम्मेदारी

शिविरों के सफल आयोजन और प्रभावी अनुश्रवण के लिए जिला स्तर पर संबंधित पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। अनुमंडल पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी तथा अन्य तकनीकी पदाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में आयोजित शिविरों में संबंधित विभागीय पदाधिकारी एवं अभियंताओं की उपस्थिति सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया गया है। विद्यार्थियों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए संबंधित अनुमंडल पदाधिकारी एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी को प्रत्येक शिविर में विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया है। जिला प्रशासन ने विद्यार्थियों से अपील की है कि वे निर्धारित तिथि को अपने संस्थान में आयोजित विद्यार्थी सहयोग शिविर में उपस्थित होकर अपनी समस्याएं एवं शिकायतें दर्ज कराएं। प्रशासन ने विद्यार्थियों से इस पहल का अधिकतम लाभ उठाने और अपनी समस्याओं के समाधान के लिए शिविर में सक्रिय रूप से भाग लेने की अपील की है।

स्वर्गीय उमाशंकर सिंह को जदयू नेताओं ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

छपरा। रसड़ा (उत्तर प्रदेश) विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक रहे स्वर्गीय उमाशंकर सिंह के निधन से राजनीतिक एवं सामाजिक जगत में शोक की लहर है। उनके निधन पर जदयू नेताओं ने उनके आवास पर पहुंचकर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। जदयू नेता अजय सिंह, सारण जिला जदयू के जिला प्रवक्ता ब्रजेश कुमार, अभिषेक राज सिंह, अंकित सिंह, जटाशंकर सिंह एवं विकास कुमार शाही ने स्वर्गीय उमाशंकर सिंह के तैल चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस दौरान नेताओं ने उनके पुत्र प्रिंस युकेश, छात्र शक्ति इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के प्रबंध निदेशक रमेश सिंह सहित परिवार के अन्य सदस्यों के साथ बैठकर अपनी संवेदनाएं साझा कीं और उन्हें इस कठिन समय में ढांढस बंधाया। जदयू नेताओं ने कहा कि स्वर्गीय उमाशंकर सिंह ने अपने राजनीतिक एवं सामाजिक जीवन में जनता से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया और क्षेत्र के लोगों के बीच अपनी अलग पहचान बनाई। उनके निधन से राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र को अपूरणीय क्षति हुई है, जिसकी भरपाई निकट भविष्य में संभव नहीं है।

श्रीराम फार्म सोल्यूशन्स ने चार नए कृषि उत्पाद किए लॉन्च

मोतिहारी । श्रीराम फार्म सोल्यूशन्स ने फसल सुरक्षा, हाइब्रिड सीड और वैजीटेबल सीड सेगमेंट में चार नए उत्पाद लॉन्च किए। इनमें श्रीराम सेनकुशा, श्रीराम एडेलॉन, रबी मक्का हाइब्रिड श्रीराम 9662 और करेले का हाइब्रिड बीज श्रीराम साम्भा शामिल हैं। श्रीराम सेनकुशा उच्च-मूल्य वाली कृषि एवं बागवानी फसलों को लेपिडोप्टेरन कीटों एवं थ्रिप्स से सुरक्षा प्रदान करता है। श्रीराम एडेलॉन मक्का की फसल में खरपतवार नियंत्रण के लिए तैयार किया गया है। श्रीराम 9662 जल्दी बुवाई के समय शानदार परिणाम देता है, जबकि श्रीराम साम्भा में वायरल बीमारियों और डाउनी मिल्ड्यू के लिए बेहतर सहनशीलता है। श्रीराम फार्म सोल्यूशन्स के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर और बिजनेस हेड संजय छाबड़ा ने कहा, हम आधुनिक बीजों, फसल सुरक्षा और पोषण समाधानों को सीधे किसानों की पहुंच में लेकर आए हैं, इससे वे न सिर्फ.बेहतर फसलें उगा सकेंगे बल्कि अपने भविष्य को भी सशक्त बना सकेंगे।

शहीद नवीन सिंह की अंतिम यात्रा में उमड़ा जनसैलाब, राकेश सिंह ने पुष्पहार चढ़ाकर दी श्रद्धांजलि

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा:-जम्मू-कश्मीर में सीमा पर तैनात सोनपुर प्रखंड के दरियापुर शिकारपुर निवासी स्वर्गीय शिवजी सिंह के पुत्र नवीन कुमार सिंह के पार्थिव शरीर के अंतिम दर्शन और अंतिम यात्रा में हजारों की संख्या में लोग उमड़ पड़े। सोनपुर बाईपास पर जैसे ही नवीन सिंह का पार्थिव शरीर पहुंचा, पूरा इलाका गमगीन हो गया। युवाओं, बुजुर्गों और महिलाओं समेत बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने अपने वीर सपूत को अंतिम विदाई दी और पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। अंतिम यात्रा के दौरान पूरा क्षेत्र ह्यशहीद नवीन सिंह अमर रहेंह्व और ह्यभारत माता की जयह्व के नारों से गूंज उठा। लोगों ने अपने वीर जवान के अंतिम दर्शन को लेकर भारी उत्साह के साथ गहरा शोक भी दिखाई दिया। रास्ते में जगह-जगह लोगों ने पार्थिव शरीर पर पुष्पवर्षा की और नम आंखों से अंतिम विदाई दी।

सांसद प्रतिनिधि राकेश सिंह ने चढ़ाया पुष्पहार

इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि एवं भाजपा नेता राकेश सिंह ने नवीन कुमार सिंह के पार्थिव शरीर पर बड़ा पुष्पहार अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। उन्होंने वीर जवान को नमन करते हुए कहा कि देश की सेवा में समर्पित जवान का निधन अत्यंत दुखद है। देश की सुरक्षा के लिए उनकी सेवा और समर्पण को हमेशा याद किया जाएगा। सांसद प्रतिनिधि राकेश सिंह ने कहा कि नवीन कुमार सिंह ने अपने कर्तव्य के प्रति समर्पण का परिचय दिया। उनके निधन से परिवार के साथ-साथ पूरे क्षेत्र ने अपना एक वीर सपूत खो दिया है। उन्होंने शोकाकुल परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए दिवंगत जवान की आत्मा की शांति की कामना की।

सेना के जवानों ने दिया अंतिम सलाम

नवीन कुमार सिंह की अंतिम यात्रा में सेना के जवानों और अधिकारियों की विशेष मौजूदगी रही। सेना के जवानों ने पूरे सैन्य सम्मान के साथ उन्हें अंतिम सलामी दी। सैन्य वर्दी में जवानों को अंतिम सलामी देते देख वहां मौजूद लोगों की आंखें नम हो गईं। बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने सेना के जवानों के साथ भारत माता के वीर सपूत को अंतिम नमन किया। अंतिम यात्रा में शामिल लोगों का कहना था कि नवीन सिंह के प्रति क्षेत्रवासियों का सम्मान और प्रेम उनकी अंतिम यात्रा में उमड़ी भीड़ से स्पष्ट दिखाई दिया। हजारों लोगों की मौजूदगी ने उनके प्रति लोगों की श्रद्धा और सम्मान को जाहिर किया।

जम्मू-कश्मीर में सीमा पर थे तैनात

परिजनों के अनुसार नवीन कुमार सिंह जम्मू-कश्मीर में सीमा पर तैनात थे। ड्यूटी के दौरान अचानक उनकी तबीयत खराब हो गई। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए उन्हें दिल्ली रेफर कर दिया। दिल्ली में कई दिनों तक उनका इलाज चला, लेकिन आखिरकार इलाज के दौरान उनका निधन हो गया।नवीन सिंह के निधन की खबर मिलते ही उनके पैतृक गांव में मातम पसर गया। परिवार के सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है। पत्नी नीतू देवी, पुत्र तरुण कुमार, पुत्री तानाया कुमारी और मां शीला देवी सहित अन्य परिजन गहरे सदमे में हैं। नवीन कुमार सिंह तीन भाइयों में सबसे छोटे थे। उनके भाई धर्मेंद्र सिंह पूर्व पंचायत समिति सदस्य रह चुके हैं। उनके एक अन्य भाई नागमणि सिंह हैं। परिजनों के अनुसार परिवार की कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां नवीन सिंह के कंधों पर थीं। उनके असमय निधन से परिवार के सामने भावनात्मक संकट के साथ कई जिम्मेदारियां भी आ गई हैं।

अंतिम यात्रा में जनप्रतिनिधि और अधिकारी रहे मौजूद

अंतिम यात्रा में विधायक विनय सिंह, सोनपुर के डीएसपी सुमित सौर्य, एसडीओ, इंस्पेक्टर दिलीप कुमार, मुखिया प्रतिनिधि विक्रम सिंह, अंचल अधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, समाजसेवी संजीत सिंह, इंस्पेक्टर धीरज सिंह, डॉ. शशिभूषण सिंह, संजीव कुमार, पंकज सिंह, अरविंद सिंह, जितेंद्र गिरी, मंडल अध्यक्ष मोनू सिंह सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता, ग्रामीण और सेना के वरीय अधिकारी व जवान मौजूद रहे इस दौरान लोगों ने नवीन कुमार सिंह के पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और उनके परिजनों को ढांढस बंधाया। अंतिम यात्रा में उमड़ी भीड़ के कारण पूरा क्षेत्र शोक में डूबा रहा।

सांसद राजीव प्रताप रूडी ने परिजनों से की बात

नवीन कुमार सिंह के निधन की जानकारी मिलने पर सांसद राजीव प्रताप रूडी ने भी दूरभाष के माध्यम से शोकाकुल परिजनों से बातचीत की और उन्हें सांत्वना दी। सांसद ने परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि यह घटना अत्यंत दुखद है और वे जल्द ही गांव पहुंचकर परिजनों से मुलाकात करेंगे। नवीन सिंह की अंतिम यात्रा में उमड़ा जनसैलाब उनके प्रति लोगों के सम्मान और भावनात्मक जुड़ाव का गवाह बना। नम आंखों से लोगों ने अपने वीर जवान को अंतिम विदाई दी। अंतिम यात्रा के दौरान देर तक ह्यशहीद नवीन सिंह अमर रहेंह्व के नारे गूंजते रहे।

लोक शिकायत के 14 मामलों की सुनवाई पांच मामलों में अंतिम आदेश

●लोक शिकायतों का ससमय एवं गुणवत्तापूर्ण निवारण प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता : जिला पदाधिकारी

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा। बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम, 2015 के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सजग एवं सक्रिय है। इसी क्रम में जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव ने शुक्रवार को अपने कार्यालय कक्ष में अधिनियम के तहत द्वितीय अपील से संबंधित मामलों की सुनवाई की। जिला पदाधिकारी ने लोक शिकायत के कुल 14 मामलों की सुनवाई करते हुए संबंधित पक्षों की बात सुनी तथा उपलब्ध अभिलेखों एवं प्रतिवेदनों के आधार पर मामलों के निस्तारण की कार्रवाई की। सुनवाई के दौरान 05 मामलों में अंतिम रूप से आदेश पारित किया गया। वहीं, शेष 09 मामलों में संबंधित लोक प्राधिकारियों को पूर्ण प्रतिवेदन के साथ अगली निर्धारित तिथि पर उपस्थित होने का निर्देश दिया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव ने कहा कि आम लोगों की शिकायतों का ससमय, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निवारण प्रशासन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। लोक प्राधिकारों को शिकायतों के निस्तारण में पूरी तत्परता और संवेदनशीलता के साथ कार्य करना चाहिए, ताकि आम नागरिकों को अपने अधिकारों एवं समस्याओं के समाधान के लिए अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने स्पष्ट कहा कि बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम, 2015 का सफल क्रियान्वयन प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी संबंधित पदाधिकारी एवं लोक प्राधिकार इसके प्रति सजग, संवेदनशील और सक्रिय रहें तथा निर्धारित समय-सीमा के भीतर मामलों का गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित करें। जिला प्रशासन द्वारा लोक शिकायतों की नियमित सुनवाई एवं प्रभावी निवारण से आम नागरिकों को प्रशासनिक व्यवस्था में त्वरित एवं पारदर्शी न्याय उपलब्ध कराने की दिशा में लगातार प्रयास किया जा रहा है।

एसडीपीओ ने थाना का किया निरीक्षण

छपरा कार्यालय। सोनपुर के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी ने परसा थाना का निरीक्षण कर लंबित कांडों, अनुसंधान की प्रगति और अपराध नियंत्रण से जुड़े कार्यों की समीक्षा की. निरीक्षण के दौरान पुलिस पदाधिकारियों और कर्मियों को लंबित मामलों का जल्द निष्पादन करने के साथ फरार और वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया गया. थाना क्षेत्र में नियमित गश्ती और विधि-व्यवस्था बनाए रखने पर भी जोर दिया गया.निरीक्षण के दौरान एसडीपीओ ने थाना के विभिन्न अभिलेखों की जांच की. इसके साथ ही लंबित कांडों, अनुसंधान की स्थिति, विधि-व्यवस्था और अपराध नियंत्रण से जुड़े कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई. उन्होंने पुलिस पदाधिकारियों से मामलों की प्रगति की जानकारी ली और जरूरी दिशा-निर्देश दिए.एसडीपीओ ने पुलिस पदाधिकारियों और कर्मियों को लंबित कांडों का शीघ्र निष्पादन करने का निर्देश दिया. उन्होंने अनुसंधान की प्रक्रिया में तेजी लाने और मामलों की जांच को समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ाने पर जोर दिया. पुलिस अधिकारियों को लंबित मामलों की नियमित समीक्षा करने को भी कहा गया.निरीक्षण के दौरान फरार और वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए विशेष कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया. एसडीपीओ ने कहा कि अपराध में शामिल आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमों को सक्रिय रहना चाहिए और उपलब्ध सूचनाओं के आधार पर कार्रवाई तेज करनी चाहिए. पुलिस पदाधिकारियों को निर्देशित करते सोनपुर एसडीपीओ पुलिस पदाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र में लगातार निगरानी रखने और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर बनाए रखने का निर्देश दिया गया. एसडीपीओ ने अपराध की रोकथाम के लिए पुलिस को सक्रिय और सतर्क रहने को कहा.निरीक्षण के दौरान परसा थानाध्यक्ष ओमप्रकाश, अपर थानाध्यक्ष दिलीप कुमार, सिम्पल कुमारी, निरंजन पाल समेत थाना के अन्य पुलिस पदाधिकारी और कर्मी मौजूद रहे।

साहेबगंज-मौना सड़क पर कथित अवैध वसूली को लेकर नगर निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा । छपरा नगर निगम की कार्यप्रणाली को लेकर न्याय फाइटिंग फॉर द पीपल के सह-संस्थापक एवं महासचिव तथा पूर्व विधानसभा प्रत्याशी मो. सुल्तान हुसैन इदरीसी ने गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने नगर आयुक्त, छपरा को ज्ञापन सौंपकर साहेबगंज-मौना सड़क मार्ग पर स्ट्रीट वेंडरों से ह्यसरकारी बाजारह्व की निविदा की आड़ में कथित रूप से की जा रही वसूली पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है। मो. इदरीसी का कहना है कि संबंधित सड़क मार्ग उक्त निविदा के दायरे में आता है या नहीं, यह स्पष्ट किए बिना वेंडरों से कथित तौर पर जबरन राशि वसूली जा रही है। उन्होंने पूरे निविदा एवं अनुबंध की उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की है, ताकि वसूली की वैधता स्पष्ट हो सके। ज्ञापन में ह्यसहयोग पोर्टलह्व पर दर्ज शिकायत, संदर्भ संख्या फ्एऱ्703817, के निष्पादन पर भी सवाल उठाया गया है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि बिना धरातलीय जांच किए और शिकायत में उठाए गए प्रमुख बिंदुओं की समुचित पड़ताल किए बिना मामले का निष्पादन कर दिया गया। उन्होंने कहा कि वेंडरों को दुकान हटाने अथवा उजाड़ने की धमकी देकर वसूली किए जाने की शिकायतें सामने आ रही हैं, जिससे उनमें भय का माहौल है और क्षेत्र में विधि-व्यवस्था की समस्या उत्पन्न होने की आशंका है। मो. इदरीसी ने मांग की है कि साहेबगंज-मौना सड़क मार्ग पर हो रही कथित वसूली तत्काल बंद कराई जाए। वसूली स्थल पर सरकार द्वारा निर्धारित दरों का चार्ट सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित किया जाए तथा प्रत्येक रसीद पर वसूली स्थल, दिनांक, मद और राशि का स्पष्ट उल्लेख अनिवार्य किया जाए। साथ ही अब तक की गई वसूली की विस्तृत जांच एवं लेखा-परीक्षण कराने की भी मांग की गई है। उन्होंने बिना समुचित जांच के शिकायत बंद करने वाले संबंधित अधिकारियों तथा जांच में दोषी पाए जाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की मांग की है।

युवा क्रांति रोटी बैंक ने धूमधाम से मनाया सावन महोत्सव

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा (सारण)। युवा क्रांति रोटी बैंक की ओर से अध्यक्ष नीतू गुप्ता एवं उपाध्यक्ष बिंदिया जायसवाल के नेतृत्व में अशोक अलंकार, उर्मिला कॉम्प्लेक्स, छपरा में ह्यसावन आयो रेह्व कार्यक्रम का आयोजन धूमधाम से किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ उर्मिला देवी, पूर्व मेयर राखी गुप्ता, डिप्टी मेयर रागिनी गुप्ता, संरक्षक कुंती देवी, भाजपा उपाध्यक्ष छपरा सुषमा सोनी सहित अन्य महिलाओं ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम में अंजली रंजन, नेहा प्रियदर्शी, प्रियंका प्रकाश, सरिता प्रकाश, पूजा गुप्ता, अर्चना कुमारी, रूबी गुप्ता, रश्मि राज, नीरू जायसवाल, आशा सिंह समेत बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद रहीं। मंच का संचालन एंकर कविता ने किया। सावन के गीत-संगीत और मनोरंजक गतिविधियों के बीच कार्यक्रम में

महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर युवा क्रांति रोटी बैंक की अध्यक्ष नीतू गुप्ता एवं उपाध्यक्ष बिंदिया जायसवाल ने ब्यूटी कॉन्टेस्ट की विजेता विभा गुप्ता, गुड़िया देवी एवं मधु माला गुप्ता को सम्मानित किया। वहीं, अशोक अलंकार परिवार की ओर से कार्यक्रम में शामिल सभी महिलाओं को उपहार देकर सम्मानित किया गया। संस्था के संस्थापक ई. विजय राज ने कहा कि इस सावन के दौरान विभिन्न स्थानों पर सैकड़ों पौधे लगाए जाएंगे। इसका उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना और चारों ओर हरियाली कायम करना है। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक पेड़ लगाए जाने से वर्षा का संतुलन बेहतर होगा और किसानों को भी इसका लाभ मिलेगा, जिससे फसलों के उत्पादन में सहायता मिलेगी। कार्यक्रम के अंत में युवा क्रांति रोटी बैंक की ओर से सभी महिलाओं के प्रति आभार व्यक्त किया गया। संस्था ने कहा कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी महिलाओं ने पूरे उत्साह और खुशी के साथ सावन महोत्सव में भाग लेकर कार्यक्रम को यादगार बना दिया।

विगत 24 घंटे मे 46 अभियुक्त किये गये गिरफ्तार, अवैध शराब भी किये गये जब्त

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा सदर। सारण के वरीय पुलिस अधीक्षक द्वारा दिये गये निर्देश के आलोक में असामाजिक तत्वों, अपराधकर्मियों की गिरफ्तारी एवं शराब के सेवन,बिक्री,भंडारण, निर्माण और परिवहन आदि पर पूर्ण रूप से पाबंदी लगाने तथा देशी शराब भट्ठी ध्वस्त करने हेतु कार्रवाई को दृष्टिगत रखते हुए 20 अगस्त को विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान में कुल-46 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया, जिसमें हत्या के प्रयास में 15, वारंट में 11, शराब कारोबारी में 8, शराब सेवन में 9, लूट में 1,गृहभेदन में 1 और अन्य कांड में 1 अभियुक्त शामिल है।वही अपराध नियंत्रण एवं यातायात सुरक्षा के दृष्टिकोण से कुल 26 वाहनों से 57,500 रूपए जुमार्ना राशि वसूली गई। साथ ही जिला अंतर्गत कुल शराब-200.21 लीटर, मोटरसाईकिल-03 एवं अपहता-2 बरामद बरामद किए गए।

करेले की खेती के लिए श्रीराम साम्भा हाइब्रिड बीज लॉन्च

गोपालगंज। डीसीएम श्रीराम लिमिटेड के प्रभाग श्रीराम फार्म सोल्यूशन्स ने पटना, बिहार में नए दौर के फसल सुरक्षा, हाइब्रिड सीड और वैजीटेबल सीड प्रोडक्ट्स लॉन्च किए। कार्यक्रम में क्षेत्र के प्रमुख चैनल पार्टनर शामिल हुए। वैजीटेबल सीड्स सेगमेंट में कंपनी ने करेले का हाइब्रिड बीज श्रीराम साम्भा लॉन्च किया है। गहरे हरे रंग, 11-14 सेंटीमीटर लंबे और मध्यम आकार के आकर्षक फलों वाला यह हाइब्रिड वायरल बीमारियों व डाउनी मिल्ड्यू के लिए बेहतर सहनशीलता रखता है। किसानों को स्वस्थ फसल और मार्केट में स्वीकार्यता प्रदान करने के लिए इस हाइब्रिड को डिजाइन किया गया है। कंपनी ने इसके साथ श्रीराम सेनकुशा, श्रीराम एडेलॉन और रबी मक्का हाइब्रिड श्रीराम 9662 भी लॉन्च किए हैं। श्रीराम फार्म सोल्यूशन्स के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर और बिजनेस हेड संजय छाबड़ा ने कहा, श्रीराम फार्म सोल्यूशन्स के लिए, इनोवेशन सिर्फ.एक लक्ष्य नहीं बल्कि हर उस किसान से हमारा वादा है जिसे हम अपनी सेवाएं प्रदान करते हैं।

सारण में विद्यार्थियों की समस्याओं के समाधान के लिए लगेगा विद्यार्थी सहयोग शिविर

58 शैक्षणिक संस्थानों में दो चरणों में होगा आयोजन, शिकायतों का अधिकतम 30 दिनों में होगा निस्तारण

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा । विद्यार्थियों की शैक्षणिक एवं अन्य समस्याओं के त्वरित और प्रभावी समाधान के लिए सारण जिले के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में विद्यार्थी सहयोग शिविर का आयोजन किया जाएगा। सामान्य प्रशासन विभाग, बिहार के निर्देश के आलोक में आयोजित होने वाले इन शिविरों के माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी समस्याएं सीधे संबंधित पदाधिकारियों के समक्ष रखने और उनके समाधान की सुविधा मिलेगी। जिला प्रशासन के अनुसार जिले के 58 शैक्षणिक संस्थानों को दो समूहों में विभाजित किया गया है। प्रथम समूह के 30 संस्थानों में 25 अगस्त 2026 तथा द्वितीय समूह के 28 संस्थानों में 22 सितंबर 2026 को विद्यार्थी सहयोग शिविर आयोजित किया जाएगा। निर्धारित तिथि को अवकाश होने की स्थिति में शिविर का आयोजन अगले कार्य दिवस को किया जाएगा। इन शिविरों का आयोजन विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों, अंगीभूत महाविद्यालयों, अभियंत्रण एवं चिकित्सा महाविद्यालयों, पॉलीटेक्निक संस्थानों, आईटीआई, नर्सिंग स्कूल, पिछड़ा एवं अति पिछड़ा वर्ग छात्रावासों, कल्याण विभाग द्वारा संचालित नेत्रहीन एवं मूक-बधिर विद्यालयों, आवासीय विद्यालयों, कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालयों तथा अन्य छात्रावासों में किया जाएगा। शिक्षा से लेकर छात्रावास तक की समस्याओं का होगा समाधान विद्यार्थी सहयोग शिविर में शैक्षणिक सुविधा, छात्रावास, छात्रवृत्ति, प्रमाण-पत्र, संस्थान की आधारभूत संरचना, पेयजल, शौचालय, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, भोजन, सुरक्षा और परिवहन सहित विद्यार्थियों से जुड़ी अन्य समस्याओं एवं शिकायतों को दर्ज किया जाएगा। शिविर में विद्यार्थियों के बैठने के लिए संस्थान के एक हॉल में समुचित व्यवस्था की जाएगी। आवश्यकता के अनुसार इंटरनेट सुविधा से युक्त दो से तीन कियोस्क भी लगाए जाएंगे, जहां कंप्यूटर एवं प्रिंटर की सुविधा उपलब्ध रहेगी। विद्यार्थियों की शिकायतों को निर्धारित पंजी में दर्ज करने के साथ-साथ विद्यार्थी सहयोग शिविर पोर्टल पर भी अपलोड किया जाएगा। संस्थान स्तर पर जिन शिकायतों का समाधान संभव होगा, उनका यथाशीघ्र निस्तारण किया जाएगा। वहीं, अन्य मामलों को निर्धारित प्रक्रिया के तहत छ1, छ2 एवं छ3 स्तर के प्राधिकारियों को भेजकर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। जिला प्रशासन के अनुसार सभी शिकायतों का अधिकतम 30 दिनों के भीतर अंतिम निस्तारण सुनिश्चित करने का प्रावधान है। शिकायतकर्ता विद्यार्थी को भी उसकी शिकायत पर हुई कार्रवाई एवं निष्पादन की स्थिति की जानकारी दी जाएगी।

बिलासपुर में 23 अगस्त को सजेगा राष्ट्र गौरव सम्मान समारोह

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा । समाज कल्याण फेडरेशन ऑफ इंडिया की हिमाचल प्रदेश इकाई की ओर से 23 अगस्त को बिलासपुर में राष्ट्र गौरव सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। इस सम्मान समारोह में सारण जिला के वरीय पत्रकार,कायस्थ परिवार के कार्यकारी अध्यक्ष एवं फेडरेशन के बिहार प्रान्त के अध्यक्ष डॉ. विद्या भूषण श्रीवास्तव शिरकत कर बिहार की भाषा व संस्कृति सहित सामाजिक आयामो पर अपना व्याख्यान भी प्रस्तुत करेंगे ।साथ ही कई महत्वपूर्ण बिदुओं को रेखांकित करेंगे ।इनके अलावा सारण जिला के समाजसेवी,कायस्थ परिवार के मुख्य संयोजक एवं फेडरेशन के दिली प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अभिजीत श्रीवास्तव भी समारोह में बतौर अतिथि भाग लेकर कई बुनियादी सवालो पर अपना व्याख्यान देंगे। भाषा एवं संस्कृति विभाग के सहयोग से आयोजित होने वाला यह कार्यक्रम चांगर सेक्टर स्थित भाषा एवं संस्कृति सभागार में होगा। समारोह का

शुभारंभ रविवार को सुबह 10:30 बजे किया जाएगा, जबकि कार्यक्रम शाम पांच बजे तक चलेगा। आयोजकों के अनुसार समारोह का उद्देश्य राष्ट्र, समाज, भाषा, साहित्य एवं संस्कृति के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित करना तथा उनके योगदान को व्यापक स्तर पर पहचान दिलाना है। कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों से शिक्षा, साहित्य, पत्रकारिता, सामाजिक सेवा एवं सांस्कृतिक गतिविधियों से जुड़ी विशिष्ट हस्तियां शामिल होंगी। इससे बिलासपुर में विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिभाओं और सामाजिक सरोकारों से जुड़े लोगों का महत्वपूर्ण संगम देखने को मिलेगा। समारोह में उपायुक्त राहुल कुमार मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। वहीं कर्नल जसवंत सिंह चंदेल विशिष्ट अतिथि तथा जिला भाषा अधिकारी नीलम चंदेल विशेष रूप से उपस्थित रहेंगी। समाज कल्याण फेडरेशन ऑफ इंडिया की हिमाचल प्रदेश इकाई की अध्यक्ष ललिता कश्यप ने चलंत वार्ता के माध्यम से बताया कि समारोह में समाज और राष्ट्र निर्माण में सकारात्मक भूमिका निभाने वाले लोगों को सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में शिक्षा, साहित्य, भाषा, संस्कृति और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में सक्रिय लोगों के योगदान को सामने लाना आवश्यक है।

जनता दरबार में 96 फरियादियों की सुनी गई समस्याएं

छपरा। आमलोगों की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रत्येक सोमवार एवं शुक्रवार को आयोजित होने वाले जनता के दरबार में जिलाधिकारी कार्यक्रम में शुक्रवार को बड़ी संख्या में फरियादी पहुंचे। जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव ने जनता दरबार में उपस्थित सभी 96 लोगों की समस्याओं को बारी-बारी से सुना और उनके आवेदन एवं शिकायतों पर आवश्यक कार्रवाई के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को मामलों की जांच कर समयबद्ध एवं नियमानुकूल तरीके से समाधान सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि आम नागरिकों की समस्याओं का समाधान प्रशासन की प्राथमिकता है और शिकायतों के निष्पादन में किसी प्रकार की अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए। जनता दरबार में आए अधिकांश मामले राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग से संबंधित रहे। इनमें भूमि विवाद, राजस्व संबंधी मामलों सहित अन्य समस्याओं को लेकर लोगों ने जिलाधिकारी के समक्ष अपनी शिकायतें रखीं। इसके अतिरिक्त शिक्षा, आईसीडीएस, भू-अर्जन, डीसीएलआर, सिविल सर्जन तथा जिला आपूर्ति शाखा से संबंधित मामले भी जनता दरबार में आए। जिलाधिकारी ने प्रत्येक आवेदक की बात सुनने के बाद संबंधित अधिकारियों को मामले की प्रकृति के अनुरूप आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे शिकायतों की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई करें और आवेदकों की समस्याओं का यथासंभव शीघ्र समाधान सुनिश्चित करें। प्रशासन की ओर से बताया गया कि ह्यजनता के दरबार में जिलाधिकारीह्व कार्यक्रम का उद्देश्य आम नागरिकों को अपनी समस्याएं सीधे जिला प्रशासन के समक्ष रखने का अवसर उपलब्ध कराना है। प्रत्येक सोमवार एवं शुक्रवार को आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम के माध्यम से विभिन्न विभागों से जुड़ी शिकायतों पर सीधे सुनवाई की जा रही है। जिला प्रशासन आमलोगों को सहज, संवेदनशील एवं जवाबदेह प्रशासन उपलब्ध कराने की दिशा में लगातार प्रयासरत है। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जनता से प्राप्त शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर लेते हुए पारदर्शिता, संवेदनशीलता और समयबद्धता के साथ कार्रवाई करें। प्रशासन का उद्देश्य है कि प्रत्येक पात्र व्यक्ति को उसकी समस्या का उचित समाधान मिले और आमलोगों का प्रशासन के प्रति विश्वास और मजबूत हो।

डीडीसी ने मकेर प्रखंड कार्यालय का किया निरीक्षण, योजनाओं में तेजी लाने का निर्देश

छपरा। जिला पदाधिकारी के निर्देश के आलोक में उप विकास आयुक्त लक्ष्मण तिवार ने शुक्रवार को मकेर प्रखंड कार्यालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यालय की प्रशासनिक व्यवस्था, विभिन्न पंजियों के संधारण तथा प्रखंड में संचालित विकास एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। निरीक्षण के क्रम में उप विकास आयुक्त ने कार्यालय में संधारित कर्मियों का लॉगबुक, आगत-निर्गत पंजी, कैशबुक, भंडार पंजी, उपस्थिति पंजी, आकस्मिक अवकाश पंजी, वेतन पंजी, रोकड़ पंजी, कर्मियों की सेवा पुस्तिका, ऑडिट पंजी एवं जन शिकायत पंजी सहित विभिन्न अभिलेखों की जांच की। उन्होंने सभी पंजियों को अद्यतन रखते हुए उनका समुचित

एवं व्यवस्थित तरीके से संधारण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कार्यालय परिसर में साफ-सफाई की बेहतर व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ कर्मियों एवं आगंतुकों के लिए पेयजल तथा शौचालय की समुचित सुविधा सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त ने कहा कि कार्यालय की कार्यप्रणाली में अनुशासन एवं पारदर्शिता के साथ-साथ आम लोगों के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना भी आवश्यक है। विकास योजनाओं की प्रगति की हुई समीक्षा कार्यालय निरीक्षण के बाद उप विकास आयुक्त ने प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों एवं ग्राम पंचायत स्तर के कर्मियों के साथ बैठक कर पंचायती राज विभाग एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में विकसित भारत-जी राम जी, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान, पंचायत सरकार भवन, चापाकलों की क्रियाशीलता, अनुरक्षण भुगतान, नल-जल योजना की क्रियाशीलता, मोक्षधाम विकास तथा मृत्यु प्रमाण-पत्र निर्गमन की स्थिति की जानकारी ली गई। उप विकास आयुक्त ने योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों को अपेक्षित प्रगति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का वास्तविक लाभ समय पर पात्र लाभुकों तक पहुंचना चाहिए। इसके लिए क्षेत्रीय स्तर पर नियमित अनुश्रवण और योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी जरूरी है। उन्होंने विशेष रूप से पेयजल एवं नल-जल जैसी बुनियादी सुविधाओं की क्रियाशीलता सुनिश्चित करने, खराब चापाकलों के संबंध में त्वरित कार्रवाई करने तथा पंचायत स्तर पर आवश्यक सेवाओं को प्रभावी बनाए रखने पर जोर दिया। समीक्षा बैठक में प्रखंड विकास पदाधिकारी, प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी, अंचल अधिकारी, कार्यक्रम पदाधिकारी मकेर तथा जिला समन्वयक, लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान, सारण सहित संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

ईद मिलाद-उन-नबी पर्व को लेकर डीएम ने की विधि-व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा

- शांति समिति के प्रतिनिधियों से लिया फीडबैक, जुलूस के रूट, सुरक्षा, ट्रैफिक एवं संवेदनशील स्थलों पर विशेष सतर्कता के निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। जिला पदाधिकारी वैभव श्रीवास्तव की अध्यक्षता में शुक्रवार को ईद मिलाद-उन-नबी पर्व के अवसर पर जिले में विधि-व्यवस्था, शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रशासनिक एवं पुलिस पदाधिकारियों के साथ विधि-व्यवस्था से जुड़े अधिकारी उपस्थित रहे। प्रशासनिक बैठक से पूर्व डीएम ने विभिन्न थाना क्षेत्रों की शांति समितियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर इस पर्व की तैयारियों, जुलूस के मार्ग, संवेदनशील स्थलों एवं स्थानीय परिस्थितियों की जानकारी ली। उन्होंने शांति समिति के सदस्यों से प्रशासन और पुलिस के साथ निरंतर समन्वय बनाए रखने तथा शांति, सौहार्द एवं सामाजिक सद्भाव कायम रखने में सक्रिय सहयोग की अपील की। बैठक में डीएम ने सभी अनुमंडल पदाधिकारियों को अनुमंडल से थाना स्तर तक शांति समिति की बैठक अनिवार्य रूप से आयोजित कराने का निर्देश दिया। इसमें जुलूस आयोजकों एवं उत्तरदायी व्यक्तियों की सहभागिता सुनिश्चित करने तथा उनके साथ निरंतर संवाद बनाए रखने को कहा गया। उन्होंने प्रत्येक जुलूस के लिए नियमानुसार लाइसेंस प्राप्त करने, निर्धारित रूट, समय, अनुमानित संख्या तथा जुलूस में शामिल होने वाले घोड़े, हाथी, ऊंट आदि का विवरण दर्ज करने का निर्देश दिया। आयोजकों एवं सहयोगियों की पहचान संबंधी जानकारी, आधार कार्ड और मोबाइल नंबर का संधारण तथा पर्याप्त संख्या में जिम्मेदार वालंटियरों की तैनाती सुनिश्चित करने को कहा गया। डीएम ने स्पष्ट किया कि जुलूस में डीजे का प्रयोग पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। निर्धारित समय का कड़ाई से पालन कराने तथा रूट का पूर्व भौतिक सत्यापन कर मार्ग में मौजूद अवरोध, संकीर्णता एवं अन्य समस्याओं को पर्व से पहले दूर कराने का निर्देश दिया गया। मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों में नए रूट निर्धारित नहीं करने तथा अनावश्यक व्यवधान की स्थिति उत्पन्न नहीं होने देने पर विशेष जोर दिया गया। आवश्यकता पड़ने पर स्थानीय संवेदनशीलता के आधार पर जुलूस का रूट छोटा करने की कार्रवाई करने को कहा गया। छोटे जुलूसों के बड़े जुलूस में शामिल होने वाले संभावित स्थानों को पूर्व से चिन्हित कर विशेष निगरानी रखने का निर्देश दिया गया। जुलूस मार्ग पर विद्युत पोल, तार एवं अन्य संरचनाओं की जांच के साथ जलजमाव, कीचड़, गड्ढे एवं क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत कराने को कहा गया। यातायात व्यवस्था को लेकर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती एवं आवश्यक डायवर्सन की पूर्व तैयारी का निर्देश दिया गया।

सावन के संग मेहंदी के रंग, एसबी कॉलेज आरा में मना सावन महोत्सव

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। एसबी कॉलेज, आरा में सावन के पवन माह में सावन महोत्सव का आयोजन उत्साह और उमंग के साथ किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत कॉलेज की प्राचार्या डॉ मीना कुमारी ने दीप प्रज्वलित कर छात्रों के साथ किया कॉलेज के सभी शिक्षक एवं कर्मचारियों तथा छात्र -छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सावन के पारंपरिक रंगों और भारतीय संस्कृति की झलक कार्यक्रम में देखने को मिली। परिसर में रंगोली मेहंदी, गीत-संगीत और मनोरंजक गतिविधियों ने माहौल को खुशनुमा बना दिया।
महोत्सव के दौरान छात्राओं के द्वारा मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। छात्राओं ने हाथों पर आकर्षक मेहंदी की डिजाइन बनाकर अपनी कला का प्रदर्शन किया। इसके अलावा सावन के पारंपरिक गीतों और लोकगीतों की प्रस्तुति ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। हरे परिधानों में सजी छात्राओं ने सावन की खूबसूरती को और जीवंत कर दिया।कार्यक्रम में प्राचार्या ने सावन महोत्सव के सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों को अपनी लोक परंपराओं और संस्कृति से जोड़ने का कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि आधुनिकता के दौर में पारंपरिक त्योहारों और लोक संस्कृति को सहेजना जरूरी है।महोत्सव के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को पुरस्कृत भी किया गया। छात्राओं ने कार्यक्रम के दौरान जमकर आनंद लिया और सावन के गीतों पर उत्साह के साथ भागीदारी की। कॉलेज परिसर में पूरे दिन उत्सवी माहौल बना रहा।
आयोजकों ने कहा कि सावन महोत्सव का उद्देश्य विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ सांस्कृतिक गतिविधियों से जोड़ना और आपसी मेल-जोल को बढ़ावा देना है।
कार्यक्रम के सफल आयोजन में कॉलेज के शिक्षकों, कर्मचारियों और छात्राओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा। 21 अगस्त को कॉलेज में एनएसएस यूनिट 1 एवं 2 एवं स्टूडेंट सोसाइटी के द्वारा ह्यसावन महोत्सवह्न का आयोजन किया जाएगा जिसमें नृत्याँग -डांस सोसाइटी के द्वारा लोकनृत्य , सरगम- म्यूजिक सोसाइटी- लोकगीत, संगीत एवं साहित्यायन -लिटररी सोसाइटी - कविता पाठ का आयोजन हुआएसबी कॉलेज में शुक्रवार को एनएसएस इकाई एक एवं दो तथा कॉलेज कल्चरल सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में सावन महोत्सव का आयोजन किया गया। समारोह में छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देकर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। पूरे कार्यक्रम में सावन की हरियाली, उमंग और उत्सव का रंग देखने को मिला। महोत्सव के दौरान छात्राओं ने महिला शिक्षकों के हाथों में आकर्षक मेहंदी लगाई। शिक्षकों और विद्यार्थियों ने कविता, गीत एवं शायरी प्रस्तुत कर कार्यक्रम को यादगार बना दिया। प्राचार्या प्रो. मीना कुमारी ने शिव भजन प्रस्तुत किया, जिसे सभी ने सराहा। उन्होंने सावन महोत्सव के महत्व और भारतीय संस्कृति में सावन महीने की विशेष भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। अन्य शिक्षकों ने भी सावन के धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक महत्व को रेखांकित किया। कार्यक्रम का स्वागत भाषण एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. मनीषा कुमारी ने किया, जबकि विषय प्रवेश कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. रीना देवी ने कराया।
संचालन छात्रा निधि और नेहा और धन्यवाद ज्ञापन सहायक प्राध्यापक डॉ पंकज कुमार ने किया। समारोह में डॉ. अंकिता मिश्रा, डॉ. अंकिता ओझा, डॉ. जूली कुमारी, डॉ. फौजिया रहमान, डॉ. साधना रावत, डॉ. ट्विंकल एवं डॉ. सुषमा कुमार समेत अन्य शिक्षक मौजूद रहे।मौके पर डॉ भवप्रीता, डॉ अभिनव,,डॉ. उमेश कुमार राय, डॉ. प्रियंका भारती, डॉ. रीना, डॉ गौरव कुमार मिश्रा, डॉ सद्दाम हुसैन, डॉ गुंजन कुमार,डॉ. मनीषा कुमारी, डॉ दिव्या, डॉ. महफूज अशरफ, डॉ. महताब इमाम, डॉ. श्वेता गौरव, डॉ. संतोष कुमार राम, डॉ आशा रानी, डॉ. अनामिका, डॉ. प्रेमलता, डॉ. मिथिलेश कुमार गिरी, डॉ. वेंकटेश्वर चौधरी, डॉ. आदित्य कुमार आनन्द, डॉ. धनंजय प्रसाद राय, डॉ. अशोक कुमार तिवारी, डॉ. एस.डी. सिंह, डॉ. राकेश कुमार, डॉ राधिका रमन, डॉ अनंत कुमार,रमेश कुमार,सुमीर शर्मा, अनील कुमार आदि थे।सांस्कृतिक कार्यक्रमों में निखिल, स्नेहा, मेघा, लवली, खुशी, सोनल, किरण, अंजलि, रति, पायल, साक्षी एवं सुमंत सहित कई विद्यार्थियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। आयोजन ने कॉलेज परिसर में उत्साह और उल्लास का माहौल बना दिया।

संक्षिप्त खबरें

अज्ञात वाहन के चपेट में साइकिल चालक वृद्ध की मौत

चरपोखरी। भोजपुर।थाना क्षेत्र के आरा- सासाराम स्टेट हाईवे पर सियाडीह गांव के समीप अज्ञात वाहन के चपेट में आने से साइकिल से सफर कर रहे एक वृद्ध की मौत हो गई। मृतक की पहचान देकुड़ा गांव निवासी स्व शिवपूजन तिवारी के 64 वर्षीय पुत्र रंजीत तिवारी के रूप में हुई। घटना के संबंध में बताया जाता है कि रंजीत तिवारी अपने साइकिल से मजदूर ढूंढने को लेकर बगुसारा गांव जा रहे थे।इसी क्रम में तेज रफ्तार में आ रहे एक अज्ञात वाहन ने उनके साइकिल में पीछे से धक्का मार दिया। धक्का इतना जबरदस्त था की साइकिल सवार वृद्ध की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। इसके बाद स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना पुलिस प्रशासन को दी। जहां मौके पर पहुंचे पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम के लिए आरा भिजवा दिया।

पति ने की पत्नी की पिटाई, प्राथमिकी हुई दर्ज

दरियापुर। ससुराल से अपनी पत्नी को विदा करा कर अपने घर के जा रहे पति ने रास्ते में पत्नी की बेरहमी से पिटाई कर दी।पीड़िता रीना देवी का इलाज परसा सरकारी अस्पताल में कराया गया।पीड़िता रीना देवी परसा थाना क्षेत्र के परसादी गांव की रहने वाली है। वह पंद्रह दिनों पूर्व अपने मैके आई थी।पति उसे विदा करा कर अपने घर परसादी ले जा रहा था। जैसे ही वह स्थानीय थाना क्षेत्र के तुला बढम के पास पहुंचा कि पीछे बैठी अपनी पत्नी को धक्का देकर बाइक से नीचे गिरा दिया।पीड़िता ने आरोप लगाया है कि बाइक से उसे नीचे गिराने के बाद उसके पति ने बेल्ट से बेरहमी से उसकी पिटाई शुरू कर दी।उसके शोर मचाने के पास आस पास के लोग वहां पहुंचे और पीड़िता को बचाया।इसके बाद उसका पति उसे छोड़ कर भाग गया।पीड़िता ने अपने मोबाइल से अपने मैके वालों को सूचना दी। इसके बाद मैके वाले वहां पहुंचे और उसे इलाज के लिए परसा सरकारी अस्पताल में भर्ती कराए।पीड़िता ने इस संबंध में पति के खिलाफ थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। दर्ज प्राथमिकी में उसने पति पर बार बार मारपीट करने व घर से निकाल देने का भी आरोप लगाया है।पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

एकमा थाना पुलिस की त्वरित कार्रवाई, लूट की घटना का सफल उद्भेदन

छपरा। एकमा थाना को लूट के संबंध में लिखित आवेदन प्राप्त हुआ। जिसमें वादी द्वारा बताया गया कि सुबह लगभग 10:00 बजे एकमा परसा रोड में कुछ अपराधकर्मियों द्वारा मुझे रुकने का इशारा किया गया तथा रुकने पर उनलोगो द्वारा कमर के पास चाकू तथा हथियार के बल पर जोर जबरदस्ती कर मेरे पॉकेट से सोने एवं चांदी का आभूषण तथा मोटरसाईकिल छिनकर रामपुर की तरफ भाग गया। लिखित आवेदन के आधार पर एकमा थाना कांडसंख्या-309/26, दिनांक-10.08.26, धारा-309 (4) बी०एन०एस० दर्ज किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरीय पुलिस अधीक्षक, सारण के निर्देशन में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर-02 के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा तकनीकी एवं मानवीय सूचना के आधार पर लगातार छापेमारी के क्रम में लूटी गई चांदी का आभूषण जप्त कर मामले में सी संलिप्त 01 अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। अनुसंधान के क्रम में यह भी जानकारी प्राप्त हुई कि गिरफ्तार अभियुक्त एवं उसके सहयोगियों द्वारा पूर्व में दिनांक 06.07.2026 को एकमा-परसा रोड पर ही एक अन्य व्यक्ति को चाकू एवं हथियार का भय दिखाकर उसके सोने तथा चाँदी के आभूषण की लूट की गई थी। कांड में संलिप्त अन्य अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीम द्वारा लगातार छापेमारी की जा रही है।

करबासिन काली मंदिर में नवमी को लेकर उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड़

प्रात : किरण संवाददाता

सहार। सहार प्रखंड के करबासिन गांव स्थित काली माई मंदिर में नवमी को लेकर पूजा-अर्चना को लेकर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह से ही महिला-पुरुष समेत बड़ी संख्या में श्रद्धालु माता के दर्शन और पूजा करने के लिए मंदिर परिसर पहुंचते रहे। पूजा को लेकर करबासिन गांव में पूरे दिन उत्साह और भक्ति का माहौल बना रहा।
मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की काफी भीड़ रही और माता के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। आसपास के गांवों से भी माता के दरबार में श्रद्धालुओं द्वारा विभिन्न प्रकार के चढ़ावे चढ़ाए गए। स्थानीय परंपरा के अनुसार, पशुओ की बलि भी चढ़ाई गई। जिसे लेकर पूजा स्थल पर काफी चहल-पहल रही।
पूजा के अवसर पर करबासिन गांव में धूमधाम देखने को मिली। स्थानीय मुखिया महेन्द्र प्रसाद, मंदिर के अध्यक्ष शिव मुनी राय, हरिबंश राय द्वारा श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को देखते हुए मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्र में व्यवस्था बनाए रखा गया। दिनभर लोगों के आने-जाने का सिलसिला जारी रहा।

बेंगलुरु में ट्रक की चपेट में आने से बड़हरा के युवक की मौत, घर में मचा कोहराम

बड़हरा। प्रखंड के पूर्वी गुंडी गांव निवासी नागेंद्र गोंड के पुत्र किशन गोंड उर्फ राजा गोंड (22) की बेंगलुरु में सड़क हादसे में मौत हो गई। हादसे की खबर मिलते ही गांव में शोक की लहर दौड़ गई। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। बताया जाता है कि किशन गोंड रोजगार के सिलसिले में बेंगलुरु गया था। वहां उसने मोबाइल रिपेयरिंग की दुकान खोल रखी थी। बुधवार को दुकान के लिए सामान खरीदने बाजार जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में एक ट्रक ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर मौजूद सुरक्षाकर्मी ने उसे तत्काल पास के अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। किशन चार भाई-बहनों में मझला था। उसके परिवार एक बडी बहन एवं दो छोटे भाई बहन है। उसके पिता नागेंद्र गोंड पिछले करीब चार वर्षों से लकवे से पीड़ित हैं। ऐसे में परिवार की जिम्मेदारी संभालने में किशन का अहम योगदान था। उसकी मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को उचित सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है।

शिक्षक की सड़क हादसे में मौत, स्वजन ने जताई हत्या की आशंका

- सिर पर गंभीर चोट, शरीर पर खरोंच नहीं मिलने से उठे सवाल; फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से जुटाए साक्ष्य

प्रात : किरण संवाददाता

बड़हरा। रामचंद्र सिंह प्लस टू उच्च विद्यालय, बिराहीपुर करजा में कार्यरत शिक्षक चंद्र किशोर मिश्रा (55) की शुक्रवार सुबह सड़क हादसे में मौत हो गई। वे जगदीशपुर थाना क्षेत्र के कौरा गांव निवासी थे और वर्तमान में आरा के बाबू बाजार (न्यू एरिया) में परिवार के साथ रहते थे। हादसा आरा-एकौना मुख्य सड़क पर गर्ल्स स्कूल के सामने यात्री शेड से करीब दस कदम उत्तर हुआ। घटना की सूचना मिलते ही स्वजन में कोहराम मच गया। बताया जाता है कि चंद्र किशोर मिश्रा रोज की तरह सुबह बाइक से विद्यालय जाने के लिए निकले थे। विद्यालय पहुंचने से पहले ही वे सड़क हादसे का शिकार हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, अचानक सड़क पर जंगली सुअर आ जाने से बाइक अनियंत्रित हो गई और दुर्घटना हो गई। गंभीर रूप से घायल शिक्षक को इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

सिर पर गंभीर चोट, शरीर पर खरोंच तक नहीं: मृतक के पुत्र दिव्यांशु मिश्रा ने बताया कि विद्यालय के स्टाफ की ओर से फोन कर दुर्घटना की जानकारी दी गई थी। अस्पताल पहुंचने पर पिता की मौत हो चुकी थी। स्वजन के अनुसार, उनके सिर पर गंभीर चोट का निशान था, जबकि शरीर के अन्य हिस्सों पर खरोंच तक नहीं थी। इस कारण परिवार के लोगों ने हादसे की परिस्थितियों पर संदेह जताते हुए हत्या की आशंका व्यक्त की है।

प्रभार विवाद को लेकर स्वजन ने लगाया रंजिश का आरोप: स्वजन का आरोप है कि कुछ माह पूर्व विद्यालय में प्रधानाध्यापक के प्रभार को लेकर चंद्र किशोर मिश्रा का कुछ सहकर्मियों से विवाद हुआ था। परिवार का मानना है कि इसी रंजिश में साजिश रचकर उनकी हत्या की गई।

कॉलेज प्राचार्य ने कई मामलों की जांच और कार्रवाई की मांग

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। रोहतास जिले के गंज-भड़सरा स्थित रामनारायण साह सर्वोदय महाविद्यालय के प्रधानाचार्य/सचिव ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कॉलेज से जुड़े कई मामलों की जांच कराने की मांग की है। 21 अगस्त 2026 को जारी विज्ञप्ति में अशोक साहू समेत कुछ व्यक्तियों पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि अशोक साहू द्वारा कॉलेज के संस्थापक परिवार और संगीत विभाग से जुड़े होने को लेकर कई दावे किए जाते हैं। प्राचार्य ने इन दावों की सत्यता की जांच कराने की मांग की है। साथ ही कॉलेज को जमीन दान किए जाने के दावे पर भी संबंधित दस्तावेज सार्वजनिक करने की बात कही गई है। प्राचार्य ने आरोप लगाया है कि वर्ष 2025 में तत्कालीन विश्वविद्यालय पदाधिकारी से संपर्क कर अनुदान और आंतरिक स्रोत की राशि प्राप्त की गई, जबकि भुगतान से संबंधित शपथ पत्र भी दिया गया था। विज्ञप्ति के अनुसार, भुगतान में कथित अनियमितता के कारण कुछ कर्मियों को राशि से वंचित रहना पड़ा। इस मामले में न्यायालय में मामला पहुंचने तथा विश्वविद्यालय के एक पदाधिकारी और पूर्व प्रभारी प्राचार्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज होने का भी उल्लेख किया गया है।विज्ञप्ति में 2005 और 2010 में अशोक कुमार गुप्ता के विधायक चुनाव लड़ने तथा उस समय उनकी सेवा स्थिति पर भी सवाल उठाए गए हैं। इसके अलावा भूगोल विभाग में बिनोद कुमार सिंह की नियुक्ति, चयन समिति की प्रक्रिया और अतिथि शिक्षक के रूप में नियुक्ति को लेकर भी स्पष्टीकरण और जांच की मांग की गई है।कॉलेज प्रशासन ने जिलाधिकारी, आरक्षी अधीक्षक, अनुमंडलाधिकारी तथा वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के कुलपति से पूरे मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने का अनुरोध किया है।

रोजगार क्षमता बढ़ाने को शुरू होगा एईडीपी प्रोग्राम

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय में स्नातक स्तर पर विद्यार्थियों की रोजगार क्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से अप्रेंटिसशिप एंबेडेड डिग्री प्रोग्राम (एईडीपी) शुरू किया जाएगा। चार वर्षीय स्नातक डिग्री कार्यक्रम के साथ विद्यार्थियों को अप्रेंटिसशिप का अवसर उपलब्ध कराने वाले इस कार्यक्रम को विश्वविद्यालय के एकेडमिक काउंसिल की बैठक में मंजूरी दी गई।
बैठक में विश्वविद्यालय से संबंधित कई महत्वपूर्ण शैक्षणिक प्रस्तावों पर भी विचार-विमर्श किया गया। बैठक में राज्यपाल सचिवालय से प्राप्त पत्र के आलोक में एईडीपी के पूर्व स्वीकृत अध्यादेश एवं विनियमों में प्रस्तावित संशोधन को मंजूरी दी गई। अधिकारियों के अनुसार, संशोधित नियमों के तहत विद्यार्थियों को डिग्री के साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण और उद्योगों में काम करने का अनुभव प्राप्त होगा। इससे पारंपरिक शैक्षणिक डिग्री और रोजगार के बीच की दूरी कम करने में मदद मिलेगी। एईडीपी कार्यक्रम नई शिक्षा नीति-2020 के प्रावधानों के अनुरूप तैयार किया गया है। इसके तहत चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम में पढ़ाई के साथ विद्यार्थियों को नौकरी के लिए आवश्यक व्यावहारिक कौशल विकसित करने का अवसर मिलेगा। कार्यक्रम के दौरान छात्रों को केंद्र सरकार की ओर से निर्धारित मानकों के अनुसार प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण के लिए संबंधित उद्योग या कंपनी की ओर से आर्थिक सहायता भी उपलब्ध कराए जाने का प्रावधान है।बैठक में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप सीबीसीएस स्नातक कार्यक्रम के आठवें सेमेस्टर के लिए 41 विषयों के पाठ्यक्रम को भी मंजूरी प्रदान की गई।

टेंपो के तहखाने से 86.40 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद, चालक फरार

- टेंपो के जरिए ले जाई जा रही थी शराब की खेप
- पुलिस को देखते ही टेंपो चालक वाहन से कूदकर फरार होने में सफल रहा

प्रात : किरण संवाददाता

बड़हरा। बबुरा थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए शराब की बड़ी खेप बरामद की है। पुलिस ने रजिस्ट्रेशन नंबर इफ01ढठ 1213 वाले एक टेंपो की तलाशी के दौरान उसके तहखाने में छिपाकर रखी गई 8 ढट टेट्रा पैक की 10 कार्टून अंग्रेजी शराब बरामद की। थाना अध्यक्ष ने बताया कि प्रत्येक कार्टून में 48 पीस शराब के टेट्रा पैक थे। प्रत्येक पैक में 180 एमएल शराब थी। इस तरह कुल 480 पीस में 86.40 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद हुई। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि टेंपो के जरिए शराब की खेप ले जाई जा रही है। सूचना के आधार पर पुलिस ने वाहन को रोककर तलाशी ली। पुलिस को देखते ही टेंपो चालक वाहन से कूदकर फरार होने में सफल रहा। पुलिस ने शराब समेत टेंपो को जब्त कर लिया है। फरार चालक की पहचान और गिरफ्तारी के लिए पुलिस संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। मामले में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

किताबों से बाहर निकलेगा पर्यावरण का पाठ, ग्राउंड वर्क से सीखेंगे विद्यार्थी

- वीकेएसयू के विद्यार्थियों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ने के साथ उन्हें अपने दैनिक जीवन में टिकाऊ व्यवहार अपनाने का अवसर मिलेग

प्रात : किरण संवददाता

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय (वीकेएसयू), आरा समेत राज्य के सभी विश्वविद्यालयों के अंगीभूत एवं संबद्ध कॉलेजों में पर्यावरण संरक्षण की पढ़ाई अब केवल किताबों और कक्षा तक सीमित नहीं रहेगी। स्नातक स्तर पर विद्यार्थियों के लिए पर्यावरण एवं जलवायु से जुड़ा दो क्रेडिट का नया पाठ्यक्रम लागू किया जा रहा है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने इसे मिशन लाइफ : सस्टेनेबल लाइफस्टाइल फॉर क्लाइमेट रेजिलिएंस के तहत तैयार किया है। पाठ्यक्रम को छह यूनिट में बांटा गया है और इसमें व्यावहारिक गतिविधियों पर विशेष जोर दिया गया है। इस कोर्स के तहत विद्यार्थियों को जल संरक्षण, ऊर्जा बचत, कचरा प्रबंधन, टिकाऊ परिवहन, साइकिलिंग, सार्वजनिक परिवहन और जैव विविधता संरक्षण जैसे विषयों से जोड़ा जाएगा। विद्यार्थियों को अपने घर, हॉस्टल और आसपास के क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण के लिए किए जा सकने वाले उपायों को व्यवहार में अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। पाठ्यक्रम में कुल 45 घंटे निर्धारित किए गए हैं। इसमें 15 घंटे सैद्धांतिक अध्ययन और 30 घंटे फील्ड वर्क के लिए होंगे। इस व्यवस्था का उद्देश्य विद्यार्थियों को पर्यावरणीय समस्याओं की वास्तविक स्थिति से परिचित कराना और उनके समाधान के लिए व्यावहारिक पहल करने के लिए तैयार करना है। कोर्स का मूल्यांकन भी केवल लिखित परीक्षा के आधार पर नहीं होगा। विद्यार्थियों को मेरी लाइफ एप/पोर्टल पर विभिन्न गतिविधियों की तस्वीरें, वीडियो और अन्य प्रमाण अपलोड करने होंगे। इसके आधार पर उनकी प्रायोगिक गतिविधियों का मूल्यांकन किया जाएगा तथा अंत में रिपीटिव पोर्टफोलियो तैयार कराया जाएगा।छह यूनिट में वैश्विक पर्यावरणीय चुनौतियां, आईपीसीसी की रिपोर्ट, ग्लोबल वार्मिंग, प्रदूषण, जैव विविधता के खतरे, भारत के पर्यावरण कानून, जल जीवन मिशन, अटल भूजल योजना, स्मार्ट सिटीज मिशन और अमृत जैसी सरकारी पहल शामिल हैं। साथ ही व्यवहार में बदलाव, ऊर्जा एवं जल संरक्षण और टिकाऊ जीवनशैली को भी पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया गया है। इस पहल से वीकेएसयू के विद्यार्थियों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ने के साथ उन्हें अपने दैनिक जीवन में टिकाऊ व्यवहार अपनाने का अवसर मिलेगा।विश्वविद्यालय एवं कॉलेज स्तर पर फील्ड गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण का व्यावहारिक अनुभव भी प्राप्त होगा।

डीएवी स्कूल के छात्रों ने निकाली प्रभात फेरी, वैदिक जयघोष से गूंजा शहर

प्रात : किरण संवाददाता

आरा भोजपुर। डीएवी पब्लिक स्कूल धनुपरा के छात्रों ने शुक्रवार को वेद प्रचार सप्ताह के अवसर पर प्रभात फेरी सह झांकी निकाली। प्रभात फेरी पूर्वी गुमटी स्थित दुर्गा मंदिर से शुरू होकर स्टेशन के पास से नवादा चौक, बड़ी मठिया और शिवगंज मार्ग होते हुए सपना मोड़ मुख्य मार्ग के पास पहुंचकर समाप्त हुई। इस दौरान कक्षा सातवीं के छात्रों ने वैदिक स्तुतियों और जयघोष के माध्यम से लोगों को वेद ज्ञान एवं भारतीय संस्कृति का संदेश दिया। वैदिक जयघोष से शहर का वातावरण भक्तिमय हो गया। कार्यक्रम के दौरान प्रशासन का सहयोग भी सराहनीय रहा।विद्यालय की प्राचार्या निशु जायसवाल सहित सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं ने उत्साहपूर्वक प्रभात फेरी में भाग लिया। विद्यालय की ओर से बताया गया कि वेद प्रचार सप्ताह के तहत विद्यार्थियों में वैदिक ज्ञान, संस्कार और भारतीय संस्कृति के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

इसुआपुर में प्राण प्रतिष्ठा व अखंड अष्टयाम को लेकर महिलाओं ने निकली भव्य कलश यात्रा

प्रात : किरण संवाददाता

मढ़ौरा। इसुआपुर के टेढ़ा में नवनिर्मित मंदिर परिसर में विभिन्न देवी- देवताओं की प्राण प्रतिष्ठा व अखंड अष्टयाम को लेकर महिलाओं ने निकाली कलश यात्रा। टेढ़ा में शुक्रवार को सैकड़ों महिलाओं व पुरुषों ने भव्य कलश यात्रा निकाली। इस कलश यात्रा के दौरान सभी महिलाएं व पुरुष लाल व पीला वस्त्र धारण किए हुए थे। और जय श्री राम के नारे भी लगा रहे थे। हाथी घोड़े और बैंड बाजे के साथ निकाली गई यह कलश यात्रा टेढ़ा देवी मंदिर परिसर से शुरू होकर पूरब टोला के रास्ते से होते हुए डबरा नदी छठ घाट पहुंची जहां सभी कलशो में पवित्र जल भरा गया और जलभरी के बाद इस यात्रा में शामिल सभी महिलाओं ने टेढ़ा गांव का भ्रमण करते हुए पुनः मंदिर परिसर पहुंची जहां निर्धारित स्थल पर सभी कलशों को स्थापित कर वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ इस नवनिर्मित मंदिर में स्थापित देवी देवताओं की प्रतिमाओं का प्राण प्रतिष्ठा व अखंड अष्टयाम को लेकर पूजा पाठ शुरू किया गया। सरस्वती देवी और शंकर राय के अलावा इस कलश यात्रा में मुख्य रूप से धनंजय राय, रंजय राय, मुकेश कुमार, शोभी राय, केदार राय, लगन राय, सोनेलाल राय, गुड्डू राय, व अन्य कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

आशा कार्यकर्ताओं द्वारा कम आभा कार्ड निर्माण पर जिला स्वास्थ्य समिति सख्त, दिए गए प्रगति सुधार के निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। सदर अस्पताल परिसर स्थित जिला स्वास्थ्य समिति (डी एच एस) के सभागार में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य प्रखंड सामुदायिक मोबिलाइजर (बीसीएम) की उपस्थिति में आशा कार्यकताओं द्वारा बनाए जा रहे आभा कार्ड की प्रगति की समीक्षा करना था। समीक्षा के दौरान कई क्षेत्रों में कार्य की गति धीमी पाए जाने पर स्वास्थ्य विभाग ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की है। प्रगति असंतोषजनक पाए जाने पर अधिकारियों की चेतावनीः सिविल सर्जन- इस संबंध में सिविल सर्जन डॉ राज कुमार चौधरी ने बताया कि समीक्षा के दौरान यह बात सामने आई कि कई आशा कार्यकताओं द्वारा अपेक्षित संख्या में आभा कार्ड का निर्माण नहीं किया जा रहा है, जिससे प्रगति असंतोषजनक रही। इस स्थिति को गंभीरता से लेते हुए जिला सामुदायिक समन्वयक (डीसीएम) ने सभी बीसीएम को अपने- अपने क्षेत्र की आशा कार्यकताओं को सक्रिय रूप से प्रेरित और मार्गदर्शित करने का निर्देश दिया है। सभी कार्यकताओं को यह सुनिश्चित करने को कहा गया है कि वह एम आशा ऐप के माध्यम से नियमित रूप से आभा कार्ड का निर्माण करें। साथ ही बीसीएम को यह जिम्मेदारी दी गई है कि प्रतिदिन आशा कार्यकताओं के कार्यों का मूल्यांकन करें। वहीं जिन क्षेत्रों या आशा कार्यकताओं की प्रगति कम पाई जाएगी, उनसे व्यक्तिगत रूप से संपर्क कर समस्याओं का समाधान किया जाएगा और सुधार लाया जाएगा।
सिविल सर्जन की अध्यक्षता में हुई समन्वय समिति की बैठकः सिविल सर्जन डॉक्टर राज कुमार चौधरी की अध्यक्षता में आभा कार्ड और आयुष्मान कार्ड के शत- प्रतिशत निर्माण की दिशा में तेजी लाने के लिए समन्वय समिति की बैठक संपन्न हुई। इस बैठक में स्वास्थ्य विभाग की ओर से डीपीएम अरविंद कुमार, डीपीसी (आयुष्मान भारत) अभिनय कुमार, डीसीएम ब्रजेंद्र कुमार सिंह, डीएमएंडई ब्रजेश सिंह, प्रखंड स्तर के सभी बीसीएम सहित कई अन्य अधिकारी और कर्मी मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

राष्ट्रीय लोक के अदालत सफल आयोजन के लिए विधुत न्यायालय की बैठक

गया जी ।12 सितम्बर 26,को होने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन के लिए आज स्पेशल विधुत न्यायालय, गया में प्रभारी विधुत न्यायालय सह जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश 12 ,राजेश पांडेय एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार अरविंद कुमार दास की अध्यक्षता में विद्युत विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक हुई है। इस बैठक में प्रभारी जज ने उपस्थित बिजली विभाग के अधिकारियों सें बिजली विभाग के न्यायालय में लंबित राजीनामा योग्य एवं विद्युत मामलों को दिनांक 2 सितंबर 26 से 10 सितंबर 26, के बीच प्रि-सिटिंग माध्यम से अधिक से अधिक वादों का निष्पादन करने का निर्देश दिया है ।इस बैठक में उपस्थित विद्युत विभाग के अधिकारियों ने आश्वासन देते हुए कहा कि वे अधिक से अधिक प्रकरणों के निराकरण में सहयोग प्रदान करेंगे एवं शासन द्वारा दी जाने वाली छूट का व्यापक प्रचार प्रसार करने का निर्देश दिया गया इस बैठक में बिजली विभाग के अधिकारी सत्येंद्र कुमार, डेहरी ,सासाराम,कुंदन कुमार रजौली ,नवादा ,निशा कुमारी, एवं रोहित राज गया , फेटिंगन कुदरा,शिवानंद सिंह जहानाबाद, मोहम्मद मिन्हाज अकबर , अरबल , राहुल कुमार , शेखपुरा उपस्थित थे ।

जिला पदाधिकारी ने जनता दरबार में सुनी 200 से अधिक आमजनों की समस्याएँ

गया। जिला पदाधिकारी, गया शशांक शुभंकर ने समाहरणालय में आयोजित जनता दरबार के माध्यम से जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए लगभग 200 से अधिक आमजनों की समस्याएँ सुनीं। इस अवसर पर भूमि विवाद, आवास योजना, स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी शिकायतें, पेंशन योजना, मुआवजा, घरेलू हिंसा, शिक्षा विभाग से संबंधित विषयों समेत अन्य मामलों को लोगों ने जिलाधिकारी के समक्ष रखा है ।जिला पदाधिकारी ने उपस्थित अधिकारियों को संबंधित प्रकरणों का त्वरित एवं निष्पक्ष निपटारा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का समयबद्ध समाधान जिला प्रशासन की प्राथमिकता है और प्रत्येक विभागीय पदाधिकारी इस दिशा में गंभीरता से कार्य करें।

विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस पर 79 बुजुर्गों का मेगा हेल्थ कैंप में स्वास्थ्य परीक्षण हुआ

गया जी ।विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस-2026 के अवसर पर शुक्रवार को भारतीय चिकित्सा संघ (आईएमए) एवं एपीआई गया शाखा के संयुक्त तत्वावधान में आईएमए भवन में वरिष्ठ नागरिकों के लिए मेगा हेल्थ कैंप एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया है। शिविर में करीब 79 वरिष्ठ नागरिकों के स्वास्थ्य की जांच की गई। विशेषज्ञ चिकित्सकों ने ईसीजी, कोलेस्ट्रॉल, ब्लड शुगर सहित विभिन्न स्वास्थ्य जांच की और आवश्यक परामर्श व उपचार दिया। इस दौरान जरूरतमंदों के बीच दवाओं का भी वितरण किया गया। स्वास्थ्य शिविर सुबह नौ बजे से दोपहर 12 बजे तक चला है ।आईएमए अध्यक्ष डॉ. विश्व विजय सिंह एवं एपीआई चेयरमैन डॉ. नीरज कुमार ने वरिष्ठ नागरिकों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की सलाह दी। उन्होंने खान-पान पर विशेष ध्यान देने, नियमित दिनचर्या बनाए रखने तथा प्रतिदिन कम से कम 20 से 40 मिनट व्यायाम करने की बात कही है। चिकित्सकों ने उम्र बढ़ने के साथ नियमित स्वास्थ्य जांच को जरूरी बताया है ।इस कार्यक्रम के दौरान समाज के विभिन्न क्षेत्रों में योगदान देने वाले वरिष्ठतम नौ नागरिकों को मोमेंटो एवं अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। इनमें 85 वर्षीय बिजली कर्मचारी श्याम किशोर आर्य, 84 वर्षीय विद्वान परिषद अध्यक्ष लाल भूषण मिश्रा, 82 वर्षीय एंबुलेंस चालक मोहम्मद नसीमुद्दीन, 81 वर्षीय प्रोफेसर डीकेपी वर्मा 78 वर्षीय सफाई कर्मी बबन राम, 77 वर्षीय समाजसेवी रामेश्वर प्रसाद 76 वर्षीय शिक्षक नरेंद्र आदि थे।

नशा मुक्त भारत अभियान के तहत विकसित भारत के लिए नशामुक्त युवा विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

■ नशामुक्त युवा ही विकसित भारत की मजबूत नींव : डॉ. प्रेम कुमार

प्रातः किरण संवाददाता

गया जी ।केंद्रीय संचार ब्यूरो, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार क्षेत्रीय कार्यालय, गया जी द्वारा ह्यनशा मुक्त भारत अभियानह्न के अंतर्गत विकसित भारत के लिए नशामुक्त युवा विषय पर एकदिवसीय जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन +2 उच्च माध्यमिक विद्यालय, रसलपुर, मानपुर, गया जी में किया गया है। इस कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि-सह-उद्घाटनकर्ता डॉ. प्रेम कुमार, अध्यक्ष, बिहार विधानसभा एवं विधायक, गया जी द्वारा किया गया है। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. स्वेता कुमारी, सीनियर क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट एवं निदेशक, माइंडफुल माइंड सेंटर, गया जी तथा कंसल्टेंट क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट, मिलिट्री हॉस्पिटल, गया जी एवं विद्यालय के प्रधानाचार्य संजय कुमार प्रवीण उपस्थित रहे हैं ।इस कार्यक्रम के आरंभ में केंद्रीय संचार ब्यूरो, क्षेत्रीय कार्यालय, गया जी के क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी भानु कुमार झा ने स्वागत भाषण दिया है। उन्होंने विद्यार्थियों से नशे से दूर रहने की अपील करते हुए कहा कि नशामुक्त समाज के निर्माण में युवाओं और विद्यार्थियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने विशेष रूप से शिक्षकों से नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के ह्यमानसह्न एप्लिकेशन को इंस्टॉल करने का आग्रह किया, ताकि नशामुक्ति एवं मादक पदार्थों से संबंधित आवश्यक जानकारी एक ही स्थान पर आसानी से उपलब्ध हो सके ।डॉ. स्वेता कुमारी ने नशे की लत के मनोवैज्ञानिक एवं क्लिनिकल पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किस प्रकार विभिन्न मनोवैज्ञानिक एवं सामाजिक परिस्थितियां किसी व्यक्ति को नशे की ओर धकेल सकती हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को तनाव एवं विपरीत परिस्थितियों से निपटने के लिए सकारात्मक ह्यकोपिंग मैकेनिज्मह्न अपनाने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ जीवनशैली, सकारात्मक सोच, परिवार एवं मित्रों का सहयोग तथा रचनात्मक गतिविधियां युवाओं को नशे से दूर रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं ।मुख्य अतिथि डॉ. प्रेम कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि नशामुक्त युवा विकसित भारत के निर्माण के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से नशे से पूरी तरह दूर रहने तथा अपने परिवार एवं समाज में भी नशामुक्ति का संदेश पहुंचाने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि युवाओं की ऊर्जा और प्रतिभा का सकारात्मक दिशा में उपयोग ही देश को विकसित भारत के लक्ष्य की ओर तेजी से ले जा सकता है। डॉ. प्रेम कुमार ने नशामुक्ति के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए केंद्रीय संचार ब्यूरो, क्षेत्रीय कार्यालय, गया जी द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की है ।इस अवसर पर पूर्व-प्रचार गतिविधियों के तहत आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थियों को भी माननीय अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया

दुग्ध संग्रहण में लगातार वृद्धि, 2 लाख लीटर प्रतिदिन के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा मगध दुग्ध संघ : डॉ. प्रेम कुमार

प्रात : किरण संवाददाता

गया जी ।अध्यक्ष बिहार विधानसभा डॉ. प्रेम कुमार ने गुरुवार को गयाजी जिला अतिथि गृह सभागार में कॉम्फेड के एमडी के साथ मगध दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लिमिटेड, गया के कार्यों एवं योजनाओं की समीक्षा की गई है। समीक्षा बैठक में दुग्ध संग्रहण बढ़ाने, दुग्ध समितियों के विस्तार, पशुपालकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा महिला सहभागिता बढ़ाने सहित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई है।

डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि मगध दुग्ध संघ द्वारा दुग्ध संग्रहण के क्षेत्र में लगातार बेहतर प्रदर्शन किया जा रहा है। वर्तमान में संघ द्वारा प्रतिदिन लगभग 95 हजार लीटर दूध का संग्रहण किया जा रहा है। इसे बढ़ाकर 2 लाख लीटर प्रतिदिन करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए गया, औरंगाबाद, जहानाबाद एवं अरवल जिलों में दुग्ध समितियों का विस्तार एवं उन्हें क्रियाशील बनाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 की प्रथम छमाही में 957 नई दुग्ध समितियों के गठन के लक्ष्य के विरुद्ध अब तक 698 समितियों का गठन किया जा चुका है, जिनमें 250 से अधिक समितियां क्रियाशील हो चुकी हैं। वर्तमान में 1,400 से अधिक क्रियाशील दुग्ध सहकारी समितियां कार्यरत हैं तथा 60 हजार से अधिक पशुपालक किसान संघ से जुड़ चुके हैं ।अध्यक्ष ने कहा कि पशुपालकों को पारदर्शी एवं समयबद्ध भुगतान सुनिश्चित करने के लिए डी ए टी प्रक्रिया को भी गति दी जा रही है। निर्धारित 844 डी सी एस के लक्ष्य के विरुद्ध 430 से अधिक समितियों को डी ए टी के लिए तैयार किया जा चुका है।

डॉ. प्रेम कुमार ने महिला सहभागिता को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि खक्कअ परियोजना के तहत गठित 160 महिला दुग्ध समितियों का दुग्ध संग्रहण पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में महिलाओं की भागीदारी महत्वपूर्ण है और इस दिशा में और अधिक प्रयास किए जाने चाहिए।

उन्होंने बताया कि पशुपालकों को स्थानीय स्तर पर बेहतर पशु स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कॉम्फेड द्वारा प्रत्येक प्रखंड में पशु औषधि केंद्र खोले जा रहे हैं। इसके अलावा 150 से अधिक सुधा सखियों के फॉर्म जमा किए जा चुके हैं।

अध्यक्ष ने कहा कि ग्रामीण परिवारों में स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए पशुपालकों के घरों पर बायोगैस सिस्टम स्थापित कराया जा रहा है। इसके लिए अब तक 140 से अधिक पशुपालकों का चयन किया जा चुका है। इससे पशुपालकों को स्वच्छ ऊर्जा उपलब्ध होने के साथ-साथ जैविक खाद के उपयोग को भी बढ़ावा मिलेगा।

डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि दुग्ध समितियों का विस्तार, पशुपालकों की बढ़ती भागीदारी, महिलाओं की सक्रिय सहभागिता, बेहतर पशु स्वास्थ्य सेवाएं तथा स्वच्छ ऊर्जा की पहल से मगध दुग्ध संघ को नई गति मिली है।

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-2 गया में पीजीटी गणित के लिए दो दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यशाला का शुभारंभ

प्रातः किरण संवाददाता

गया जी ।केंद्रीय विद्यालय संगठन, पटना संभाग द्वारा पी जी टी (गणित) के लिए दो दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-2, गया को प्रदान किया गया है। यह कार्यशाला होटल डेल्टा, बोधगया में 21 एवं 22 अगस्त 2026 को आयोजित की जा रही है ।कार्यशाला का विषय ह्वविविध अधिगमकताओं के लिए शिक्षण रणनीतियाँ, विशेष रूप से सीबी एल, सीबी ए, अनुभवात्मक एवं जिज्ञासा-आधारित अधिगम का गणित कक्षा में प्रयोगह्व है। कार्यक्रम का उद्देश्य गणित शिक्षकों को आधुनिक एवं प्रभावी शिक्षण रणनीतियों से परिचित कराना तथा उन्हें कक्षा-कक्ष में अधिक प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए सक्षम बनाना है ।इस कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि ब्रिगेडियर प्रदीप सिंह, एस एम , ब्रिग एडम एवं चेयरमैन, भी एम सी, केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-2 गया तथा अन्य गणमान्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया है। इस अवसर पर ब्रिगेडियर प्रदीप सिंह, रट ने सभी आगंतुकों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया और गया की धरती को ज्ञान की धरती बताते हुए यहां आयोजित हो रहे इस शैक्षणिक कार्यक्रम की सराहना की है ।दीप प्रज्वलन के पश्चात केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-2 गया के विद्यार्थियों ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया है। इसके बाद कक्षा क की शिक्षा एवं कक्षा की वैष्णवी ने मनमोहक गणेश वंदना प्रस्तुत की है। इस कार्यक्रम का मंच संचालन अंगिका कुसुम, स्नातकोत्तर शिक्षक (अंग्रेजी), केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-2 गया ने किया है ।इस दो दिवसीय कार्यशाला में पटना संभाग के विभिन्न केंद्रीय विद्यालयों से 41 (गणित) शिक्षक शामिल हुए हैं। इनमें 38 प्रतिभागी एवं 3 रिसोर्स पर्सन हैं। रिसोर्स पर्सन के रूप में मनोज सरवन, केंद्रीय विद्यालय नवीनगर; रमाकांत महतो, केंद्रीय विद्यालय क्डउ बरौनी; तथा विनीत कुमार सिन्हा, केंद्रीय विद्यालय कंकरबाग, शिफ्ट-क्क शिक्षकों के साथ अपने अनुभव एवं विशेषज्ञता साझा कर रहे हैं ।उद्घाटन सत्र के पश्चात सी यू एस बी के असिस्टेंट प्रोफेसर शुभ नारायण द्दका अतिथि व्याख्यान आयोजित किया गया है। उनके व्याख्यान में शिक्षण-अधिगम की प्रभावी रणनीतियों एवं आधुनिक शैक्षणिक दृष्टिकोणों पर महत्वपूर्ण जानकारी दी गई।

98 किलोमीटर की कांवर यात्रा के बाद औरंगाबाद की पथ प्रदर्शक सेवा शिविर बना कांवरियों का सहारा

प्रात : किरण संवाददाता

औरंगाबाद। श्रावणी मेला के दौरान सुल्तानगंज से बाबा बैद्यनाथ धाम की कठिन कांवर यात्रा कर पहुंच रहे शिवभक्तों के लिए औरंगाबाद की पथ प्रदर्शक स्वयंसेवी संस्था का निःशुल्क सेवा शिविर राहत का बड़ा केंद्र बना हुआ है। देवघर के कांवरिया पथ स्थित धावाघाट में लगाए गए इस सेवा शिविर में लगातार 23वें दिन भी कांवरियों की सेवा जारी रही। कांधे पर कांवर और उसमें गंगाजल लेकर करीब 98 किलोमीटर की पैदल यात्रा करने वाले कांवरियों के पैरों में छाले, जख्म, सूजन और तेज दर्द की शिकायत आम है। लंबी और कठिन यात्रा के बाद जब थके-हारे कांवरिया धावाघाट स्थित पथ प्रदर्शक के सेवा शिविर में पहुंचते हैं, तो यहां उन्हें निःशुल्क प्राथमिक चिकित्सा के साथ पैरों की थकान दूर करने के लिए आधुनिक फुट मसाजर मशीन से मसाज की सुविधा दी जाती है ।शिविर में जख्म, फोड़ा, सूजन और दर्द से परेशान कांवरियों की प्राथमिक जांच कर मरहम-पट्टी एवं आवश्यक प्राथमिक उपचार भी किया जा रहा है। कई कांवरिया कुछ समय तक शिविर में रुककर पैरों की मसाज कराते हैं और राहत मिलने के बाद अपनी आगे की यात्रा पर निकल पड़ते हैं। पथ प्रदर्शक के संस्थापक सह सचिव बमेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि सुल्तानगंज से देवघर की लगभग 98 किलोमीटर की पैदल कांवर यात्रा आसान नहीं है।

कांधे पर कांवर और गंगाजल लेकर लगातार पैदल चलने के कारण कांवरियों के पैर बुरी तरह थक जाते हैं और कई श्रद्धालु जख्मी भी हो जाते हैं। ऐसे में संस्था का प्रयास है कि सेवा शिविर में पहुंचने वाले अधिक से अधिक शिवभक्तों को राहत और प्राथमिक चिकित्सा उपलब्ध कराई जा सके। उन्होंने बताया कि प्रतिदिन लगभग 800 से 1000 थके, हारे और जख्मी कांवरियों को शिविर में प्राथमिक उपचार, मरहम-पट्टी, पैरों की मालिश और आधुनिक मसाज मशीन से मसाज की सेवा दी जा रही है।

शिविर में आने वाले कांवरियों के लिए सेवा पूरी तरह निःशुल्क है। पथ प्रदर्शक की टीम में शामिल साबिया परवीन, पूजा कुमारी एवं पूनम देवी भी लगातार 23 दिनों से सेवा कार्य में जुटी हुई हैं।

एनसीसी कैंप से प्रतिभाओं को पहचानने का मिलता है अवसर : प्राचार्य सतीश सिंह चंद्र

प्रात : किरण संवाददाता

गयाजी। गया कॉलेज परिसर में 6 बिहार बटालियन एनसीसी की ओर से आयोजित 17वें कंबाइंड एनुअल ट्रेनिंग कैंप के पांचवें दिन सेमिनार का आयोजन किया गया है। इसमें गया कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सतीश सिंह चंद्र ने एनसीसी कैडेटों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रशिक्षण शिविर कैडेटों के लिए सीखने और अपनी प्रतिभा को पहचानने का बेहतर अवसर है। कैंप के दौरान प्रत्येक कैडेट को यह जानने का मौका मिलता है कि उसके अंदर कौन-सी प्रतिभा छिपी हुई है।

उन्होंने कहा कि जीवन में हर परिस्थिति से कुछ न कुछ सीखने का प्रयास करना चाहिए। देश सेवा के लिए किसी विशेष स्थान पर होना जरूरी नहीं है। व्यक्ति जहां है, वहीं से ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ देश की सेवा कर सकता है। उन्होंने कैडेटों से कहा कि वे जीवन में जो भी कार्य करें, उसे पूरी ईमानदारी, अनुशासन और निष्ठा के साथ करें। यही गुण उन्हें एक जिम्मेदार नागरिक और बेहतर इंसान बनाने में मदद करेंगे।

प्राचार्य ने कैडेटों को प्रेरित करने के लिए जंगल में लगी आग की एक कहानी भी सुनाई है। उन्होंने बताया कि जंगल में आग लगने पर एक छोटी-सी चिड़िया अपनी चोंच में पानी भरकर आग बुझाने का प्रयास कर रही थी। भले ही उसके प्रयास छोटे थे, लेकिन उसने अपनी क्षमता के अनुसार जिम्मेदारी निभाने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि इससे सीख मिलती है कि किसी भी बड़े कार्य में हर व्यक्ति का छोटा-सा योगदान भी महत्वपूर्ण होता है ।इस कार्यक्रम के अंत में 6 बिहार बटालियन एनसीसी के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल पंकज कुमार, कीर्ति चक्र ने गया कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सतीश सिंह चंद्र को स्मृति चिह्न (मोमेंटो) देकर सम्मानित किया। कैंप में शामिल कैडेटों ने सेमिनार के दौरान दिए गए संदेशों को ध्यानपूर्वक सुना और उन्हें अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया।

इनर व्हील क्लब ऑफ गया सनराइज द्वारा 20 अगस्त 2026 को ज्ञान भारती वर्ल्ड स्कूल, गया में विशेष सावन समारोह का हुआ आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

गया। सावन की हरियाली, भारतीय परंपराओं और नारी सम्मान की भावना को समर्पित एक सराहनीय पहल के तहत इनर व्हील क्लब ऑफ गया सनराइज द्वारा 20 अगस्त 2026 को ज्ञान भारती वर्ल्ड स्कूल, गया में विशेष सावन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय की 15 महिला सहयोगी कर्मचारियों को हरे रंग की साड़ी, चूड़ियां, सिंदूर एवं बिंदी भेंट कर उनके समर्पित योगदान के प्रति आभार व्यक्त किया गया है।

हरे रंग की साड़ी और पारंपरिक श्रृंगार सामग्री सावन की हरियाली, उमंग और भारतीय संस्कृति का प्रतीक बनी है। इस पहल का उद्देश्य केवल त्योहार मनाना नहीं, बल्कि विद्यालय के सहयोगी स्टाफ के अथक परिश्रम को सम्मान देना, उनके चेहरे पर मुस्कान लाना तथा आपसी स्नेह, सम्मान और अपनत्व की भावना को मजबूत करना था। उपहार पाकर महिला सहयोगी कर्मचारियों के चेहरों पर खुशी झलक उठी और पूरा वातावरण आत्मीयता एवं उत्साह से भर गया।

क्लब की अध्यक्ष श्रीमती मधु प्रिया ने कहा, ह्लसावन प्रकृति, परंपरा और नारीत्व के उत्सव का प्रतीक है। यह छोटा-सा प्रयास हमारी महिला सहयोगी कर्मचारियों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने और उन्हें विशेष होने का एहसास कराने की एक भावपूर्ण पहल है ।ह्व

क्लब की सचिव श्रीमती स्नेहा शाही ने कहा, ह्लवही उत्सव सार्थक है, जो दूसरों के जीवन में खुशी लेकर आए हैं। सावन की खुशियां साझा कर हम अपने विद्यालय परिवार के बीच स्नेह, सम्मान और एकजुटता के रिश्ते को और मजबूत कर रहे हैं।

इनर व्हील क्लब ऑफ गया सनराइज की यह पहल सेवा, सम्मान और संवेदनशीलता का सुंदर उदाहरण बनी और सावन के पर्व को खुशियां बांटने तथा महिला सम्मान से जोड़ते हुए एक यादगार संदेश दिया ।प्रेस विज्ञप्ति के लिए इसे इस प्रकार लिख सकते हैंः

डॉ. सादिया सूरी एवं श्रीमती शाज़िया हबीब ने सहयोगी कर्मचारियों को साड़ियाँ भेंट कर उनके बहुमूल्य योगदान एवं सेवाओं के लिए आभार व्यक्त किया है।

गुलनार निःशुल्क महिला सिलाई सेंटर में दो दिवसीय राखी मेकिंग प्रतियोगिता का भव्य आयोजन

■ महिलाओं और युवतियों ने दिखाई अद्भुत रचनात्मकता

प्रात : किरण संवाददाता

गया। नारियों के स्वावलंबन की दिशा में निरंतर कार्य करने वाली संस्था गुलनार निःशुल्क महिला सिलाई सेंटर के प्रधान कार्यालय में शुक्रवार से दो दिवसीय राखी मेकिंग प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ हुआ है.जो शनिवार तक चलेगी। इस प्रतियोगिता में ममता, कविता, गुनगुन, ज्योति, शशि, सपना, जीवा प्रवीण, रानी देवी, सरिता, रिया, पूजा कुमारी, सोनी कुमारी, अनिता देवी, रेनू देवी, मुस्कान, काजल, अंजलि और गुड़िया आदि छात्राओं ने उत्साह पूर्वक भाग लिया है.

प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागियों ने अपनी सृजनात्मक क्षमता का बेहतरीन परिचय देते हुए बेहद कलात्मक और सुंदर राखियां तैयार कीं. राखी निर्माण में रेशम और सूती धागे, चमकदार मोती, कुंदन, जरी, लेस, स्टोन, रंगीन फोम शीट और चमकीले गत्ते जैसी विभिन्न सामग्रियों का उपयोग किया गया, जिससे मनमोहक राखियां तैयार की.

इस आयोजन की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि इसमें अन्य धर्मों की महिलाओं ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और गंगा-जमुनी तहजीब की एक बेहतरीन मिसाल पेश की. मुस्लिम समुदाय से जुड़ी छात्रा जेवा प्रवीण ने बताया कि वे पहली बार राखी बनाना सीख रही हैं और कला सीखने की कोई सीमा नहीं होती, यह अनुभव उन्हें बेहद अच्छा लग रहा है. वहीं, एक अन्य मुस्लिम छात्रा मुस्कान ने भी अपनी कला का शानदार प्रदर्शन किया है ।प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि कविता कुमारी ने बताया कि वे खुद राखी बनाकर अपने भाइयों की कलाई पर बांधेंगी. पहली बार राखी बनाने सीख रही हूं. रिया केसरी ने कहा कि इससे नई बातें सीखने का अवसर मिलता है

नगर प्रखंड के जन वितरण प्रणाली विक्रेताओं ने की बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

गया जी ।फेयर प्राइस डीलर एसोसिएशन शाखा गया जी सदर अनुमंडल अंतर्गत नगर प्रखंड के जन वितरण प्रणाली विक्रेताओं की आपातकालीन बैठक कुजाप स्थित जन वितरण प्रणाली के विक्रेता नगर प्रखंड के प्रखंड सचिव धर्मेंद्र कुमार वर्मा के आवास पर किया गया है ।जिसकी अध्यक्षता नगर प्रखंड के प्रखंड अध्यक्ष मोहम्मद साजिद के द्वारा किया गया है इस बैठक का विचारणीय विषय यह 24 अगस्त 2026 को पटना के गर्दनीबाग स्थित महा धरना प्रदर्शन में भाग लेने पर किया विचार विमर्श किया गया है तथा शत प्रतिशत विक्रेताओं को उपस्थिति हेतु कार्य योजना तैयार किया गया है बैठक में उपस्थित सभी विक्रेताओं ने सरकार के समक्ष लंबित मांगों के एक वर्ष बीतने के बाद नहीं पूरा करने एवं वादा खिलाफी के विरोध में 80 वर्षीय जन वितरण विक्रेता श्री अंबिका यादव ने बिहार के 55000 विक्रेताओं को आवाहन कर 24 अगस्त 2026 को सरकार से वार्ता कर मांग को पूरा करने हेतु महा धरना एवं महापंचायत का आयोजन गर्दनीबाग पटना में किया गया है। इस धरना प्रदर्शन को सफल बनाने हेतु नगर प्रखंड के शत प्रतिशत विक्रेतागण जिला अध्यक्ष महेंद्र कुमार सिंह एवं जिला महामंत्री डॉ विजय कुमार यादव के नेतृत्व में जाने का निर्णय लिया गया है साथ ही साथ विक्रेतागण को यह भी निर्देशित किया गया है कि गया से पटना आने जाने के लिए उत्तम व्यवस्था ट्रेन मार्ग ही है फिर भी जो साथी छोटा वाहन से जाना चाहेंगे उसकी व्यवस्था टोली बनाकर स्वयं कर लेंगे हर हाल में जात-पात गुटबाजी से ऊपर उठकर महा धरना को सफल बनाएं इस बैठक में मोहम्मद साजिद, धर्मेंद्र कुमार आदि हैं।

भूगोल विभाग में शैक्षणिक वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

गया जी ।जगजीवन कॉलेज के भूगोल विभाग द्वारा स्नातकोत्तर भूगोल के विद्यार्थियों के लिए बीसीए सेमिनार हॉल में शैक्षणिक वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। प्रतियोगिता का विषय ह्लपर्यावरण प्रबंधन एवं सतत विकास में भूगोल की भूमिकाह्व था। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साह और सक्रियता के साथ भाग लिया है। प्रतिभागियों ने विषय पर अपने विचार रखते हुए पर्यावरण संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों के प्रबंधन, जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता संरक्षण तथा सतत विकास जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपने तर्क प्रस्तुत किए हैं इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर रितिक राज, द्वितीय सुशांत राज, तृतीय रौशन कुमार को घोषित किया गया। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में गया कॉलेज, गया जी के डॉ. सोमनाथ, जगजीवन कॉलेज के हिंदी विभाग के डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. संगीता कुमारी (दर्शनशास्त्र विभाग) और डॉ. धर्मेंद्र कुमार (गणित विभाग) शामिल थे। भूगोल विभागाध्यक्ष डॉ. अंकना के मार्गदर्शन में सफल हुए आयोजन में उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति का एक महत्त्वपूर्ण भाग यह है कि विद्यार्थियों में पाठ्यक्रम के साथ कौशल संवर्धन गतिविधियों के माध्यम से उनमें समाज एवं स्वयं को देखने के प्रति संवेदनशील बनाया जाए। परीक्षा नियंत्रक डॉ. मनीष कुमार सिंह ने कहा कि कॉलेज में शैक्षिक गतिविधियों के संवर्धन में ऐसे कार्यक्रमों की बहुत बड़ी भूमिका होती है। उन्होंने प्रतियोगिता के आयोजन के लिए भूगोल विभाग को साधुवाद दिया है।

भूगोल विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. सत्येंद्र सिंह चंद्र ने कार्यक्रम के संचालन एवं समन्वय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों में प्रतियोगिता के प्रति उत्साह को देखने से यह साबित होता है कि वे अपनी जवाबदेही को खूब समझते हैं। भूगोल विभाग विद्यार्थियों के हित में ऐसे कार्यक्रमों का नियमित तौर पर आयोजन करता रहेगा।

गया जंक्शन पर कांवरियों के लिए चलंत टिकट व्यवस्था, प्रतिदिन 440 यात्री ले रहे टिकट

■ एम-यूटीएस से सुल्तानगंज जाने वाले यात्रियों को मिल रही सुविधा, डीडीयू मंडल ने दर्ज की बेहतर टिकट बिक्री

प्रात : किरण संवाददाता

गया जी। सावन माह में बाबा बैद्यनाथ धाम जाने वाले कांवरियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए गया जंक्शन पर रेल प्रशासन ने चलंत टिकट व्यवस्था शुरू की है। गया-हावड़ा ट्रेन संख्या 13024 के समय प्लेटफॉर्म संख्या वन-सी के समीप चेकिंग प्वाइंट के पास मोबाइल अनरिजर्व्ड टिकटिंग सिस्टम (एमयूटीएस) के माध्यम से यात्रियों को टिकट उपलब्ध कराया जा रहा है। इससे कांवरियों को टिकट के लिए बुकिंग काउंटर पर लंबी कतार में लगने से राहत मिल रही है। गया जंक्शन के टिकट बुकिंग सुपरवाइजर के अनुसार, 1 से 20 अगस्त तक सुल्तानगंज जाने वाले कांवरियों के लिए एमयूटीएस से टिकट जारी किए गए। इस दौरान प्रतिदिन औसतन 440 यात्री टिकट ले रहे हैं और करीब 38 हजार रुपये प्रतिदिन राजस्व प्राप्त हो रहा है। सुल्तानगंज के लिए एम-यूटीएस से टिकट बिक्री के मामले में डीडीयू मंडल अन्य रेल मंडलों से आगे बताया जा रहा है। टिकट बिक्री बढ़ने से रेलवे को प्रतिदिन करीब 50 हजार रुपये तक अतिरिक्त राजस्व मिलने की बात भी कही गई है।

डीडीयू रेल मंडल के डीआरएम उदय सिंह मीणा के निर्देश पर वरीय मंडल वाणिज्य प्रबंधक राजीव रंजन के मॉनिटरिंग में गया जंक्शन के चित आर आरआर सिंह अपने ते और टच के साथ आफ तथा कमर्शियल विभाग के सहयोग से कराए जा रहे चलंत टिकट सुविधा का कांवरियों ने स्वागत किया है।

विशेष रूप से महिला कांवरियों ने इस पहल की सराहना करते हुए रेल प्रशासन के प्रति आभार जताया है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार कई यात्रियों में यह भ्रांति थी कि बोलबम यात्रा के लिए रेल टिकट लेना जरूरी नहीं है। ऐसे यात्रियों को समझाकर टिकट लेने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इसके बाद कांवरियों ने आसानी से टिकट लेकर अपनी यात्रा शुरू की ।व्यवस्था को सफल बनाने में बुकिंग स्टाफ, चेकिंग स्टाफ और आरपीएफ कर्मियों की संयुक्त भूमिका है। कर्मचारियों को निर्देश दिया गया है कि कांवरियों के साथ किसी प्रकार की जोर-जबरदस्ती या दुर्व्यवहार नहीं किया जाए।

विद्यार्थी सहयोग शिविर के सफल आयोजन हेतु संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को दिया गया प्रशिक्षण

प्रात : किरण संवाददाता

बेतिया। जिला पदाधिकारी तरनजोत सिंह के निर्देश के आलोक में शुक्रवार को समाहरणालय सभागार में विद्यार्थी सहयोग शिविर के सफल एवं प्रभावी आयोजन को लेकर संबंधित कार्यालय प्रधान, सभी नोडल पदाधिकारी एवं कर्मियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थी सहयोग कार्यक्रम की कार्यप्रणाली एवं शिविर के माध्यम से विद्यार्थियों की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी समाधान से संबंधित विभिन्न पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में एल-1, एल-2 एवं एल-3 स्तर के पदाधिकारियों की भूमिका एवं दायित्व, स्टूडेंट रजिस्ट्रेशन, स्टूडेंट डैशबोर्ड, रजिस्ट्रेशन ऑफ ग्रीवांस, ट्रैक ग्रीवांस स्टेटस, वेरिफिकेशन ऑफ आइडेंटिटी, स्टूडेंट आइडेंटिटी अप्रूवल, एस्केलेशन मैट्रिक्स एवं विभिन्न प्रकार की रिपोर्ट तैयार करने की प्रक्रिया के संबंध में प्रायोगिक जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त काजले वैभव नितिन ने कहा कि विद्यार्थी सहयोग शिविर का उद्देश्य विद्यार्थियों की समस्याओं एवं शिकायतों का त्वरित, पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से समाधान सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि सभी संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी अपने दायित्वों को पूरी गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ निभाएं, ताकि शिविर में आने वाले विद्यार्थियों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की शिकायतों के निष्पादन में समयबद्धता एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान अत्यंत महत्वपूर्ण है। शिकायत प्राप्त होने से लेकर उसके समाधान एवं फीडबैक तक की पूरी प्रक्रिया की नियमित निगरानी की जाए। उन्होंने एल-1, एल-2 एवं एल-3 स्तर पर निर्धारित जिम्मेदारियों का प्रभावी ढंग से निर्वहन सुनिश्चित करने तथा आवश्यकता पड़ने पर एस्केलेशन मैट्रिक्स के अनुरूप शिकायतों को उच्च स्तर पर भेजने का निर्देश दिया। उप विकास आयुक्त ने सभी नोडल पदाधिकारियों एवं कर्मियों को प्रशिक्षण में प्राप्त जानकारी का बेहतर उपयोग करते हुए शिविर को सफल बनाने तथा अधिकाधिक विद्यार्थियों को इसका लाभ दिलाने का निर्देश दिया। प्रशिक्षण के दौरान संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को पोर्टल एवं एप की विभिन्न सुविधाओं का डेमो के माध्यम से भी अवलोकन कराया गया तथा विद्यार्थियों के पंजीकरण, पहचान सत्यापन एवं शिकायतों के अनुश्रवण की प्रक्रिया को व्यवहारिक रूप से समझाया गया। इस अवसर पर संबंधित कार्यालय प्रधान, नोडल पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

71वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल एवं बिहार पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में 88,000 की संदिग्ध जाली भारतीय मुद्रा बरामद

प्रात : किरण संवाददाता

मोतिहारी गुरुवार को प्रफुल्ल कुमार, कमांडेंट, 71वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, मोतिहारी के निर्देश में सीमा चौकी महुअवा को वाहिनी की आसूचना प्राप्त हुई कि मोतिहारी से जाली भारतीय मुद्रा नोट (जभामुनो) लेकर उसे तस्करी के उद्देश्य से ले जाने वाला है। प्राप्त सूचना की गंभीरता को देखते हुए 71वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल द्वारा तत्काल लखौरा थाना, पूर्वी चंपारण के साथ सूचना साझा की गई। इसके बाद उपनिरीक्षक रिषभ सिंह रावत के नेतृत्व में 03 अन्य कार्मिकों तथा बिहार पुलिस के 01 अधिकारी एवं 02 अन्य कार्मिकों को शामिल करते हुए एक संयुक्त अभियान दल का गठन किया गया। संयुक्त अभियान दल द्वारा मोतिहारीलखौरा मार्ग पर पहुंचकर संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की निगरानी के लिए प्रभावी नाका लगाया गया। दल द्वारा तत्परता से मोटरसाइकिल को रुकने का संकेत दिया गया, जिसके बाद दोनों व्यक्तियों को रोककर आवश्यक पूछताछ की गई। पूछताछ के दौरान दोनों व्यक्तियों ने अपना परिचय दिया ।।1. शेख नूर आलम, पिता-शेख मुलाजिम, उम्र-38 वर्ष, ग्राम-बसवरिया, थाना-चिरैया, जिला-पूर्वी चंपारण, बिहार। 2. मो. इस्तकार, पिता-मो. शफीक मियां, उम्र-35 वर्ष, ग्राम-महुआवा, थाना-चिरैया, जिलापूर्वी चंपारण, बिहार। इसके उपरांत घटना की सूचना सुनील कुमार, अंचल अधिकारी (उड), सदर, मोतिहारी को दी गई। उनकी उपस्थिति में दोनों संदिग्ध व्यक्तियों की नियमानुसार तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान शेख नूर आलम के कब्जे से ₹88,000/- (अट्ठासी हजार रुपये मात्र) मूल्य की संदिग्ध जाली भारतीय मुद्रा बरामद हुई। बरामद मुद्रा में 500 मूल्यवर्ग के कुल 176 नोट शामिल थे। पार्टी कमांडर एवं संयुक्त अभियान दल द्वारा बरामद नोटों की बारीकी से जांच की गई। जांच के दौरान नोटों की मुद्रण गुणवत्ता फीकी प्रतीत होने तथा कई नोटों पर समान क्रम संख्या अंकित होने जैसी संदिग्ध विसंगतियां पाई गईं। इन प्रारंभिक जांचों के आधार पर उक्त मुद्रा के FICN (Fake Indian Currency Notes) होने का प्रथम दृष्टया संदेह उत्पन्न हुआ। नियमानुसार आवश्यक प्रक्रिया का पालन करते हुए बरामद संदिग्ध मुद्रा को लगभग 2305 बजे जब्त किया गया। जब्त की गई मुद्रा एवं दोनों संदिग्ध व्यक्तियों को आगे की आवश्यक कानूनी कार्रवाई हेतु लखौरा थाना, पूर्वी चंपारण को सुपुर्द करने की प्रक्रिया की जा रही है। बरामद नोटों की वास्तविक प्रकृति एवं मामले से जुड़े अन्य तथ्यों की पुष्टि संबंधित जांच एवं विधिक प्रक्रिया के माध्यम से की जाएगी। यह कार्रवाई भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र में आसूचना आधारित संयुक्त अभियान, प्रभावी नाका व्यवस्था तथा SSB एवं बिहार पुलिस के बीच बेहतर समन्वय का परिणाम है। 71वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, मोतिहारी द्वारा भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र में राष्ट्र की सुरक्षा, अवैध तस्करी पर प्रभावी नियंत्रण तथा सीमावर्ती क्षेत्रों में कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग के लिए इस प्रकार के अभियान निरंतर जारी रहेंगे।

संक्षिप्त खबरें

चेक बाउंस मामले में गिरफ्तार जनता टेलीविजन के अध्यक्ष विजय पौडेल लेनदेन के बाद रिहा

बगहा। नेपाल के चर्चित चेक बाउंस मामले में गिरफ्तार जनता टेलीविजन के अध्यक्ष विजय कुमार पौडेल को पीड़ित पक्ष के साथ लेनदेन और समझौते के बाद रिहा कर दिया गया। पौडेल की गिरफ्तारी चेक अनादर (चेक बाउंस) से जुड़े मामले में हुई थी। मामले में पीड़ित पक्ष के साथ आर्थिक लेनदेन पूरा होने के बाद दोनों पक्षों के बीच समझौता हुआ, जिसके बाद पौडेल को राहत मिली। बतादें, पौडेल को इससे पहले काठमांडू स्थित जनता टेलीविजन के कार्यालय से पुलिस ने गिरफ्तार किया था। रिपोर्टों के मुताबिक सिंहदरबार पुलिस वृत्त की टीम ने उन्हें चेक बाउंस मामले में नियंत्रण में लिया था। शिकायत दो पूर्व कर्मचारियों की ओर से की गई थी और मामला करीब 17 लाख 50 हजार नेपाली रुपये के चेक बाउंस से संबंधित बताया गया था। मामले की पृष्ठभूमि जनता टेलीविजन से जुड़े पूर्व कर्मचारियों के वित्तीय लेनदेन से जुड़ी बताई गई। शिकायतकताओं का आरोप था कि उन्हें भुगतान के लिए जारी किए गए चेक बैंक में प्रस्तुत करने पर भुगतान नहीं हो सका। इसके बाद चेक अनादर से संबंधित कानूनी प्रक्रिया शुरू की गई और पुलिस ने मामले में पौडेल को गिरफ्तार किया।

यूवक का पेड़ से लटका मिला शव, हत्या या आत्महत्या सुलझाने में जुटी पुलिस

चनपटिया। ए.के. सिंह गोपालपुर थाने के घोघा तिवारी टोला में लापता यूवक का शव पेड़ पर फंदे से लटकता मिला है। मृत यूवक पच्चीस बंटी तिवारी गुरुवार के देर शाम दुकान से मोबाइल लाने की बात परिजनों से कहकर पैदल घर से चौक के लिए निकला पड़ा।, कुछ देर बाद वह घर नहीं लौटा तो परिजनों ने रातभर उसकी तलाश में जुटे रहे। शुक्रवार की सुबह उसके घर से कुछ मीटर की दूरी पर गन्ने के खेत में आम के पेंड़ से लटका उसका शव मिला। मृतक के परिजनों ने हत्या कर शव को पेंड़ से लटकाने की आशंका जताई है। गोपालपुर थानाध्यक्ष अंकित कुमार ने बताया कि बंटी के शव का पोस्टमार्टम करा परिजनों को सौंप दिया गया है। मृतक घोघा तिवारी टोला के राधेश्याम तिवारी का पुत्र बंटी तिवारी है । घटना की सूचना पर पहुंची विधि विज्ञान प्रयोगशाला की टीम ने साक्ष्य एकत्रित कर लिया है। एफएसएल जांच एवं पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के उपरांत ही मौत के कारणों का खुलासा होगा। बरहाल पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच में जुटी है।

पति से विवाद के बाद नदी में कूदी महिला की मौत

बगहा। धनहा थाना क्षेत्र के बिहार-उत्तर प्रदेश सीमा पर स्थित बांसी पुल के पास गुरुवार को नदी में डूबने से एक महिला की मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर पहुंची धनहा थाना पुलिस और स्थानीय लोगों ने करीब एक घंटे तक नदी में तलाश अभियान चलाया। काफी मशक्कत के बाद महिला का शव बरामद किया गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृत महिला की पहचान धनहा थाना क्षेत्र के खोताहवा गांव निवासी छेदी डोम की पत्नी तारा देवी के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि महिला अपने पति के साथ उत्तर प्रदेश की सीमा में गई थी। इसी दौरान किसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया। इसके बाद महिला के नदी में कूदे जाने की बात सामने आई, आसपास के लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। घटना की जानकारी मिलते ही धनहा थाना पुलिस के साथ उत्तर प्रदेश सीमा की पुलिस भी मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्थानीय लोगों और गोताखोरों की मदद से नदी में तलाश अभियान शुरू कराया। हालांकि नदी में बड़ी मात्रा में जलकुंभी फैली होने के कारण तलाशी अभियान में काफी परेशानी हुई। पुलिस के अनुसार घटना के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

काला बिल्ला लगाकर ड्यूटी पर रहे प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी, मांगों को लेकर जताया सांकेतिक विरोध

प्रात : किरण संवाददाता

मोतिहारी। बिहार आपूर्ति सेवा संघ के आह्वान पर जिले के आपूर्ति विभाग के पदाधिकारियों ने 20 अगस्त से 26 अगस्त तक काला बिल्ला लगाकर सांकेतिक विरोध दर्ज कराया। इस दौरान पदाधिकारियों ने अपनी विभिन्न मांगों और विभागीय समस्याओं की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट कराया। संघ की ओर से जारी पत्र में कहा गया है कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के संचालन के साथ-साथ आपूर्ति विभाग के अधिकारियों को विधि-व्यवस्था, निर्वाचन, सामाजिक सुरक्षा सहित कई अतिरिक्त जिम्मेदारियां सौंपी जा रही हैं। इसके बावजूद कार्यों के सुचारू निष्पादन के लिए आवश्यक संसाधन और सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराई जा रही हैं। संघ की प्रमुख मांगों में वेतन विसंगति को समाप्त करना, प्रत्येक प्रखंड में सरकारी वाहन उपलब्ध कराना तथा राशन कार्ड निर्माण एवं ई-केवाईसी से जुड़े कार्यों के लिए निर्धारित समय-सीमा का पालन करना शामिल है। इसके अलावा लंबित आवेदनों का शीघ्र निष्पादन और तकनीकी सुविधाएं उपलब्ध कराने की भी मांग की गई है। संघ ने कहा कि बड़ी संख्या में राशन कार्ड से संबंधित आवेदन लंबित हैं, जबकि इनके निष्पादन के लिए पर्याप्त मानव संसाधन उपलब्ध नहीं है। आपूर्ति कार्यालयों में पर्याप्त कंप्यूटर, स्कैनर एवं अन्य जरूरी संसाधनों की कमी भी कार्यों में बाधा बन रही है। कई कार्यालयों में कर्मचारियों के बैठने और काम करने तक की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने की बात कही गई है। आपूर्ति सेवा संघ ने विभागीय स्तर पर पूर्व में स्वीकृत कार्यालयीय व्यवस्था को शीघ्र लागू करने की मांग की है। पदाधिकारियों का कहना है कि पर्याप्त संसाधन और सुविधाएं मिलने से आम लोगों से जुड़े राशन कार्ड, ई-केवाईसी और जनवितरण प्रणाली के कार्यों का समय पर निष्पादन सुनिश्चित किया जा सकेगा।

71वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल मोतिहारी द्वारा कार्रवाई

प्रात : किरण संवाददाता

मोतिहारी शुक्रवार को लगभग 0750 बजे सीमा चौकी अगरवा को वाहिनी की आसूचना शाखा से सूचना प्राप्त हुई कि अगरवा गांव के क्षेत्र से यूरिया खाद एवं अन्य प्रतिबंधित सामान की नेपाल की ओर तस्करी की जा रही है। सूचना के आधार पर समवाय प्रभारी द्वारा बाह्य सीमा चौकी रेगानिया को सूचित करते हुए विशेष गश्ती दल का गठन कर त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए गए। सहायक उप निरीक्षक दिलीप रबि दास के नेतृत्व में तीन अन्य कार्मिकों को शामिल कर विशेष गश्ती दल रवाना किया गया। आसूचना के आधार पर गश्ती दल द्वारा संदिग्ध स्थान पर पहुंचकर निगरानी की गई। इस दौरान कुछ व्यक्तियों को साइकिल पर तथा कुछ व्यक्तियों को सिर पर लादकर यूरिया खाद के बोरे एवं अन्य सामान भारत से नेपाल की ओर ले जाते हुए देखा गया। सुरक्षा बल के जवानों को देखते ही तस्करों ने नेपाल की ओर भागने का प्रयास किया। पीछा करने पर कुछ व्यक्ति साइकिल एवं सामान छोड़कर नेपाल की ओर भाग गए, जबकि दो व्यक्तियों को मौके पर पकड़ लिया गया। पकड़े गए व्यक्तियों की पहचान प्रभु मुखिया के पुत्र, उम्र 18 वर्ष तथा अमीरखा मुखिया, पुत्र जयराम मुखिया, उम्र 19 वर्ष, दोनों निवासी ननसागरा घाट, डाकघर एवं थाना सिमरौनगढ़, जिला बारा, मधेश प्रदेश, नेपाल के रूप में हुई। दोनों से सामान से संबंधित वैध दस्तावेज एवं बिल प्रस्तुत करने को कहा गया, लेकिन वे कोई संतोषजनक उत्तर अथवा वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। कार्रवाई के दौरान 19 बोरा भारत निर्मित यूरिया खाद (प्रति बोरा 45 किलोग्राम), कुल 855 किलोग्राम यूरिया, 50 किलोग्राम खैनी तथा 04 साइकिल बरामद कर सीमा शुल्क अधिनियम के प्रावधानों के तहत जब्ती की कार्रवाई की गई।

बाघ हमले में मृत विजय हलदार के परिजनों को मिला 10 लाख रुपये मुआवजा

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। वाल्मीकिनगर वन प्रक्षेत्र अंतर्गत भेड़िहरी गांव निवासी विजय हलदार की बाघ के हमले में हुई मौत के बाद वन विभाग ने उनके परिजनों को 10 लाख रुपये की मुआवजा राशि प्रदान की। वन विभाग की टीम ने मृतक के घर पहुंचकर पीड़ित परिवार को निर्धारित मुआवजा राशि सौंपी। मुआवजा वितरण के दौरान सहायक वन संरक्षक, वनपाल, वनरक्षी, पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि, ईडीसी अध्यक्ष सहित गांव के गणमान्य लोग मौजूद रहे। विभागीय अधिकारियों ने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर उन्हें हरसंभव सहयोग का भरोसा भी दिलाया। बतादें कि विजय हलदार की 15 अगस्त को बाघ के हमले में मौत हुई थी। घटना के बाद वन विभाग की ओर से पीड़ित परिवार को नियमानुसार मुआवजा देने की प्रक्रिया शुरू की गई थी। शुक्रवार को विभागीय अधिकारियों ने मृतक के घर पहुंचकर 10 लाख रुपये की मुआवजा राशि प्रदान की।

दुर्गम दोन क्षेत्र में परंपरागत हरियाली वरना पर्व की धूम

बगहा। बगहा क्षेत्र के दुर्गम दोन इलाके में सदियों पुरानी परंपरा से जुड़ा हरियाली वरना पर्व धूमधाम और आस्था के साथ मनाया गया। इस अवसर पर ग्रामीणों ने हरहा नदी के तट पर पहुंचकर विधि-विधान के साथ पूजा-अनुष्ठान किया। पर्व को लेकर ग्रामीणों में सुबह से ही उत्साह का माहौल रहा। बड़ी संख्या में लोग नदी किनारे एकत्र हुए और पारंपरिक तरीके से पूजा कर क्षेत्र की खुशहाली एवं अच्छी फसल की कामना की। बतादें, हरहा नदी के तट पर आयोजित धार्मिक अनुष्ठान के दौरान ग्रामीणों ने अपनी परंपरा के अनुसार पूजा-अर्चना की। पूजा के बाद मौके पर सामूहिक भोज का भी आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्र के लोगों ने मिलकर प्रसाद ग्रहण किया। दुर्गम और जंगल-पहाड़ से घिरे दोन क्षेत्र में आज भी कई ऐसी पारंपरिक मान्यताएं और रीति-रिवाज जीवित हैं, जिन्हें ग्रामीण पीढ़ियों से निभाते आ रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि हरियाली वरना पर्व की सबसे खास परंपरा यह है कि पर्व के दौरान दो दिनों तक किसान खेतों में काम करने के लिए नहीं जाते हैं।

वर्षो पुराना मामला फिर से गरमाया पूर्व विधायक राजेश सिंह ने उठाए सवाल

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। वर्षो से चले आ रहा पुराना मामला एक बार फिर से गरमाने लगा है। तेज आंधी के दौरान 33 हजार वोल्ट विद्युत लाइन का टावर गिरने के मामले को लेकर पूर्व विधायक एवं किसान नेता राजेश सिंह ने बिजली विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लेते हुए उन्होंने कहा कि इस मामले की पूरी जानकारी मुख्यमंत्री को भी दी जाएगी। उन्होंने टावर के निर्माण और उसकी मजबूती को लेकर जांच की जरूरत जताई। पूर्व विधायक राजेश सिंह ने कहा कि आंधी-तूफान के दौरान क्षेत्र में कई स्थानों पर बिजली के तार और अन्य संरचनाएं प्रभावित हुईं, लेकिन जिस तरह यह 33 हजार वोल्ट का टावर गिरा है, उससे कई सवाल खड़े होते हैं। उन्होंने सवाल किया कि जब आंधी में क्षेत्र के अन्य टावर नहीं गिरे तो यही टावर क्यों गिर गया? राजेश सिंह ने बिजली विभाग के अधिकारियों से टावर की गुणवत्ता और निर्माण में इस्तेमाल की गई सामग्री की जांच कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि यदि किसी बड़े विद्युत ढांचे के निर्माण में गुणवत्ता से समझौता हुआ है तो इसकी जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। पूर्व विधायक ने कहा कि वह इस पूरे मामले की जानकारीइं मुख्यमंत्री तक पहुंचाएंगे। उन्होंने कहा कि जनता के पैसे से तैयार होने वाली विद्युत परियोजनाओं में यदि किसी प्रकार की अनियमितता या लापरवाही सामने आती है तो इसकी जांच जरूरी है।

बलथर में 161.29 किलो गांजा जब्त, तीन तस्कर गिरफ्तार

इंडो-नेपाल सीमा पर तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए बलथर पुलिस ने भारी मात्रा में गांजा बरामद किया है। पुलिस ने दो कारों से 161.29 किलो गांजा जब्त करने के साथ मौके से तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। बरामद गांजे की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 1 करोड़ 62 लाख रुपये आंकी गई है। पुलिस को सूचना मिली थी कि दो कारों के जरिए गांजे की बड़ी खेप भारतीय क्षेत्र के दूसरे हिस्सों में पहुंचाई जा रही है। सूचना के आधार पर पुलिस ने संभावित रास्तों पर निगरानी और नाकेबंदी बढ़ा दी। इसी दौरान गैस गोदाम के पास सिकटा की ओर से दो संदिग्ध कारें आती दिखाई दीं। पुलिस टीम ने दोनों वाहनों को रुकने का इशारा किया। तलाशी के दौरान कारों से 17 बंडलों में रखा 161.29 किलो गांजा बरामद हुआ।

200 साल पुरानी परंपरा: महामारी से गांव की रक्षा के लिए सात गांवों में भिक्षा मांगती हैं थारू महिलाएं

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। आदिवासी बहुल हरनाटांड़ क्षेत्र में थारू जनजाति की प्रकृति और परंपराओं से जुड़ी आस्था आज भी कायम है। बगहा-2 प्रखंड के महुअवा कटहरवा पंचायत स्थित कटैया गांव में करीब 200 वर्षों से चली आ रही सावनाही पूजा की परंपरा इस वर्ष भी विधि-विधान से निभाई गई। पूजा के तहत महिलाओं ने 20-20 की टोलियां बनाकर अमवा, कटहरवा, लौकरिया, मोहना, सेहरा, हरनाटांड़ और छत्रौल समेत सात गांवों में घर-घर जाकर भिक्षा मांगी। एकत्र किए गए चावल को बेचकर प्राप्त राशि से पूजा सामग्री और मिठाइयां खरीदी गईं। इसके बाद देर शाम गांव में सामूहिक रूप से पूजा-अर्चना की गई। ग्रामीणों के अनुसार करीब 200 वर्ष पहले गांव में चेचक, हैजा और तेज बुखार जैसी महामारियों का प्रकोप था। बुजुर्गों से मिली जानकारी के मुताबिक उसी दौरान बैहरी गढ़ी माई ने सपने में सात गांवों में भिक्षाटन कर पूजा करने का संदेश दिया था। इसके बाद शुरू हुई यह परंपरा आज भी पीढ़ी-दर-पीढ़ी जारी है। बतादें, ग्रामीणों की मान्यता है कि सावन में होने वाली इस पूजा से गांव में सुख-शांति, समृद्धि बनी रहती है और बीमारियों का संकट टलता है। पूजा में गांव के बुजुर्ग पुरुष विधि-विधान कराते हैं, जबकि पूरी परंपरा को आगे बढ़ाने में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है।

17.28 लीटर विदेशी शराब के साथ युवक गिरफ्तार, बाइक जब्त

- नौरंगिया पुलिस की कार्रवाई, सीट के नीचे छिपाकर शराब ले जा रहा था आरोपी; पहले भी शराब मामले में जा चुका है जेल

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। नौरंगिया थाना पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक युवक को 17.28 लीटर विदेशी शराब के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शराब परिवहन में प्रयुक्त एक बाइक को भी जब्त किया है। गिरफ्तार युवक की पहचान करीब 20 वर्षीय रामपाल उम, पिता विनोद मुखिया, ग्राम अजुआ मुगानी, थाना शिकारपुर, जिला पश्चिम चंपारण के रूप में हुई है। नौरंगिया थानाध्यक्ष राज रौशन द्वारा दर्ज कराई गई सूचना के अनुसार, 20 अगस्त 2026 को पुलिस को अवैध शराब ले जाने की सूचना मिली थी। सूचना के सत्यापन के लिए पुलिस टीम मदनपुर हनुमानगढ़ी से करीब 200 मीटर आगे पनियहवा जाने वाली सड़क पर वाहन जांच कर रही थी। इसी दौरान पनियहवा की ओर से तेज गति से आ रहे एक बाइक सवार को पुलिस ने रुकने का इशारा किया। पुलिस को देखते ही उसने भागने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस टीम ने पीछा कर उसे पकड़ लिया। जांच के दौरान 180 एमएल की 48 बोतल 8ढट स्पेशल ब्लेंड ऑफ स्कॉच इंडियन ग्रेन व्हिस्की तथा 180 एमएल की 48 बोतल 8ढट स्पेशल ब्लेंड ऑफ स्कॉच इंडियन ग्रेन व्हिस्की बरामद हुई। दोनों को मिलाकर कुल 17.28 लीटर विदेशी शराब बरामद की गई। पुलिस के अनुसार पूछताछ में यह भी सामने आया कि आरोपी के खिलाफ इससे पहले भी नौरंगिया थाने में शराब से संबंधित मामला दर्ज हुआ था। वह पूर्व में कांड संख्या 64/26, दिनांक 23 जून 2026, धारा 30(ए) बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत जेल जा चुका है। नौरंगिया थानाध्यक्ष राज रौशन ने बताया कि शराब की तस्करी और अवैध परिवहन के खिलाफ पुलिस लगातार अभियान चला रही है। गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

आठ टीमें आमने- सामने, भारत की टीम भी दिखाएगी दम

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। पूर्वी नेपाल के प्रमुख फुटबॉल आयोजनों में शामिल चौथा अंतरराष्ट्रीय आमंत्रण ताप्लेजुङ गोल्डकप इस वर्ष भव्य रूप से आयोजित किया जाएगा। प्रतियोगिता का आयोजन लाखेजात्रा पर्व के अवसर पर ताप्लेजुङ जिले के सदरमुकाम फुंगलिंग स्थित भानुजन माध्यमिक विद्यालय के खेल मैदान में किया जाएगा। प्रतियोगिता भादों 12 से 19 सितंबर तक चलेगी। आयोजकों ने प्रतियोगिता में भाग लेने वाली आठ टीमों के नाम भी तय कर लिए हैं। प्रतियोगिता में आयोजक ताप्लेजुङ-11 के अलावा भारत के कालिम्पोंग की जर्जियन यूनाइटेड फुटबॉल क्लब की टीम हिस्सा लेगी। इसके अलावा नेपाल की सलहेश युवा क्लब सिराहा, फिदिम स्पोर्टिंग क्लब पांचथर, झापा-11, सातदोबाटो फुटबॉल क्लब, चित्लाङ फुटबॉल क्लब और नेपाल पुलिस फुटबॉल क्लब मैदान में उतरेंगे। इस तरह गोल्डकप में कुल आठ टीमें खिताब के लिए मुकाबला करेंगी।

इनरवा में दहशत फैलाने वाला गैंडा नेपाल लौटा दो देशों की टीम को नहीं करना पड़ा रेस्क्यू

प्रात : किरण संवाददाता

मैनाटांड। नेपाल के जंगल से भटककर भारतीय सीमा के इनरवा क्षेत्र में पहुंचे गैंडे को पकड़ने के लिए गुरुवार देर रात तक चले प्रयास के बाद शुक्रवार को राहत भरी खबर सामने आई। मंगूराहा वन क्षेत्र और नेपाल वन विभाग की संयुक्त टीम शुक्रवार को दोबारा मौके पर पहुंची, लेकिन ट्रेसिंग के दौरान पता चला कि गैंडा रात में ही वापस नेपाल के जंगल में लौट चुका है। मंगूराहा वन क्षेत्र के रेंजर पंकज कुमार ने बताया कि गुरुवार को गैंडे को सुरक्षित रेस्क्यू करने के लिए वन विभाग की टीम ने काफी प्रयास किया था, लेकिन सफलता नहीं मिल सकी। शुक्रवार को भारतीय और नेपाली वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर गैंडे की गतिविधियों और उसके पदचिह्नों की तलाश शुरू की। जांच के दौरान उसके नेपाल की ओर लौट जाने की पुष्टि हुई। गैंडे के भारतीय क्षेत्र में प्रवेश करने की सूचना मिलते ही आसपास के गांवों में दहशत फैल गई थी। लोगों की सुरक्षा को देखते हुए पुलिस, एसएसबी और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई थी।

चार वार्डों में 91.58 लाख से होने वाले सड़क - नाला व बाउंड्री वॉल निर्माण में गुणवत्ता अनिवार्य, कायार्देश जारी: गरिमा

प्रात : किरण संवाददाता

बेतिया। नगर निगम की ओर से शहर के चार वार्डों में कुल 91.58 लाख से स्वीकृत पीसीसी सड़क, आरसीसी नाला, सड़क का उच्चीकरण तथा बाउंड्री वॉल निर्माण से जुड़े विकास कार्यों के लिए कायार्देश जारी किए गए हैं। इससे संबंधित संवेदकों के साथ अलग अलग भेंट में महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने कायार्देश के अनुसार इन योजनाओं को पूरा करने में मानक गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का निर्देश दिया है। महापौर श्रीमती सिकारिया ने बताया कि नगर निगम क्षेत्र के चार वार्डों से संबंधित स्वीकृत योजनाओं की कुल राशि करीब 91.59 लाख रुपये है। योजनाओं को निर्धारित समयसीमा में पूरा करने की जिम्मेदारी संबंधित संवेदकों को दी गयी है। स्वीकृत योजनाओं के बाबत महापौर श्रीमती सिकारिया ने बताया कि वार्ड-2 के इस्लामिया नगर में गली नंबर-1 में किताबन जी के घर से रूस्तम जी के घर तक पीसीसी सड़क एवं आरसीसी नाला निर्माण के लिए करीब 16.35 लाख रुपये की एकरारनामा राशि निर्धारित है। वार्ड-12 में छठ स्थान के पास मुख्य सड़क के किनारे बाउंड्रीवाल एवं दो द्वार निर्माण के लिए करीब 16.68 लाख रुपये का कायार्देश है। वार्ड-16 के कमलनाथ नगर में सुमन पांडेय के घर से प्रेमचंद्र मिश्रा के घर होते हुए देवानंद जी के घर तक आरसीसी नाला एवं सड़क उन्नयन कार्य पर करीब 13.73 लाख रुपये खर्च होंगे। इसी तरह वार्ड-27 में संत कबीर रोड पर अखिलेश्वर यादव के घर से मोतीलाल पटेल के घर की ओर जाने वाली सड़क एवं नाला निर्माण के लिए करीब 44.84 लाख रुपये की एकरारनामा राशि है। इन कार्यों को दो से तीन माह में पूरा करना है। कायार्देश में गुणवत्तापूर्ण निर्माण के लिए बीओक्यू के अनुरूप सामग्री, निर्धारित मजदूरी, कार्य शुरू व पूरा होने की फोटोग्राफी तथा स्थल निरीक्षण का प्रावधान किया गया है। गुणवत्ता जांच के बाद ही भुगतान होगा। महापौर ने बताया कि निर्धारित समय सीमा में विलंब होने पर भुगतान में कटौती की चेतावनी भी दी गयी है। महापौर श्रीमती सिकारिया ने बताया कि सम्पूर्ण नगर निगम क्षेत्र में ढांचागत बुनियादी सुविधाओं का विकास उनकी पहली प्राथमिकता है। इसके साथ महापौर ने बताया कि जारी कायार्देश से संबंधित कुछेक योजनाओं में किसी अन्य एजेंसी के द्वारा कुछ विकास कार्य करा दिए जाने की जानकारी मिल रही

जल जीवन हरियाली योजना के तहत विद्यालय परिसर में पौधारोपण

बगहा। जल जीवन हरियाली योजना के अंतर्गत मधुबनी प्रखंड के राजकीय उत्क्रमित माध्यमिक विद्यालय, बगहवा, पश्चिम चंपारण में पौधारोपण एवं पौधा वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए तथा छात्र-छात्राओं के बीच पौधों का वितरण कर पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में वन विभाग की ओर से वनपाल अभिजित कुमार एवं वनरक्षी विक्की कुमार मौजूद रहे। वहीं विद्यालय के प्रधानाध्यापक विपिन बिहारी, सहायक शिक्षक वेंद्र यादव, गोरखनाथ यादव सहित विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने पौधारोपण कार्यक्रम में भाग लिया।

कुर्था में 16.62 करोड़ के प्रखंड सह अंचल कार्यालय भवन का निर्माण कार्य धीमा

■ ढलाई के लिए लगाए गए सरिया पानी में डूबे, निर्माण सामग्री की गुणवत्ता पर उठ रहे सवाल

प्रात: किरण संवाददाता

कुर्था। कुर्था प्रखंड में करीब 16 करोड़ 62 लाख रुपये की लागत से बन रहे प्रखंड सह अंचल कार्यालय भवन का निर्माण कार्य इन दिनों काफी धीमी गति से चल रहा है निर्माण स्थल पर काम की रफ्तार को लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी है वहीं ढलाई के लिए लगाए गए सरिया को सेटिंग के बाद छोड़ दिए जाने से वह पानी में डूबा हुआ नजर आ रहा है जिससे उसकी मजबूती और गुणवत्ता को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं बताया जाता है कि कुर्था प्रखंड कार्यालय के पुराने भवन और अधिकारियों व कर्मचारियों के आवास लंबे समय से जर्जर स्थिति में थे कई भवनों की स्थिति इतनी खराब हो चुकी थी कि उन्हें उपयोग करना मुश्किल हो गया था इसके कारण अधिकारियों और कर्मचारियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था इसी को देखते हुए राज्य सरकार की पहल पर नए प्रखंड सह अंचल कार्यालय भवन का निर्माण कराया जा रहा है भवन निर्माण विभाग की ओर से करीब 16 करोड़ 62 लाख रुपये की प्राक्कलित राशि से निर्माण कार्य शुरू कराया गया है नए भवन में प्रशासनिक कार्यालय पदाधिकारियों के कार्यालय आधुनिक कॉन्फ्रेंस हॉल, आरटीपीएस काउंटर, कैंटीन और रिकॉर्ड रूम समेत कई सुविधाएं उपलब्ध कराए जाने की योजना है भवन की छत पर सोलर पैनल भी लगाए जाने की बात कही गई है हालांकि निर्माण स्थल पर कार्य की धीमी गति और ढलाई के लिए लगाए गए सरिया को लंबे समय तक खुले में छोड़ दिए जाने को लेकर सवाल उठ रहे हैं लोगों का कहना है कि सरिया पानी में डूबा रहने से उसमें जंग लगने की स्थिति बन रही है ऐसे में निर्माण कार्य की गुणवत्ता की जांच कराया जाना जरूरी है ताकि करोड़ों रुपये की लागत से बन रहे भवन में भविष्य में किसी प्रकार की तकनीकी समस्या उत्पन्न न हो लोगों ने संबंधित विभाग के अधिकारियों से निर्माण स्थल का निरीक्षण किया।

ग्रामीण क्षेत्रों में टीकाकरण के स्थिति की हुई समीक्षा
छूटे लाभार्थियों तक पहुंच बनाने पर जोर

प्रात: किरण संवाददाता

सीवान/दरौंदा बच्चों एवं आम लोगों को समय पर टीकाकरण का लाभ उपलब्ध कराने तथा प्रखंड क्षेत्र में संचालित टीकाकरण अभियान को प्रभावी बनाने को लेकर दरौंदा प्रखंड मुख्यालय में अंतरविभागीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों व कर्मियों के साथ पंचायत प्रतिनिधियों और स्वास्थ्यकर्मियों ने भाग लिया। इस दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में टीकाकरण की स्थिति की समीक्षा करते हुए शत-प्रतिशत कवरेज सुनिश्चित करने की रणनीति पर चर्चा की गई।

बैठक की अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी सिंपी कुमारी ने की। उन्होंने कहा कि टीकाकरण अभियान की सफलता के लिए स्वास्थ्य विभाग के साथ अन्य विभागों और पंचायत प्रतिनिधियों के बीच बेहतर समन्वय जरूरी है। सभी संबंधित अधिकारियों व कर्मियों को निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप गंभीरता से कार्य करने का निर्देश दिया गया।बैठक में ग्रामीण क्षेत्रों में टीकाकरण से वंचित और छूटे हुए बच्चों व अन्य पात्र लाभार्थियों की पहचान कर उन्हें अभियान से जोड़ने पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही टीकाकरण सत्रों के संचालन, लाभार्थियों की उपलब्धता, जागरूकता और कम कवरेज वाले क्षेत्रों की स्थिति की समीक्षा की गई। ऐसे क्षेत्रों में विशेष जागरूकता अभियान चलाने की बात कही गई।

पंचायत प्रतिनिधियों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए उनसे स्वास्थ्य विभाग की टीम को सहयोग करने और ग्रामीणों को टीकाकरण के प्रति जागरूक करने की अपील की गई। अधिकारियों ने कहा कि मुखिया, आशा कार्यकर्ता, एएनएम, जीविका दीदियों और स्थानीय कर्मियों के सहयोग से छूटे हुए लाभार्थियों तक आसानी से पहुंच बनाई जा सकती है।

बैठक में स्वास्थ्य, शिक्षा, आपूर्ति, पंचायती राज और जीविका विभाग के बीच समन्वय पर भी चर्चा हुई। शिक्षा विभाग के माध्यम से स्कूलों और बच्चों तक जानकारी पहुंचाने तथा जीविका समूहों के जरिए ग्रामीण महिलाओं और परिवारों को जागरूक करने की रणनीति बनाई गई।

दारौंदा पहुंचा सीआईएसएफ जवान का पार्थिव शरीर, पांडेपुर गांव हुआ गमगीन

प्रात: किरण संवाददाता

सीवान/दरौंदा देश की सेवा में तैनात सीआईएसएफ जवान सत्रोहन प्रसाद का पार्थिव शरीर गुरुवार को उनके पैतृक गांव पांडेपुर पहुंचा तो पूरा इलाका गमगीन हो गया। परिवार के सदस्यों की चीख-पुकार से माहौल बेहद मार्मिक हो उठा। वहीं गांव के युवाओं ने हाथों में तिरंगा लेकर जवान को अंतिम विदाई दी।

दरौंदा थाना क्षेत्र के पांडेपुर गांव निवासी सत्रोहन प्रसाद सीआईएसएफ में जवान के पद पर तैनात थे। वर्तमान में उनकी पोस्टिंग दिल्ली में थी। बताया जाता है कि अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद उनका निधन हो गया। जवान की मौत की खबर गांव पहुंचते ही परिवार और ग्रामीणों में शोक की लहर दौड़ गई।

गुरुवार को सीआईएसएफ जवानों और स्थानीय पुलिस की मौजूदगी में सत्रोहन प्रसाद का पार्थिव शरीर उनके पैतृक गांव लाया गया। पार्थिव शरीर के गांव पहुंचने से पहले ही बड़ी संख्या में स्थानीय युवा हाथों में तिरंगा लेकर उनके सम्मान में आगे निकल पड़े। भारत माता की जय और जवान अमर रहें के नारों के बीच उन्हें श्रद्धांजलि दी गई।

जैसे ही पार्थिव शरीर गांव की सीमा में पहुंचा, माहौल भावुक हो गया। ग्रामीणों ने देश की सेवा करने वाले अपने गांव के जवान को अंतिम सलाम किया। इसके बाद पार्थिव शरीर को उनके पैतृक आवास पर लाया गया, जहां परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल था।

बताया जाता है कि सत्रोहन प्रसाद के परिवार में एक पुत्र और एक पुत्री हैं। पिता के निधन के बाद उन्हें सीआईएसएफ में नौकरी मिली थी और वह लगातार देश की सेवा में अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे थे। जवान के निधन से परिवार के साथ-साथ पूरे गांव में शोक का माहौल है।

संक्षिप्त खबरें

फूलसाथर एचएम पर ग्रामीणों ने विद्यालय से चावल चोरी का लगाया आरोप

कुर्था। स्थानीय प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय फूलसाधार के प्रधानाध्यापक पर ग्रामीणों ने दो बैग चावल चोरी का आरोप लगाते हुए अरवल जिलाधिकारी को आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है दिए गए आवेदन में ग्रामीणों ने उल्लेख किया है कि विगत 19 अगस्त को प्राथमिक विद्यालय फुलसाथर से प्रधान शिक्षक मो० कौशर स्कूल से दो बैग टेम्पू से फुलसाथर से एम० मॉल कुर्था शकुराबाद मोड़ के पास गिरा कर प्राथमिक विद्यालय के प्रधान शिक्षक मो० कौशर ग्राम गंगापुर लेकर चले गये हालांकि उक्त मामले को लेकर सच्चाई पंचायत के वार्ड सदस्य पप्पू चौधरी बृजेश कुमार समेत ग्रामीण अभिमन्यु कुमार रामप्रवेश सिंह रवि रंजन कुमार संतोष कुमार रितेश कुमार अभिजीत कुमार बॉबी कुमार सुमित दर्जनों ग्रामीणों ने हस्ताक्षर युक्त आवेदन अरवल जिलाधिकारी व जिला शिक्षा पदाधिकारी को देखकर विद्यालय के प्रधानाध्यापक पर कार्रवाई की मांग की है

जनगणना हस्तपुस्तिका कार्य को लेकर बीडीओ ने की समीक्षात्मक बैठक

कुर्था। जनगणना हस्तपुस्तिका से संबंधित कार्यों की प्रगति को लेकर बीडीओ निशा कुमारी ने समीक्षा की समीक्षा के दौरान उन्होंने संबंधित कर्मियों से अब तक किए गए कार्यों की जानकारी ली तथा कार्य में आ रही समस्याओं और प्रगति की स्थिति की समीक्षा की बीडीओ ने निर्देश दिया कि जिला जनगणना हस्तपुस्तिका से संबंधित सभी कार्यों को निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण तरीके से जल्द से जल्द पूरा किया जाए उन्होंने कहा कि जनगणना से जुड़े कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

इसलिए इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए उन्होंने सभी संबंधित कर्मियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने और लंबित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने का निर्देश दिया समीक्षा के दौरान कार्य की शुद्धता समयबद्धता एवं गुणवत्ता पर विशेष जोर दिया गया वहीं समीक्षा बैठक में राजस्व अधिकारी जनगणना कर्मी आशुतोष कुमार,विनोद कुमार, शहबाज अतहर, हंसराज,राज कुमार व मनीष प्रियदर्शी,सुबोध कुमार,सुबोध कुमार,अमित कुमार आदि मौजूद रहे अमित कुमार आदि मौजूद रहे।

दाल-भात का स्वाद और शहनाई की गूंज: जब आंगन में ठहरे थे बिस्मिल्लाह खां

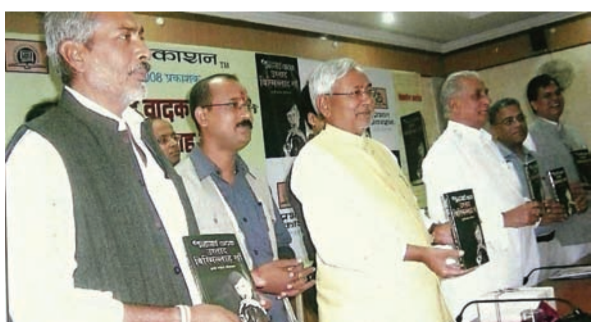

प्रात: किरण संवाददाता

डुमरांव (बक्सर)। शहनाई को विश्व पटल पर अमर करने वाले भारत रत्न उस्ताद बिस्मिल्लाह खां सिर्फ एक महान संगीत साधक ही नहीं, बल्कि जमीन से जुड़े एक बेहद सरल और आत्मीय इंसान थे। डुमरांव के ठठेरी बाजार में जन्मे उस्ताद की स्मृतियां आज भी उनके पड़ोस और परिजनों के जेहन में जीवंत हैं। उनके जन्मस्थान से महज दस मीटर की दूरी पर रहने वाले उन पर शोध करने वाले लेखक मुरली मनोहर श्रीवास्तव के परिवार के साथ उस्ताद का रिश्ता बेहद आत्मीय और ऐतिहासिक रहा।

1979 में 15 दिन डॉ. शशि भूषण श्रीवास्तव घर में रहे थे उस्ताद साल 1979 में भोजपुरी फिल्म ह्यबाजे शहनाई हमार अंगना की शूटिंग के दौरान उस्ताद करीब 15 दिनों तक लेखक के घर पर ठहरे थे। विश्वविख्यात कलाकार होने के बावजूद उन्हें घर की रसोई का सादा भोजन दाल, भात, दनौरी और धनिया की चटनी बेहद पसंद थी। मां लेखक की मां माया श्रीवास्तव के हाथों का बना यह देसी खाना खाकर वे घर के बड़े-बुजुर्ग की तरह घुले-मिले रहते थे।

पिता की प्रेरणा और बहन की साधना से बनी किताब

पिता की प्रेरणा और उस्ताद के प्रति गहरे लगाव के चलते लेखक ने उनके जीवन को शब्दों में पिरोने का संकल्प लिया। डुमरांव में उस्ताद पर ह्लशहनाई वादक उस्ताद बिस्मिल्लाह खांह्व पुस्तक लेखन के दौरान बहन ज्योति बाला अंधेरे में लैंप जलाकर और चाय देकर इस साहित्यिक साधना की मजबूत स्तंभ बनीं, वहीं मित्र प्रधानाचार्य दीपक कुमारबब्लू ने पुस्तक प्रकाशन में अहम भूमिका निभाई। सन् 2008 में प्रभात प्रकाशन से ह्यशहनाई वादक उस्ताद बिस्मिल्लाह खांह्व पुस्तक प्रकाशित हुई।15 नवंबर 2009 को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, हरिवंश जी, प्रकाश झा और अली अनवर ने संयुक्त रूप से इस पुस्तक का विमोचन किया। इसी मंच से लेखक मुरली मनोहर श्रीवास्तव की मांग पर मुख्यमंत्री ने डुमरांव में राजकीय समारोह और संगीत संस्थान की घोषणा की थी,

तीन खराब मीटर बदले गए शेष मामलों के शीघ्र निष्पादन का दिया गया भरोसा

कुर्था। बिजली विभाग की ओर से उपभोक्ताओं की समस्याओं के त्वरित समाधान को लेकर कुर्था पावर ग्रिड में सहयोग शिविर का आयोजन किया गया शिविर में सुबह से ही बड़ी संख्या में बिजली उपभोक्ता अपनी शिकायतें एवं समस्याएं लेकर पहुंचे और आवेदन जमा किया शिविर के दौरान कुल 25 आवेदन प्राप्त हुए इनमें से पांच मामलों का ऑन द स्पॉट समाधान कर दिया गया मीटर से संबंधित शिकायतों में तीन उपभोक्ताओं के खराब मीटर मौके पर ही बदल दिए गए इससे संबंधित उपभोक्ताओं को तत्काल राहत मिली बिजली विभाग के अधिकारियों ने बताया कि शिविर का उद्देश्य उपभोक्ताओं की शिकायतों को सुनकर उनका जल्द से जल्द समाधान करना है जिन शिकायतों का मौके पर निष्पादन नहीं हो सका उन्हें संबंधित स्तर पर भेजकर निर्धारित समय में समाधान करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है कनीय विद्युत अभियंता सूरज कुमार ने बताया कि उपभोक्ताओं की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर दूर किया जा रहा है उन्होंने कहा कि शिविर में प्राप्त शेष आवेदनों का भी जल्द निष्पादन किया जाएगा उन्होंने उपभोक्ताओं से अपील की कि बिजली से संबंधित किसी भी समस्या के लिए विभागीय शिविर में आवेदन देकर अपनी शिकायत दर्ज कराएं।

आरसीएम ने देश भर से महिला एसोसिएट खरीदारों और लीडर्स को एक साथ लाया

खड़गपुर। आरसीएम कंज्यूमर प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड ने महिला सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता और क्षमता निर्माण को अपने व्यापक संगठनात्मक दृष्टिकोण के प्रमुख तत्वों के रूप में रेखांकित किया है, जिसके तहत उसने अपनी स्पेशल विमेंस एकेडमी 2026 के लिए देश भर से महिला एसोसिएट खरीदारों और लीडर्स को एक साथ लाया। 15-16 अगस्त को आरसीएम वर्ल्ड, भीलवाड़ा में हर नारी सम्मान की अधिकारी थीम के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में स्वास्थ्य, नेतृत्व, आत्मविश्वास, खेल भावना और कौशल पर ध्यान केंद्रित किया गया। स्वतंत्रता दिवस से जुड़े इस आयोजन की शुरूआत मार्च-पास्ट और ध्वजारोहण के साथ हुई, जिसके बाद स्कूली छात्राओं द्वारा प्रस्तुतियां और भारत की विविधता को दर्शाने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। एक सम्मान समारोह में महिला अचीवर्स को सम्मानित किया गया। संस्थापक टीसी छाबड़ा ने कहा कि आरसीएम आत्मनिर्भरता को केवल आर्थिक स्वतंत्रता तक सीमित न मानकर स्वास्थ्य, आत्मविश्वास, नेतृत्व और परिवार व समाज में भागीदारी के विस्तार के रूप में देखता है। प्रबंध निदेशक प्रियंका अग्रवाल ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य महिलाओं को घर और बाहर की जिम्मेदारियों को संभालते हुए अपनी क्षमताओं को पहचानने और विकसित करने में मदद करना है। दूसरे दिन एक अंतर-राज्यीय स्पोर्ट्स लीग का आयोजन किया गया।

एफओबी पर मिला लावारिस ट्रॉली बैग सुरक्षा कारणों से आवागमन रोका गया

प्रात: किरण संवाददाता

सीवान। रेलवे स्टेशन के फुट ओवर ब्रिज (एफओबी) पर शुक्रवार की सुबह लावारिस ट्रॉली बैग मिलने से रेलवे परिसर में हड़कंप मच गया। सुबह करीब 8:35 बजे एफओबी पर ट्रॉली बैग पड़ा मिला। पूछताछ के दौरान किसी भी यात्री ने बैग पर अपना दावा नहीं किया।

संदिग्ध बैग की एचएचएमडी से जांच करने पर बीप की आवाज आने के बाद सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गईं।

यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए आरपीएफ और जीआरपी ने एफओबी पर आवागमन पूरी तरह रोककर इलाके को सील कर दिया।

जीआरपी सीवान और डायल 112 को सूचना दी गई।

साथ ही डॉग स्क्वायड को बुलाया गया तथा बीडीडीएस टीम से भी संपर्क किया गया।मौके पर आरपीएफ और जीआरपी के जवान तैनात रहे। अधिकारियों के अनुसार स्थिति नियंत्रण में है। संदिग्ध ट्रॉली बैग की आवश्यक जांच और सुरक्षा प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही आगे की स्थिति स्पष्ट होगी।

उस्ती गांव में युवक पर जानलेवा हमला एक नामजद समेत तीन पर प्राथमिकी

प्रात: किरण संवाददाता

सीवान/दारौंदा। थाना क्षेत्र के उस्ती गांव में एक युवक पर जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। घटना को लेकर उस्ती गांव निवासी सचिन कुमार प्रसाद उर्फ उत्सव कुमार प्रसाद ने दारौंदा थाने में आवेदन देकर राहुल कुमार यादव सहित दो अज्ञात लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई है।दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, 31 जुलाई की शाम करीब सात बजे सचिन कुमार प्रसाद दारौंदा बाजार से मोटरसाइकिल से अपने घर लौट रहे थे।

घर के समीप पहुंचने पर राहुल कुमार यादव दो अज्ञात लोगों के साथ खड़ा था। आरोप है कि राहुल ने उनकी कनपटी पर रॉड से वार कर दिया, जिससे वह मोटरसाइकिल से गिर पड़े। इसके बाद अन्य लोगों ने लोहे के पाइप से हमला करने का प्रयास किया। जान बचाने के लिए भागने के दौरान आरोपितों ने फाइटर से हमला करने की कोशिश की।

शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचने लगे, जिसके बाद सभी आरोपित वहां से फरार हो गए। पीड़ित ने तत्काल डायल 112 पर घटना की सूचना दी।

सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक आरोपित फरार हो चुके थे।पीड़ित ने आवेदन में आरोपित द्वारा पूर्व में भी धमकी दिए जाने की बात कही है।

साथ ही संबंधित मामले की प्रक्रिया अनुमंडल दंडाधिकारी न्यायालय में चलने का उल्लेख किया है। थानाध्यक्ष विकास कुमार सिंह ने बताया कि पीड़ित के आवेदन के आधार पर दारौंदा थाना कांड संख्या 357/26 दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

मिस यूनिवर्स इंडिया में मुंगेर की सांस्कृतिक झलक बनी चर्चा का विषय

मुंगेर। जयपुर में 20 अगस्त को आयोजित मिस यूनिवर्स इंडिया 2026 के मंच पर बिहार की समृद्ध संस्कृति ने सबका ध्यान खींचा। मिस यूनिवर्स बिहार 2026 कुमारी निकिता ने मिथिला बिहार, भारत की जीवंत विरासत थीम पर आधारित राष्ट्रीय परिधान पहनकर प्रदेश की कला और परंपरा को प्रस्तुत किया। इस परिधान को मुंगेर जिले के जमालपुर प्रखंड अंतर्गत वोचाही गांव किसान अरविंद कुमार का पुत्र डिजाइनर अवि रॉय ने तैयार किया है। भागलपुरी सिल्क को कैनवास बनाकर उस पर मधुबनी चित्रकारी को हाथ से उकेरा गया है।

बिहार सरकार

न्यायालय अपर समाहर्त्ता–सह–अपर जिला दण्डाधिकारी, बक्सर

जमाबंदी रद्दीकरण वाद सं0–40/2023-24

अंचल अधिकारी, राजपुर......................................वादी।

बनाम

रामधारी नोनिया......................................प्रतिवादी।

गजट बनाम

2. भीम सिंह नोनिया, पिता– स्व0 रामधारी नोनिया,
3. अशोक सिंह नोनिया, पिता– स्व0 रामधारी नोनिया,
4. अनिल सिंह नोनिया, पिता– स्व0 रामधारी नोनिया,

सभी सा0+पो0– जलहरा, थाना– राजपुर, जिला– बक्सर।

चूँ बजरिये इस गजट प्रकाशन के माध्यम से आपलोगों को सूचित किया जाता है कि **अंचल अधिकारी, राजपुर, थाना– राजपुर, जिला– बक्सर** द्वारा आपके विरूद्ध अधोहस्ताक्षरी के न्यायालय में **जमाबंदी रद्दीकरण वाद सं0– 40/23–24** दाखिल किया गया है, जिसमें आप नोटिस के माध्यम से सूचना निर्गत होने/प्राप्त करने के बावजूद भी न्यायालय में उपस्थित नहीं हो रहे है, जिसके कारण वाद की कार्रवाई बाधित हो रही है।

अतः गजट प्रकाशन के माध्यम से आपको निदेशित किया जाता है कि सुनवायी की अगली निर्धारित तिथि –31.08.2026 को 12:30 बजे अपराह्न में अधोहस्ताक्षरी के न्यायालय में अपना पक्ष रखने हेतु स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होना सुनिश्चित करें अन्यथा उक्त वाद में आपलोगों को वंचित करते हुए अग्रेतर कार्रवाई कार्रवाई की जायेगी।

इसे सख्त ताकिद जाने।

आज दिनांक – 14.08.2026 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर से जारी।

अपर समाहर्त्ता–सह–
अपर जिला दण्डाधिकारी
बक्सर

PR- 010297 (Dist.) 2026-27

विस्तृत सूचना www.state.bihar.gov.in/prdbihar पर भी देखी जा सकती है।

नशे से बचने का है एक ही उपचार, दृढ़ संकल्प और परिवार से प्यार

Govt. of Bihar

Bihar Urban Infrastructure Development Corporation Limited
A Government of Bihar Undertaking

NOTICE INVITING TENDER

NIT. No :- BUIDCo/Ncc/02/2026-27

(Through e-procurement mode only – www.eproc2.bihar.gov.in)

1. Bihar Urban Infrastructure Development Corporation Limited (BUIDCO) invites bids from eligible experienced Firms/Contractors/Agencies/ Bidders for execution of works as given below :-

Sl. No.	Name of Work	Bid processing Fee (Beltron)	Bid Document Cost	Bid Security (EMD)	Contract Duration
1.	Housekeeping Services and Maintenance work at Buddha Smriti Park, Patna	Rs. 1,180.00	Rs. 10,000.00	Rs. 01.00 Lakh	3 Years

2. Date of downloading of bid document : From 07.09.2026 to 22.09.2026 upto 03:00 PM Through website www.eproc2.bihar.gov.in only
3. Place & Date of Pre-Bid Meeting : 10.09.2026 at 03:00 PM Project Director, BSP, BUIDCO, Nutan Rajdhani Anchal , Patna
4. Last Date and time for receipt (upload) of bids : Date 22.09.2026 upto 05:00 PM, Through eproc2 website
5. Last Date and time for Submission of hard copy of bid : Date 23.09.2026 upto 04:00 PM
6. Time and date of opening technical bids : Date 23.09.2026 at 05:00 PM, Through eproc2 website
7. Time and date of opening of financial bids : After disposal of Technical Bid
8. Place of opening of bid : Through website www.eproc2.bihar.gov.in.
9. Period of bids validity : 120 days
10. Officer inviting bids : Project Director, BSP, Nutan Rajdhani Anchal Area, BUIDCO, Patna
11. For participating in E – tendering process, the contractor shall have to get themselves registered to get user ID, Password and Digital signature. This will enable them to access the website www.eproc2.bihar.gov.in and download/participate in E – tender. All tender queries related to this tender shall be communicated at tenders@buidco.in

BUIDCO, Rajapur Pool, West Boring Canal Road, Patna-800001 www.buidco.in

For further details please visit : **www.state.bihar.gov.in/prdbihar**

PR. No. 010318 (B&C) 2026-27

Project Director (BSP), Nutan Rajdhani Anchal, Beur, BUIDCO, Patna

नशे की मार, बर्बाद करे सुखी परिवार।

Govt. of Bihar

BMSICL

Bihar Medical Services & Infrastructure Corporation Limited
2nd & 3rd Floor, Swasthya Bhawan, Behind IGIMS,
Sheikhpura, Adjacent to State Health Society, Patna- 800014, Bihar
Phone/Fax: +91612 2283287,+ 91612 2283289

(Notice Inviting E-Bids)

Tender for the Procurement, Rate Contract and Supply & Installation of CPAP Machine for different Government Health Institutions of Bihar.

Notice Inviting Tender No.-BMSICL/2026-27/ME-494

(Only through E- Tender on website:-https://eproc2.bihar.gov.in)

The Bihar Medical Services and Infrastructure Corporation Limited, Patna invites e-bids from interested parties for Procurement, Rate Contract, Supply & Installation of **CPAP Machine** for different Government Health Institutions of Bihar:-

Tender Schedule

Tender Reference No.	**BMSICL/2026-27/ME-494**
Date of Pre- Bid Meeting	27th August 2026 at 15:00 Hrs in Conference hall of BMSICL, 3rd Floor, Swasthya Bhawan, Behind IGIMS, Sheikhpura, Adjacent to State Health Society, Bihar. All pre-bid queries **(as per form-16, Section –IV of bid document)** to be submitted through e-mail on bmsicltenderequipment@gmail.com upto **29th August 2026 till 15:00 Hrs** **(Note:-** No pre-bid queries would be entertained after the above mentioned dead line**)**
Last date and time of submission of online bids	24th September 2026 up to 17:00 Hrs.
Last date and time for submission of original document of EMD	25th September 2026 till 14:00 Hrs.
Date, Time and Place of opening of Technical Bid	25th September 2026 (at 15:00 Hrs.) on the website of https://eproc2.bihar.gov.in in the office of BMSICL
Date and time of opening of financial Bids	To be announced later on https://eproc2.bihar.gov.in
Validity of Tender	180 Days
Cost of the tender document	Rs.11,800 /- (Eleven Thousand Eight Hundred only) Non- refundable.
Bid Processing Fee	Rs 1180/- (on the website of **https://eproc2.bihar.gov.in**)

1. To participate in E-Tendering the tenderer will have to be registered with E-Tendering service provider. For this, help desk – mjunction services limited RJ complex, 2nd Floor, Canara Bank, Campus, khajpura, Ashiana road, P.S –Shastri Nagar, Patna-800014, Toll Free No.- 18005726571, Email-ID: eproc2support@bihar.gov.in can be approached.

For further details please visit : **www.state.bihar.gov.in/prdbihar**

PR. No. 010319 (B&C) 2026-27

GM (Procurement) BMSICL, Patna

नशे की मार, बर्बाद करे सुखी परिवार।

संक्षिप्त खबरें

बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड की राशि 4 लाख से घटाकर 2 लाख, विरोध

मुंगेर। राज्य सरकार ने बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के तहत 12वीं पास छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए मिलने वाली राशि में कटौती कर दी है। पहले जहां इस योजना में 4 लाख रुपये तक की मदद मिलती थी, वहीं अब सम्राट चौधरी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने इसे घटाकर 2 लाख रुपये कर दिया है। यह कटौती वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक के लिए लागू होगी। सरकार के इस फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए राजद के वरिष्ठ नेता प्रोफेसर विनय कुमार सुमन ने कहा कि मौजूदा एनडीए सरकार छात्र विरोधी है। जब छात्र रोजगार और नौकरी की मांग करते हैं तो सरकार लाठी-गोली चलाती है और अब छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है। प्रो. सुमन ने कहा कि यह योजना 2 अक्टूबर 2016 को तत्कालीन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा सात निश्चय कार्यक्रम के तहत शुरू की गई थी। इसका उद्देश्य 12वीं पास छात्रों को उच्च शिक्षा में आर्थिक दिक्कत न हो। योजना के तहत सरकार की गारंटी पर बैंकों से 4 लाख तक की राशि मिलती थी। पढ़ाई पूरी होने के बाद छात्र राशि नहीं लौटा पाता था तो सूद सहित भुगतान सरकार करती थी। उन्होंने मांग की कि सरकार अपने फैसले पर पुनर्विचार करे और राशि को पूर्व की तरह 4 लाख ही यथावत रखे, ताकि छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ न हो।

लकड़ी ला रहे तस्करों के समर्थकों ने ट्रैक्टर को छुड़ाने के लिए वन विभाग के टीम पर किया हमला

धरहरा (मुंगेर)। जिले के धरहरा थाना क्षेत्र में अवैध रूप से जंगली लकड़ी ढोने के मामले में वन विभाग की कार्रवाई के दौरान ग्रामीणों ने वनकर्मियों पर हमला कर ट्रैक्टर छुड़ा लिया। घटना में एक मोटरसाइकिल को वन विभाग ने जब्त किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गुप्त सूचना मिली थी कि बरमसिया की ओर से एक ट्रैक्टर पर अवैध रूप से जंगली लकड़ी लायी जा रही है। सूचना के आधार पर फॉरेस्टर अनुभव कुमार के नेतृत्व में एक टीम का गठन कर कार्रवाई के लिए भेजा गया। दोपहर करीब 3:30 बजे बसंती मोड़ और बरमसिया के बीच डकरा नाल के पास टीम ने ट्रैक्टर को रोकने का प्रयास किया। बताया जाता है कि फॉरेस्टर द्वारा पीछे से पीछा कर ट्रैक्टर को रोका गया तो वहां मौजूद कुछ ग्रामीणों और महिलाओं ने हंगामा शुरू कर दिया। इसी दौरान भीड़ ने फॉरेस्टर के साथ हाथापाई की और आड़ लेकर ट्रैक्टर को छुड़ाकर लेकर भाग गए।इधर भागने के क्रम में एक ग्रामीण बन कर्मी आदेश कुमार को मोटरसाइकिल से धक्का देते हुए भागने लगा, जिसे फॉरेस्टर ने साहस दिखाते हुए पकड़ लिया। ग्रामीण मोटरसाइकिल छोड़कर मौके से फरार हो गया। जब्त मोटरसाइकिल को वन विभाग अपने साथ कार्यालय ले आया। इस संबंध में वनों के क्षेत्र पदाधिकारी नीरज कुमार सिंह ने बताया कि सरकारी कार्य में बाधा डालने, हमला करने और अवैध लकड़ी तस्करी के मामले में 4 लोगों को नामजद अभियुक्त बनाया गया है, जबकि 25 अज्ञात ग्रामीणों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस और वन विभाग मामले की जांच में जुटा है।

जिलाधिकारी ने सुनी आमजनों की समस्याएं

मुंगेर। जिलाधिकारी निखिल धनराज निप्पाणीकर द्वारा आयोजित जनता के दरबार में जिलाधिकारी कार्यक्रम के तहत शुक्रवार समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में आमजन की समस्याओं की सुनवाई की गई। जन सुनवाई के दौरान जिलाधिकारी ने 30 आवेदकों की समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुना तथा संबंधित विभागीय अधिकारियों को सभी मामलों की जांच कर नियमानुसार शीघ्र एवं उचित कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। जमालपुर मूंगरौड़ा निवासी रविंद्र यादव ने अपने भाई पर जबरन उनके जमीन पर कब्जा कर दीवाल एवं छज्जा बनाने की शिकायत की। गनैली हरपुर निवासी सुलैना देवी ने अपने पुत्र की मृत्यु के पश्चात मिलने वाली आपदा सहायता राशि दिलाने की मांग की। नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत वार्ड 32/33 के लोगों ने हर घर नल जल के योजना का लाभ दिलाने की मांग की।

जमालपुर इंद्ररुख पूर्वी निवासी ज्योत्स्ना देवी ने अपने बड़े बेटे और बहु पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाई। एएनएम रेणु कुमारी ने अपना स्थानांतरण नौलखा जमालपुर से पुनः धरहरा एचडब्लूसी कराने की मांग की। जनता दरबार में इसके अलावे भी अन्य विभागों से संबंधित आवेदन भी प्राप्त हुए, जिनमें जमीन संबंधी, सामाजिक सुरक्षा, राशन कार्ड, अतिक्रमण से जुड़ी शिकायतें भी रहीं। जनता दरबार में प्राप्त सभी आवेदनों पर डीएम ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को समयबद्ध जांच कर समस्याओं के समाधान हेतु आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया।

नयी सहकारिता नीति के क्रियान्वयन से बिहार में सहकारिता आंदोलन को मिलेगी नयी गति : मंत्री

क्षेत्रीय सहकारी प्रबंध संस्थान, पटना में हुआ प्रशिक्षण-सह-कार्यशाला का आयोजन

प्रातः किरण संवाददाता

पटना।पटना के दीप नारायण सिंह क्षेत्रीय सहकारी प्रबंध संस्थान में सहकारिता विभाग के सहायक निबंधक, उप निबंधक, सहयोग समितियाँ एवं सभी प्रमंडलीय संयुक्त निबंधक के लिए बिहार राज्य सहकारिता नीति, 2026 के क्रियान्वयन एवं सहकारी समितियों के संचालन के संबंध में प्रशिक्षण-सह-कार्यशाला का आयोजन किया गया।

सहकारिता विभाग के मंत्री राम कृपाल यादव ने क्षेत्रीय पदाधिकारियों के लिए आयोजित इस कार्यशाला के लिए शुभाकामनाएं देते हुए कहा, बिहार में नयी सहकारिता नीति 30 जुलाई 2026 से प्रभावी है। इसके क्रियान्वयन से राज्य में सहकारिता आंदोलन को नयी गति मिलेगी तथा सहकारी समितियों के माध्यम से राज्य के सभी वर्गों एवं क्षेत्रों का संतुलित विकास संभव होगा। कार्यशाला का शुभारंभ धर्मेन्द्र सिंह, सचिव, सहकारिता विभाग, बिहार सरकार एवं रजनीश कुमार सिंह, निबंधक, सहयोग समितियाँ, बिहार, विकास कुमार बरियार, अपर निबंधक, सहयोग समितियाँ तथा अन्य वरीय पदाधिकारियों द्वारा दीप प्रज्वलन के द्वारा किया गया। क्षेत्रीय पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए सहकारिता विभाग के सचिव धर्मेन्द्र सिंह ने सहकारी समितियों में पारदर्शिता और लोकतांत्रिक व्यवस्था को सुदृढ़ करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि राज्य में सहकारिता के क्षेत्र में काफी कार्य किए जा रहे हैं। सहकारिता के माध्यम से आम लोगों के जीवन में समृद्धि और खुशहाली लाने का प्रयास किया जा रहा है। बिहार में पहली बार राज्य सहकारिता नीति, 2026 तैयार कर लागू की गयी है। इसके सफल क्रियान्वयन में क्षेत्रीय पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। कार्यक्रम में निबंधक, सहयोग समितियां रजनीश कुमार सिंह ने कहा कि नई सहकारिता नीति के तहत समितियों को अधिप्राप्ति से आगे निकलकर काम करना है, ताकि राज्य में सहकारिता क्षेत्र का विकास हो। उन्होंने क्षेत्रीय पदाधिकारियों को बिहार सहकारी सोसाइटी अधिनियम, 1935 एवं नियमावली में वर्णित प्रावधानों के आलोक में पारदर्शी तरीके से कार्य करने का निदेश दिया।

जयनगर में कुछ अल्ट्रासाउंड केंद्रो पर बाहर से ताला लगाने पर उठे सवाल, जांच की प्रक्रिया पर लोगो ने जताई आपत्ति

प्रातः किरण संवाददाता

मधुबनी। जयनगर अनुमंडलीय अस्पताल के औचक निरीक्षण के बाद शुक्रवार को शहर के कुछ अल्ट्रासाउंड केंद्रो की जांच के दौरान बाहर से ताला लगाए जाने को लेकर जांच की प्रक्रिया पर सवाल उठने लगे। मौके पर मौजूद लोगों ने सिविल सर्जन हरेंद्र सिंह से कहा कि यदि किसी अल्ट्रासाउंड केंद्र के खिलाफ कार्रवाई करनी है तो नियमानुसार जांच कर दस्तावेजो का सत्यापन किया जाए और उसके बाद ही सील की कार्रवाई हो।जानकारी के अनुसार, शुक्रवार दोपहर सिविल सर्जन हरेंद्र सिंह ने अनुमंडलीय अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। इसके बाद वे शहर के कुछ अल्ट्रासाउंड केंद्रों की जांच के लिए निकले। इसी क्रम में पटना गढ़ी चौक सहित कुछ स्थानों पर अल्ट्रासाउंड केंद्रो के बाहर से ही ताला लगा दिया गया। मौके पर मौजूद लोगों के अनुसार, जब ताला लगाने की कार्रवाई की जा रही थी, उस समय उनके साथ कोई स्थानीय पदाधिकारी अथवा मजिस्ट्रेट मौजूद नही था।

संबंधित केंद्रों के अंदर जाकर अल्ट्रासाउंड मशीन, संचालन की स्थिति अथवा दस्तावेजों की जांच किए जाने की बात सामने नही आई।इसी बीच जब सिविल सर्जन एक केंद्र पर लगाए गए ताले को खोलने पहुंचे, तब मौके पर मौजूद कुछ लोगो ने उनसे सवाल करना शुरू कर दिया। लोगो ने कहा कि यदि कार्रवाई करनी है तो सर विधिवत कार्रवाई कीजिए। पहले केंद्र के अंदर जाकर जांच कीजिए, कागजात देखिए और यदि कोई अनियमितता मिलती है तो नियमानुसार सील की कार्रवाई कीजिए। केवल बाहर से ताला लगा देने से जांच की प्रक्रिया पूरी नहीं मानी जा सकती।मौके पर मौजूद लोगो ने सिविल सर्जन से आग्रह किया कि जिस केंद्र का अल्ट्रासाउंड सही तरीके से संचालित हो रहा है या नहीं, इसकी जांच केंद्र के अंदर जाकर की जाए तथा आवश्यक कागजात देखे जाएं।

चिताब खुर्द से मोटर चोरी के मामले में आरोपी गिरफ्तार, कबाड़ी दुकानदार भी जेल भेजा

प्रातः किरण संवाददाता

प्रतिनिधि, शेरघाटी। शेरघाटी थाना क्षेत्र के चिताब खुर्द गांव से मोटर चोरी के मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान चिताब खुर्द निवासी रोहित कुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर चेरकी स्थित एक कबाड़ी दुकान से चोरी की मोटर बरामद करते हुए दुकानदार फिरोज खान को भी गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

थानाध्यक्ष प्रमोद कुमार ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि क्षेत्र में मोटर चोरी करने वाला गिरोह सक्रिय है। सूचना के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए चिताब खुर्द निवासी रोहित कुमार को हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह अपने तीन अन्य साथियों के साथ मिलकर क्षेत्र के अलग-अलग इलाकों में मोटर चोरी करता था। इसके लिए सभी आरोपी टोटो पर सवार होकर चोरी की वारदात को अंजाम देते थे। चोरी की गई मोटरों को बाद में कबाड़ी दुकानों में बेच दिया जाता था।

पुलिस के अनुसार, पूछताछ के दौरान रोहित कुमार ने चोरी की मोटरों को बेचने से संबंधित जानकारी पुलिस को दी। इसके बाद उसकी निशानदेही पर चेरकी स्थित एक कबाड़ी दुकान में छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान पुलिस ने चोरी की मोटर बरामद करते हुए कबाड़ी दुकानदार फिरोज खान को हिरासत में लिया।

पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए जेल भेज दिया है। वहीं, मामले में शामिल तीन अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। पुलिस का कहना है कि पूछताछ के आधार पर चोरी की अन्य मोटरों और गिरोह में शामिल लोगों के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है।

पद्म डॉ. बीकेएस संजय और डॉ. गौरव संजय ने जे बी आईटी के नए छात्रों को सड़क सुरक्षा के बारे में दी जानकारी

प्रातः किरण संवाददाता

पटना,/देहरादून। जे. बी. इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, देहरादून ने प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए इंडक्शन प्रोग्राम के तहत सड़क सुरक्षा पर एक प्रेरणादायक और विचारोत्तेजक व्याख्यान आयोजित किया।

इस सत्र में प्रसिद्ध ऑर्थोपीडिक सर्जन और पद्म पुरस्कार विजेता पद्म डॉ. बी. के. एस. संजय और डॉ. गौरव संजय शामिल हुए। उन्होंने नए छात्रों को संबोधित किया और सड़क पर ज़िम्मेदार व्यवहार, ट्रैफिक अनुशासन और सुरक्षा जागरूकता के महत्व पर जोर दिया।

व्याख्यान के दौरान, वक्ताओं ने छात्रों को सड़क दुर्घटनाओं की बढ़ती संख्या के बारे में जागरूक किया और इस बात पर जोर दिया कि सड़क सुरक्षा केवल ट्रैफिक नियमों का मामला नहीं है, बल्कि एक सामूहिक सामाजिक ज़िम्मेदारी भी है। छात्रों को सुरक्षित ड्राइविंग के तरीके अपनाने, हेलमेट और सीट बेल्ट पहनने, तेज गति और ध्यान भटकाने वाली ड्राइविंग से बचने और ट्रैफिक नियमों का सख्ती से पालन करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

पद्मश्री अध्यक्ष एम्स गुवाहाटी डॉ. बी. के. एस. संजय ने अपने पेशेवर अनुभव से महत्वपूर्ण बातें साझा कीं और सड़क दुर्घटनाओं के गंभीर शारीरिक और सामाजिक परिणामों के बारे में बताया। उन्होंने छात्रों से ह्लसड़क सुरक्षा एंबेसडर बनने और अपने परिवारों, दोस्तों और समुदायों को सुरक्षित सड़क व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित करने का आग्रह किया।

डॉ. गौरव संजय ने छात्रों से बातचीत की और सड़क का उपयोग करते समय अनुशासन, जागरूकता और ज़िम्मेदार नागरिकता के महत्व पर जोर दिया। इस इंटरैक्टिव सत्र ने छात्रों को व्यावहारिक जानकारी दी और उन्हें सड़क सुरक्षा को अपने दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाने के लिए प्रोत्साहित किया।

यह व्याख्यान जे.बी.आई.टी. की छात्र इंडक्शन और समग्र विकास पहल का एक महत्वपूर्ण हिस्सा था, जिसका उद्देश्य सामाजिक रूप से ज़िम्मेदार, अनुशासित और सुरक्षा के प्रति जागरूक युवा पेशेवर तैयार करना है।

जे.बी.आई.टी. के प्रबंधन और फैकल्टी ने पद्म श्री डॉ. बी. के. एस. संजय और डॉ. गौरव संजय का आभार व्यक्त किया कि उन्होंने अपना बहुमूल्य ज्ञान साझा किया और प्रथम वर्ष के छात्रों को एक सुरक्षित समाज बनाने में योगदान देने के लिए प्रेरित किया।सुरक्षित सड़कें, सुरक्षित जीवन झ्र हर यात्रा ज़िम्मेदारी के साथ शुरू होती है।

पालीगंज में जली बिजली ट्रांसफार्मर की मांग को लेकर किया प्रदर्शन

पालीगंज प्रखण्ड अंतर्गत सिद्धिपुर गांव में ट्रांसफार्मर जल जाने के कारण गांव में अंधकार छाया हुआ है। जिसे देख ग्रामीणों ने नए ट्रांसफार्मर लगाने की मांग करते हुए प्रदर्शन किया है। जानकारी के अनुसार पालीगंज प्रखण्ड अंतर्गत सिद्धिपुर गांव की बिजली ट्रांसफार्मर पांच दिनों पूर्व जल गई है। तब से हजारों की आवादी वाला गांव में अंधकार छाया हुआ है। जिसे देख ग्रामीणों ने शुक्रवार को जले हुए ट्रांसफार्मर के समीप पहुंचकर बिजली बिभाग से अविलम्ब नए ट्रांसफार्मर लगाने की मांग करते हुए प्रदर्शन किया। ग्रामीणों का कहना है कि इलाके में पड़ रही भीषण गर्मी के कारण एक ओर पंखे नही चलने से लोग परिसान हों गया है तो दूसरी ओर पेयजल की भी आपूर्ति ठीक से नही हो पा रही है। साथ ही बच्चों की पढ़ाई लिखाई भी बाधित है। मौके पर ग्रामीणों ने बताया कि सूचना के बावजूद भी बिभाग की ओर से पांच दिन बीत जाने के बावजूद भी अभी तक नए ट्रांसफार्मर नही लगाई गई है।

बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना में शिक्षा ऋण कम होने की खबर तथ्य से परे

पटना। बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के तहत विद्यार्थियों को मिलने वाले शिक्षा ऋण में कमी किए जाने की खबर तथ्यात्मक रूप से सही नहीं है। राज्य सरकार ने विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा के लिए वित्तीय सहायता के दायरे को और बढ़ाया है। उच्च शिक्षा विभाग के सचिव के अनुसार अब 2 लाख रुपए तक का शिक्षा ऋण बिहार राज्य शिक्षा वित्त निगम के माध्यम से उपलब्ध कराया जाएगा। वहीं 2 लाख से 4 लाख तक की वित्तीय सहायता अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के माध्यम से उपलब्ध कराई जाएगी। इससे पहले बिहार राज्य शिक्षा वित्त निगम के माध्यम से ही 4 लाख तक की राशि उपलब्ध कराई जाती थी।

बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना को प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा प्रोत्साहन योजना, पीएम विद्यालक्ष्मी पोर्टल और बैंकों से जोड़ने का उद्देश्य अधिक से अधिक विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए संस्थागत वित्तीय सहायता उपलब्ध कराना है। इसके साथ ही विद्यार्थियों को पीएम विद्यालक्ष्मी योजना के माध्यम से 10 लाख रुपए तक का शिक्षा ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। इस प्रकार उच्च शिक्षा के लिए विद्यार्थियों को पहले की तुलना में वित्तीय सहायता के अब अधिक विकल्प उपलब्ध कराए गए हैं। वित्तीय वर्ष 2025-26 में बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के तहत 886 करोड़ के व्यय की स्वीकृति दी गई थी। वहीं वर्तमान वित्तीय वर्ष 2026-27 में 950 करोड़ के व्यय की स्वीकृति प्रदान की गई है। इस प्रकार पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में वर्तमान वित्तीय वर्ष में योजना के लिए 64 करोड़ अधिक व्यय की स्वीकृति दी गई है। आंकड़े स्पष्ट रूप से बताते हैं कि बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के तहत वित्तीय सहायता का प्रावधान घटा नहीं, बल्कि बढ़ा है। सरकार का उद्देश्य विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए आसान, व्यापक और संस्थागत वित्तीय सहायता उपलब्ध कराना तथा अधिक से अधिक विद्यार्थियों को इसका लाभ पहुंचाना है।

पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मिले जदयू नेता विजय प्रसाद वर्मा

प्रातः किरण संवाददाता

पटनाः जनता दल (यू) की राजनीतिक सलाहकार समिति के सदस्य विजय प्रसाद वर्मा ने शुक्रवार को पटना स्थित 7, सर्कुलर रोड स्थित सरकारी आवास पर बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री एवं जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार से मुलाकात की। इस दौरान पार्टी संगठन और सरकार से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई।मुलाकात के दौरान विजय प्रसाद वर्मा ने अपने क्षेत्र की जनसमस्याओं तथा पार्टी कार्यकताओं से जुड़े विभिन्न विषयों को राष्ट्रीय अध्यक्ष के समक्ष रखा। नीतीश कुमार ने सभी बातों को गंभीरता से सुना और आश्वस्त किया कि क्षेत्र स्तर पर उत्पन्न समस्याओं के समाधान के लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कार्यकताओं और आम जनता की समस्याओं के त्वरित निदान पर विशेष ध्यान देने की बात भी कही।बैठक में जदयू संगठन को और मजबूत बनाने, सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं विकास कार्यों को आम लोगों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने तथा कार्यकताओं को जनसंपर्क अभियान में सक्रिय भूमिका निभाने पर जोर दिया गया।

मुलाकात के बाद विजय प्रसाद वर्मा ने कहा कि पार्टी का स्पष्ट निर्देश है कि कार्यकर्ता जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं के समाधान में सक्रिय भूमिका निभाएं और सरकार की उपलब्धियों तथा जनकल्याणकारी योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाएं।

20 सूत्री समिति की बैठक में जनसमस्याओं पर सदस्यों ने जताई नाराजगी

प्रातः किरण संवाददाता

हवेली खड़गपुर(मुंगेर)। प्रखंड कार्यालय परिसर में शुक्रवार को प्रखंड स्तरीय 20 सूत्री कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष शिवशंकर चौधरी ने की, जबकि संचालन प्रो. राजेंद्र मंडल ने किया। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों की अनुपस्थिति तथा पूर्व में उठाए गए जनहित के मुद्दों का समय पर निष्पादन नहीं होने पर सदस्यों ने नाराजगी जताई। बैठक शुरू होने से पूर्व अध्यक्ष शिवशंकर चौधरी ने बीडीओ संजय कुमार को छह सूत्री मांग पत्र सौंपा। इसमें 20 सूत्री कार्यालय को अतिक्रमणमुक्त कराने, बैठकों में पदाधिकारियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने, पूर्व की बैठकों में उठाए गए मुद्दों का निष्पादन कराने, स्वतंत्रता दिवस समारोह की सूचना सदस्यों को देने, मंच पर कुर्सी की व्यवस्था करने तथा पंचायतों में आयोजित सहयोग शिविरों की जानकारी सदस्यों को उपलब्ध कराने की मांग की गई। अध्यक्ष ने मांगों पर कार्रवाई नहीं होने पर बैठक के बहिष्कार की चेतावनी दी। बीडीओ के आश्वासन के बाद बैठक शुरू हुई। बैठक में प्रो. राजेंद्र मंडल ने खराब पड़ी सोलर स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत का मुद्दा उठाया।
मनोज कुमार हिमांशु ने तेलियाडीह पंचायत के कई वार्डों में पेयजल संकट तथा हर घर नल का जल योजना में लापरवाही का मामला उठाया। रजनीश झा ने सब्जी बाजार स्थित पानी टंकी पर अतिक्रमण का मुद्दा रखा। इस पर पीएचईडी के कनीय अभियंता संजय किरण ने शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। मनोज कुमार हिमांशु ने तेलियाडीह पंचायत सरकार भवन में बिजली कनेक्शन नहीं होने की बात कही, जिस पर विद्युत विभाग के अधिकारी ने जल्द कनेक्शन उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। वहीं शंभु केशरी ने अंबेडकर चौक मुख्य बाजार के आसपास ई-रिक्शा स्टैंड के कारण उत्पन्न जाम की समस्या को प्रमुखता से उठाया। संजय सिन्हा ने पीएचईडी के चापाकलों की गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए उच्चस्तरीय जांच की मांग की। कृष्ण मुरारी ने किसानों को विभागीय योजनाओं का समुचित लाभ नहीं मिलने का आरोप लगाया। रामजीवन मांझी ने गंगटा क्षेत्र में पेयजल संकट तथा पीडीएस में निर्धारित मात्रा से कम अनाज दिए जाने की शिकायत की। इस पर आपूर्ति पदाधिकारी ने लिखित आवेदन देने को कहा।
बैठक में बीडीओ संजय कुमार, आरडीओ शुभम कुमार, चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. सुबोध कुमार, वन क्षेत्र पदाधिकारी रॉबिन आनंद, आपूर्ति पदाधिकारी जुली कुमारी, कार्यक्रम पदाधिकारी कुमार मनीष, सीडीपीओ सरिता केसरी, राधे बिंद, राजीव रंजन उर्फ बबलू झा सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे। सदस्यों ने संबंधित विभागों से जनसमस्याओं का त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करने की मांग की।

अंतरराष्ट्रीय वरिष्ठ नागरिक दिवस पर पटना में सजा मंच

वरिष्ठों को मुफ्त पुस्तक प्रकाशन और बच्चों को निःशुल्क शिक्षा का बड़ा उपहार

अभय आर्या

पटना। त्रिपोलिया स्थित शीला मैरिज हॉल में वरिष्ठ नागरिक कल्याण समिति, बिहार (पटना) के तत्वावधान में 17वें अंतरराष्ट्रीय वरिष्ठ नागरिक दिवस समारोह का भव्य आयोजन किया गया। दीप प्रज्वलन और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से शुरू हुआ यह कार्यक्रम वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण, समाज सेवा और रचनात्मक संकल्पों का गवाह बना।

दीप प्रज्वलन के साथ भव्य शुभारंभ*

समारोह का संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर विधिवत उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट जन शामिल हुएः

सीता साहू** (महापौर, पटना नगर निगम)

डॉ. अविनाश प्रसाद (अध्यक्ष, वरिष्ठ नागरिक कल्याण समिति)

* *प्रो. संतोष कुमार, प्रो. (श्रीमती) भारती, प्रो. प्रभात कुमार, प्रो. दिनेश एवं डॉ. उमेश गुप्ता*

शिव वंदना और स्वागत गान ने मोहा मन

दृष्टिबाधित सेवानिवृत्त शिक्षक *नवल जी* ने अपनी सुरीली आवाज में स्वागत गान प्रस्तुत किया। इसके साथ ही सावन महीने के अवसर पर मनमोहक शिव वंदना की प्रस्तुति ने पूरे हॉल को भक्तिमय और ऊर्जावान बना दिया।

वरिष्ठों के लिए अनोखा संकल्पः हर रोज लिखें एक पन्ना

समिति के अध्यक्ष डॉ. अविनाश प्रसाद ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए वरिष्ठ नागरिकों से मानसिक सक्रियता बनाए रखने के लिए रोजाना कम से कम एक पृष्ठ लिखने का आह्वान किया।

* *मुफ्त पुस्तक प्रकाशन का वादाः* प्रो. संतोष कुमार ने घोषणा की कि वरिष्ठों द्वारा लिखी गई रचनाओं को वे अपने निजी खर्च पर पुस्तक के रूप में प्रकाशित करवाएंगे।

* *मुफ्त शिक्षा की घोषणाः* प्रो. संतोष कुमार ने सामाजिक सरोकार निभाते हुए छठवीं से दसवीं कक्षा तक के आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को मुफ्त पढ़ाने की भी सहर्ष स्वीकृति दी।

सरकार से प्रमुख मांगें एवं सामाजिक सरोकार

अध्यक्ष डॉ. अविनाश प्रसाद ने वरिष्ठों के अधिकारों और सामाजिक सुधारों के लिए आवाज उठाईः

* वरिष्ठ नागरिकों के लिए ह्यआशियाना (ओल्ड एज होम) की व्यवस्था।

* नशामुक्ति अभियान और अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई में तेजी।

* विद्यालयों, अस्पतालों और पुस्तकालयों की स्थिति में सुधार।

* मिलावटखोरों और नकली दवा के कारोबारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग।

पत्रिका एवं काव्य संग्रह आसपास का लोकार्पण

कार्यक्रम के दौरान संस्था की वार्षिक पत्रिका का विमोचन किया गया। इसके साथ ही *शिवकुमार जी* द्वारा रचित काव्य संग्रह *आसपास* का गरिमामय लोकार्पण भी हुआ।

सचिव ने संस्था का वार्षिक प्रतिवेदन और कोषाध्यक्ष ने आय-व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया। समाज में उत्कृष्ट विचारों के आदान-प्रदान के लिए सभी मंचासीन अतिथियों को पुष्पगुच्छ, स्मृति चिह्न (मोमेंटो) और अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया।

समारोह के अंत में अध्यक्षीय संबोधन, धन्यवाद ज्ञापन और अल्पाहार के साथ कार्यक्रम का सफल समापन हुआ।

मखाना का विस्तार भारत की वैश्विक स्थिति को और मजबूत करेगा : डॉ मनोज कुमार

दरभंगा.राष्ट्रीय मखाना अनुसंधान केंद्र, दरभंगा में मध्य प्रदेश के उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा राष्ट्रीय मखाना बोर्ड के अंतर्गत संचालित केंद्रीय योजना के तहत दो दर्जन कृषकों एवं अधिकारियों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण एवं परिभ्रमण कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर केंद्र प्रभारी डॉ. आई.एस. सिंह ने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि मखाना बिहार के साथ-साथ देश की महत्वपूर्ण जलीय फसल के रूप में तेजी से उभर रहा है। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक तकनीकों एवं आधुनिक प्रबंधन को अपनाकर देश के अन्य अनुकूल क्षेत्रों में भी मखाना उत्पादन को बढ़ावा दिया रहा है। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. मनोज कुमार ने कहा कि विश्व का लगभग 90 प्रतिशत मखाना भारत में उत्पादित होने के बावजूद वैश्विक मांग की तुलना में इसका उत्पादन अभी कम है। ऐसे में अनुकूल जलवायु और पर्याप्त सतही जल वाले क्षेत्रों में मखाना का विस्तार भारत की वैश्विक स्थिति को और मजबूत करेगा। उन्होंने कहा कि मखाना विस्तार के लिए भूमिगत जल पर निर्भरता जोखिमपूर्ण है। इसका विस्तार उन्हीं क्षेत्रों में किया जाना चाहिए जहां प्राकृतिक जलभराव अथवा पर्याप्त सतही जल उपलब्ध हो। मध्य प्रदेश के नर्मदापुरम, पन्ना, रायसेन, सिवनी, छिंदवाड़ा और बालाघाट जैसे जिलों में अच्छी वर्षा, पर्याप्त जल संसाधन और अपेक्षाकृत कम जनसंख्या दबाव के कारण मखाना उत्पादन की व्यापक संभावनाएं हैं। वैज्ञानिक डॉ. धर्मेंद्र ने मखाना में यांत्रिकीकरण की भूमिका पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि आधुनिक उत्पादन एवं प्रसंस्करण मशीनों का उपयोग श्रम लागत कम करने तथा नए क्षेत्रों में मखाना उत्पादन के तेजी से विस्तार में प्रभावी होगा। वैज्ञानिक एस.एम. राउत ने मखाना के साथ मछली उत्पादन, ई. आर.के. राउत ने प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन की आधुनिक तकनीकों तथा वैज्ञानिक एस.बी. तराटे ने भूमि एवं जल प्रबंधन पर प्रशिक्षुओं को विस्तृत जानकारी दी। प्रशिक्षुओं ने कहा कि उनका आत्मविश्वास बढ़ा है और मध्य प्रदेश में मखाना क्षेत्र विस्तार के लिए वे निश्चित रूप से प्रयास करेंगे।

30 लीटर शराब के साथ कारोबारी गिरफ्तार, भेजा गया जेल

हरसिद्धि। स्थानीय पुलिस ने शराब माफियाओं और धंधेबाजों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत एक बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने थाना क्षेत्र के मुरारपुर गांव में छापेमारी कर 30 लीटर अवैध शराब के साथ एक शराब कारोबारी को रंगेहाथ गिरफ्तार किया है।

मामले की जानकारी देते हुए हरसिद्धि थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि पुलिस को मुरारपुर क्षेत्र में शराब की बड़ी खेप लाए जाने की गुप्त सूचना मिली थी।

सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुरारपुर वार्ड नंबर 11 में विशेष छापेमारी की। इस दौरान पुलिस ने मौके से 30 लीटर शराब बरामद की।थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार शराब कारोबारी की पहचान स्वर्गीय विशुन महतो का पुत्र महावीर महतो साकिन- मुरारपुर, वार्ड नंबर 11 निवासी के रूप में हुई है।

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एस.के. पुरी, नियर बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित संपादक- देवन प्रसाद राय Mob.: 9212228045, 8130691216,
(नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/ 49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@ pratahkiran.com, 9971557129, 9334542496